UPHIN/2009/27457

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून...

करण वाणी

● वर्ष : 08 ● अंक : 41 ● लखनऊ, सोमवार 6 मई 2024 ● मूल्य : 2 रु. ● पृष्ठ : 08

3 कोर्ट के आदेश के बाद दर्ज हुई....

4 भरी सरकारी झोली

5 10 हजार के आसपास लोग भाजपा....

मुलायम सिंह की संसद में कही बात मेरे लिए बन गई आशीर्वाद

इटावा की जनसभा में पीएम मोदी कहा, सशक्त भारत की नींव तैयार कर राहूं, मोदी रहे या न रहे लेकिन देश हमेशा रहेगा। ये सपा-कांग्रेस वाले चुनाव लड़ रहे हैं अपने भविष्य के लिए, अपने बच्चों के लिए।

संवाददाता

इटावा। सपा के गढ़ कहे जाने वाले इटावा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर करारा प्रहार किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, सपा-कांग्रेस के नारे भी झूठे और वादे भी झूठे। इनकी नीयत में भी खोट है।

इटावा, कन्नौज और मैनपुरी के लोगों को राम-राम करते हुए पीएम मोदी ने मुलायम सिंह यादव की 2019 से पहले की संसद में कही वो बात भी याद दिलाई। पीएम मोदी ने कहा, मुलायम सिंह यादव ने संसद में कहा था मोदी जी आप दोबारा जीतकर आएंगे। 2019 में उनका आशीर्वाद मुझे लगा और दोबारा से प्रधानमंत्री बना। पीएम मोदी ने शिवपाल यादव पर भी तंज कसा। पीएम मोदी ने कहा, मुलायम सिंह यादव ने संसद में जो कहा था, अब उनके भाई शिवपाल के मन की बात जुबां पर आ गई तभी तो वह भाजपा को जिताने की अपील कर रहे हैं, इसीलिए मैं आपकी धरा पर आशीर्वाद लेने आया हूं। बतादें कि कुछ दिन पहले बदायूं में आयोजित सपा जनसभा में शिवपाल यादव बोलते समय भाजपा को भारी मार्जिन से जिताने की अपील कर बैठे थे। उनका वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। शिवपाल के इस बयान को पीएम मोदी ने इटावा में तंज कसा।

पीएम मोदी ने आगे कहा, सशक्त भारत की नींव तैयार कर राहूं, मोदी रहे या न रहे लेकिन देश हमेशा रहेगा। ये सपा-कांग्रेस वाले चुनाव लड़ रहे हैं अपने भविष्य के लिए, अपने बच्चों के लिए। लेकिन मोदी-योगी ने अपने आगे-पीछे कुछ रखा ही नहीं, हम खप रहे हैं आपके बच्चों के लिए। हम खप रहे हैं आपके बच्चों का भविष्य बनाने के लिए, यही है विकसित भारत का संकल्प। विपक्ष पर बरसते हुए पीएम ने कहा, मोदी विरासत, गरीब का घर,,शौचालय, मुफ्त अनाज, मुफ्त इलाज है, राष्ट्रीय शिक्षा नीति है। मोदी की विसात सबकी है और सबके लिए है, शाही परिवार का ही बेटा पीएम-सीएम बनेका यह कुप्रथा चाय वाले ने तोड़ दी है। पीएम मोदी ने कहा, मोदी ने तुष्टीकरण की पोल खोली।

चाय वाले ने शाही परिवार की कुप्रथा तोड़ी है। जनसभा में बोलते हुए पीएम मोदी बोले- कोई इटावा, मैनपुरी को जागीर मानता है तो कोई रायबरेली-अमेठी को जागीर मानता है। सपा-कांग्रेस के नारे झूठे और नीयत में खोट है। ये लोग लगातार झूठ बोलेंगे। चाहे इसमें देश और समाज का कितना भी नुकसान क्यों न हो जाए। इन लोगों ने देश को कोरोना के संकट काल में भी नहीं छोड़ा था। देश के वैज्ञानिकों ने टीका बनाया, लेकिन सपा-कांग्रेस के लोग उसे बदनाम करते थे। खुद चोरी-छिपे टीके लगवाते थे और जनता को भड़काते थे। मोदी को गाली देते ये लोग भगवान कृष्ण की पूजा का अपमान करने लगे।

आतंकवादियों की समर्थक सपा को कतई वोट न देना

सीएम योगी ने मिश्रिख लोकसभा से भाजपा सांसद व प्रत्याशी अशोक रावत के लिए की जनसभा

संवाददाता

हरदोई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने शासनकाल में समाजवादी पार्टी आतंकवादियों के मुकदमों को वापस लेने में रुचि लेती थी। इन लोगों ने अयोध्या, रामपुर में सीआरपीएफ कैंप, काशी में संकटमोचन मंदिर, लखनऊ, अयोध्या और वाराणसी की कचहरी पर हमला करने वाले आतंकियों के मुकदमों को वापस लेने का प्रयास किया था, तब हाईकोर्ट ने कहा था कि आज आतंकियों के मुकदमे वापस ले रहे हो, कल इन्हें पद्म पुरस्कार से नवाजोगे। सरकार का यह कृत्य खतरनाक व निंदनीय है। कोर्ट ने सपा को कंडम किया था। सीएम ने अपील की कि आतंकवादियों की समर्थक सपा और राम का अपमान करने वालों को वोट नहीं देना है।

सीएम योगी ने मिश्रिख से भाजपा सांसद व प्रत्याशी अशोक रावत के लिए रविवार को मल्लावां, हरदोई में जनसभा कर वोट देने की अपील की। योगी ने भीषण गर्मी में पहुंचे लोगों का अभिवादन किया और कहा कि विधानसभा चुनाव और 2019 में महागठबंधन के बाद भी भाजपा प्रत्याशियों को आमजन का आशीर्वाद प्राप्त हुआ था।

हरदोई व सीतापुर में बने सर्वाधिक आवास-शौचालय: सीएम योगी ने कहा कि नए भारत में नई विकास यात्रा चल रही है। 2014 के पहले जितने हाइवे बने, मोदी के नेतृत्व में उससे दोगुने हाइवे 10 वर्ष में बन गए हैं।

दोगुने एयरपोर्ट बन गए हैं। कांग्रेस ने सिर्फ एक एम्स बनाया, छह एम्स अटल जी और 15 एम्स पीएम मोदी ने बनवाए। दस वर्ष में दोगुने विश्वविद्यालय बन गए। यह विकास की नई गाथा है। सीएम ने कहा कि सपा शासन में यह क्षेत्र हो या अन्य क्षेत्र, लोग भूख से मरते थे। पाकिस्तान का राग अलापने वालों को बताना चाहिए कि वहां के 23-24 करोड़ लोगों को दो जून की रोटी नहीं मिल रही है और यहां 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिल रहा है।

अबकी बार-400 पार में सबसे बड़ा योगदान उत्तर प्रदेश का

मुख्यमंत्री ने जनता से अनुरोध किया कि नए भारत के निर्माण में हम भी सहभागी बनें। दो चरणों के चुनाव ने साबित कर दिया कि अबकी बार-400 पार का लक्ष्य प्राप्त होगा और इसमें सबसे बड़ा योगदान उत्तर प्रदेश का होगा। 10 वर्ष में देश में व्यापक परिवर्तन हुआ है, इसलिए आमजन फिर से पीएम मोदी को चुनना चाहता है। हरदोई व लखनऊ के बीच 1000 एकड़ क्षेत्रफल में नए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त पीएम श्री टेक्सटाइल्स पार्क बनने जा रहा है। इसमें हजारों युवाओं को नौकरी मिलेगी। एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज का उपहार भी इस जनपद को प्राप्त हो चुका है।

बसपा मुस्लिमों व उनके मुद्दों के साथः आकाश

लखनऊ। बसपा के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर आकाश आनंद ने कहा है कि उनकी पार्टी हमेशा मुस्लिमों और उनके मुद्दे के साथ खड़ी है। उन्होंने यह बात अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ मुलाकात के बाद सोशल मीडिया 'एक्स पर साझा करते ही कही है। उन्होंने कहा है कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्रों से मुलाकात हुई, देश के राजनीतिक माहौल पर उनसे खुल कर चर्चा करने का मौका मिला। उनकी बातें और चिंताएं सुन कर मन थोड़ा विचलित भी हुआ। उन्होंने बताया कि किस तरह से एक डर का माहौल बना कर पूरे समाज को डराया जा रहा है। मैं इन सभी मेधावी साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जो उन्होंने अपने दिल की बात खुल कर मेरा साथ साझा कि और मैं आप सभी को ये भरोसा दिलाना चाहता हूं कि मैं हमेशा आपके और आपसे जुड़े मुद्दों के साथ खड़ा हूं।

अखिलेश ने भाजपा से पूछे 100 से अधिक सच्चे सवाल

संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के दो चरण की वोटिंग हो चुकी है। तीसरे चरण के लिए 7 मई को वोटिंग होगी। हालांकि इससे पहले हर राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रही है। सभी एक दूसरे के कामों का ब्योरा मांग रहे हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट पोस्ट करते हुए भाजपा से 100 से अधिक सवाल पूछे हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने भाजपा को निशाने पर लेते हुए लिखा,जनता के ये सच्चे सवाल ही भाजपा की झूठी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। सपा नेता ने वैक्सीन को लेकर लिखा कि भाजपा ने बिना जांच पड़ताल के कोरोना का जानलेवा टीका जनता को क्यों लगवाया? कोरोना की वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से करोड़ों रुपये खाकर जनता के जीवन को जोखिम में क्यो डाला? भाजपा ने मानकों पर खरा उतरे बिना अपने समर्थकों की दवाई व अन्य उत्पादों को बिकने के यों दिया?

युवाओं के रोजगार को लेकर भी किए सवाल: सपा नेता के 100 से अधिक सवालों में युवाओं के रोजगार से संबंधित सवाल भी शामिल हैं। पोस्ट में डबल इंजन की सरकार पर निशाना साधते हुए पोस्ट में है, भाजपा ने संविधान द्वारा दिए गए आरक्षण को ख़त्म करने की बात के यों उठायी?

भाजपा ने सरकारी नौकरी न निकालकर आरक्षण से मिलनेवाली नौकरियों को मिलने से रोक क्यों दिया? भाजपा ने पेपर लीक करवाकर किसी भी भर्ती को पूरा होने के यों नहीं दिया? भाजपा ने सेना की पक्की नौकरी को 4 साल की कच्ची नौकरी में बदलने के यों दिया? भाजपा ने अग्निवीर जैसी अल्पकालीन सेना भर्ती में पेंशन और शहीद का दर्जा क्यों नहीं दिया?

भाजपा के झूठे वादों से किसान, नौजवान व आम इंसान परेशानः डिंपल

संवाददाता

मैनपुरी। तीसरे चरण के चुनाव प्रचार का रविवार को अंतिम दिन होने के चलते सभी दलों के उम्मीदवारों ने प्रचार में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी और पूरी ताकत झोंक दी। उप्र में तृतीय चरण की सबसे चर्चित सीट मैनपुरी लोकसभा सीट पर चुनाव मैदान में उतरे उम्मीदवारों ने जनता के बीच जा-जा कर अपना समर्थन और मतदान की करने की अपील की।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन दोपहर में बेवर कस्बे के सदर चौराहे पर समाजवादी पार्टी की लोकसभा प्रत्याशी डिंपल यादव पहुंची यहां उन्होंने नुक्कड़ सभा को संबोधित किया। वह सभा के दौरान पूरे समय भाजपा पर हमलावर रहीं। उन्होंने देश में इंडिया गठबंधन की लहर बताते हुए भाजपा पर तीखे बाण छोड़े। डिंपल ने कहा कि पूरे देश के हालात खराब हैं। देश की जनता उपेक्षित महसूस कर रही है। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों से किए झूठे वादे और भ्रष्टाचार से परेशान है। दबाव की राजनीति की जा रही है। भाजपा को भ्रष्टाचारियों की पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बाण्ड के रूप में 300 करोड़ रुपये वसूले गए। आज लोगों का वोट भी असुरक्षित है। भाजपा सरकार में किसान आंदोलन दबाया गया। उन्होंने कस्बे में चेयरमैन प्रत्याशी अन्नू दीक्षित की हार को लेकर कहा कि अन्नू दीक्षित को हराया गया। बदला लेने का समय है, यह परिवर्तन का समय है। जनता परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दे। इस मौके पर इकरा हसन, तेज प्रताप, आलोक शाक्य, पूजा शुक्ला, पवन पांडेय, तोताराम यादव, विनीता शाक्य, मनोज दुबे, जसकरन कठेरिया, सुभाष आचार्य, अतुल कठेरिया, रामवीर यादव, प्रशांत पाठक, रजनीश यादव, अन्नू दीक्षित, विजलेश तिवारी, इंद्रपाल यादव, ब्रजविलास दीक्षित आदि मौजूद रहे।

दो साल में आवास ऋण बकाया 10 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली । आवास क्षेत्र के लिए बकाया ऋण पिछले दो वित्त वर्षों में लगभग 10 लाख करोड़ रुपये बढ़कर इस साल मार्च में रिकॉर्ड 27.23 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आरबीआई के 'बैंक ऋण के क्षेत्रवार वितरण' आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

बैंकिंग और रियल एस्टेट क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने बताया कि कोविड महामारी के बाद आवासीय संपत्ति बाजार में दबी मांग सामने आने के चलते आवास ऋण बकाया में वृद्धि हुई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मार्च, 2024 के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रवार वितरण पर आंकड़ों के अनुसार आवास (प्राथमिकता क्षेत्र आवास सहित) के लिए बकाया ऋण मार्च, 2024 में 27,22,720 करोड़ रुपये था।

यह आंकड़ा मार्च, 2023 में 19,88,532 करोड़ रुपये और मार्च, 2022 में 17,26,697 करोड़ रुपये था। आंकड़ों से यह भी पता चला कि वाणिज्यिक अचल संपत्ति के लिए बकाया ऋण मार्च 2024 में 4,48,145 करोड़ रुपये था। यह मार्च, 2022 में 2,97,231 करोड़ रुपये था। विभिन्न संपत्ति सलाहकारों की रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो वित्त वर्षों में घरों की बिक्री और कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सीआईएससीई की 10वीं, 12वीं कक्षा के नतीजे सोमवार को होंगे घोषित

नयी दिल्ली। काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) सोमवार को 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित करेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सचिव जोसेफ इमैनुएल ने रविवार को बताया, ''आईसीएसई (10 वीं कक्षा) और आईसीएस (12वीं कक्षा) के परिणाम की घोषणा छह मई को दिन में 11 बजे की जाएगी।'' परिणाम बोर्ड की वेबसाइट, कैरियर्स पोर्टल और डिजीलॉकर पर उपलब्ध होंगे। बोर्ड ने इस सत्र से 10 वीं और 12वीं कक्षा के लिए कंपार्टमेंट परीक्षा बंद करने का भी निर्णय लिया है।

तीन बार से ज्यादा ट्रैफिक नियम तोड़े तो आरसी रद्द

संवाददाता

लखनऊ। सड़क पर बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालक संभल जाएं। अब तीन बार ट्रैफिक नियम तोड़ने पर डीएल निलंबन के बाद दोबारा तीन बार ट्रैफिक नियम तोड़ने पर वाहन रजिस्ट्रेशन भी निरस्त कर दिया जाएगा। सड़क पर आरटीओ और ट्रैफिक विभाग की इस सख्ती के बाद वाहन चालक की मुसीबतें बढ़ जाएगी। वह वाहन को सड़क पर दौड़ा नहीं सकेंगे और दोबारा देश के किसी भी आरटीओ कार्यालय से ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बन सकेगा। इस संबंध में परिवहन आयुक्त चंद्र भूषण की ओर से लखनऊ समेत प्रदेश भर के एआरटीओ प्रशासन को चिट्ठी भेजकर वाहनों के ई चालान की जांच कर तीन बार से ज्यादा ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर डीएल और आरसी रद्द करने की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, ताकि सड़क हादसे और सड़कों पर ट्रैफिक जाम को रोका जा सके।

सड़क सुरक्षा की बैठक में फैसला: अभी तक तीन बार ट्रैफिक नियम तोड़ने पर डीएल रद्द करने की संस्तुति की जा रही थी। अब वाहन सवारों पर सख्ती करते हुए गाड़ी आरसी निरस्त करने का फैसला लिया गया है। यह निर्णय 12 अप्रैल को हुई उप्र राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में लिया गया। इसके बाद इस दिशा में वाहन चालकों पर सख्ती से कार्रवाई शुरू करने की तैयारी है।

पिछले वर्ष 7070 पर कार्रवाई, इस वर्ष 12 हजार का लक्ष्य: पिछले वर्ष जनवरी से सितंबर तक प्रदेश भर में तीन बार से ज्यादा सड़क पर अपराध करने वाले 11 हजार 693 मामले सामने आए थे। इनमें 7070 ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की गई थी। इसे सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के सदस्यों ने संतोषजनक नहीं पाया था। इसलिए इस वित्तीय वर्ष में एक अप्रैल से 31 मार्च 2025 के बीच 12 हजार डीएल और आरसी मिलाकर रद्द करने का लक्ष्य रखा गया है।

इन अपराधों पर होगी कार्रवाई	2022 से 2023 में हादसे बढ़े
● चौराहे-तिराहे रेड लाइट जंप	● सड़क दुर्घटनाओं में 6.6 फीसदी
● सड़क पर ओवर स्पीडिंग	● हादसे में मृत व्यक्तियों में 4.1 फीसदी
● ट्रकों में ओवर लोड सामान	● दुर्घटना में घायलों में 8.4 फीसदी
● मालवाहक में यात्री ले जाना	
● मोबाइल फोन का प्रयोग	
● नशे के हालत में वाहन चलाना	

राजा भैया की अमित शाह के साथ बेंगलुरु में हुई मुलाकात

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव की राजनीतिक जमीन पर एक बार फिर बदलाव होता दिख रहा है। भारतीय जनता पार्टी यूपी में मिशन-80 के साथ चुनावी मैदान में है। ऐसे में पार्टी हर सीट के लिए चुनावी समीकरण को तैयार करके बैठी है। इस समीकरण को साधने के लिए पार्टी के तमाम शीर्ष नेता अपने स्तर पर काम करते दिख रहे हैं। एक तरफ पीएम नरेंद्र मोदी लगातार रैलियों और रोड शो के जरिए यूपी के राजनीतिक माहौल को एक बार फिर भाजपा के पक्ष में मोड़ने की कोशिश में हैं। वहीं, दक्षिण भारत से एक बड़ी खबर आ रही है। जनसत्ता पार्टी लोकतांत्रिक के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई है।

अश्लील वीडियो मामले में सांसद प्रज्वल के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस

बंगलुरू। कर्नाटक के हासन से लोकसभा उम्मीदवार और जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना विवादों में घिरे हुए हैं। यौन शोषण मामले में कर्नाटक के गृहमंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने रविवार को बताया कि उन्होंने ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है। साथ ही प्रज्वल रेवन्ना की भारत वापसी के लिए इंटरपोल की मदद ली जा रही है। इंटरपोल प्रज्वल के बारे में सभी देशों को सूचित करेगी। उन्होंने कहा कि प्रज्वल को कैसे वापस लाया जाए, इस पर जांच के लिए गठित विशेष जांच दल ही फैसला करेगा। ब्लू कॉर्नर नोटिस अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन की तरफ से जारी किया जाता है, जिसे इंटरपोल कहा जाता है।

तीसरे चरण की 10 सीटों पर थमा प्रचार, मतदान कल

लोकसभा चुनाव

संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में उत्तर प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव प्रचार रविवार की शाम को थम गया। इन 10 सीटों पर मतदान मंगलवार सात मई को होगा। यह सीटें हैं-सम्भल, हाथरस सु., आगरा सु., फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला और बरेली। 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में इन 10 सीटों के नतीजों पर गौर करें तो सम्भल और मैनपुरी सपा ने जीती थीं, बाकी आठ सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार विजयी हुए थे। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में सात मई को इन 10 सीटों पर होने वाले मतदान को सकुशल, निष्पक्ष व शान्तिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए सोमवार छह मई को मतदान केन्द्रों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। इसके लिए सभी संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि तृतीय चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान केन्द्रों एवं पोलिंग बूथ पर मतदाताओं एवं मतदान कर्मियों के लिए जरूरी सुविधाएं मुहैय्या कराने के निर्देश दिए गए हैं।

कंगना की विपक्ष पर अटैक के बीच फिसल गई जुबान

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत हिमाचल की मंडी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। शनिवार यानी 4 मई को एक रैली को संबोधित करते हुए उनके मुंह से कुछ ऐसा निकल गया जिसके बाद वह चर्चा में आ गईं। दरअसल वह लोगों को संबोधित करते हुए वह विपक्ष पर जमकर निशाना साध रही थीं। तभी उनके मुंह से राजद नेता तेजस्वी यादव की जगह बीजेपी के युवा नेता तेजस्वी सूर्या का नाम निकल गया। दोनों का पहला नाम तेजस्वी है, जिससे कंगना भी धोखा खा गईं और अपने ही पार्टी के नेता का नाम ले बैठीं। उनकी यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल होते ही तेजस्वी यादव ने भी ट्वीट किया।

400 पार-जय श्रीराम के नारों से गूंजी अयोध्या

राम लला के दर्शन के बाद पीएम मोदी का मेगा रोड शो

संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के समर्थन में पीएम मोदी ने रविवार की शाम भव्य रोड शो निकाला। करीब आठ बजे शुरू हुआ यह रोड शो नौ बजे समाप्त हुआ। रोड शो सुग्रीव किला से लता मंगेश्कर चौक तक करीब दो किलोमीटर का निकाला गया। इस दौरान जगह-जगह पीएम मोदी के रोड शो का स्वागत किया। पीएम मोदी के इस रोड में लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अयोध्यावासी ही नहीं देश दुनिया से भी पीएम मोदी के रोड शो में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। पीएम मोदी के रोड शो लेकर जगह-जगह रंगारंग कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया था। इसके अलावा छतों से भी लोगों ने पीएम मोदी के रोड पर पुष्प बरसाए। रोड शो के विशेष रथ पर सवार पीएम मोदी और सीएम योगी ने लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन भी किया। पीएम मोदी के साथ सीएम योगी के अलावा भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह भी मौजूद थे। जैसे ही पीएम मोदी का रोड शो खत्म हुआ तो वह विशेष रथ से नीचे उतरे। इसके बाद फिर लोगों ने पीएम मोदी पर फूलों की बारिश की। पीएम मोदी यहां से अपनी गाड़ी में बैठकर अयोध्या एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। पीएम मोदी इसके बाद विशेष विमान से दिल्ली के लिए रवाना हो गए और सीएम योगी लखनऊ के लिए प्रस्थान कर गए।

कांग्रेस मीडिया विभाग की राधिका खेड़ा ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राधिका खेड़ा में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। खेड़ा ने आरोप लगाया कि राम मंदिर के दर्शन के बाद उनके साथ अभद्रता हुई। वह लड़की हैं और लड़ सकती हैं इसलिए वह इस्तीफा दे रही है। राधिका खेड़ा ने सोशल मीडिया एक पर लिखा कि आज अत्यंत पीड़ा के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता त्याग रही हूँ व अपने पद से इस्तीफ़ा दे रही हूँ। हाँ मैं लड़की हूँ और लड़ सकती हूँ, और वही अब मैं कर रहीं हूँ। अपने व देशवासियों के न्याय के लिए मैं निरंतर लड़ती रहूँगी। अपने पत्र में राधिका खेड़ा ने लिखा कि पिछले 22 साल से सुई से लेकर कांग्रेस के मीडिया विभाग में ईमानदारी से कम कर रही हैं।

लालकुआं में बदबूदार पानी के लिए पार्षद पर बरसे लोग

संवाददाता

लखनऊ। लालकुआं पर दूषित जलापूर्ति और सीवर सफाई न होने से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने बोतल में पानी लेकर विरोध जताया। लोगों के विरोध प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर पार्षद पहुंचे। उन्होंने नगर निगम के कर्मचारियों, अधिकारियों को सूचित किया। नगर निगम से पहुंची टीम ने सीवर सफाई शुरू कराई। पार्षद ने आश्वस्त किया कि जलापूर्ति में भी तुरंत सुधार कराया जाएगा। इसके बाद आक्रोशित लोग शांत हुए।

लालकुआं छितवापुर भेड़ी मंडी, पसियाना, कल्लू पंडित गली, चट्टान, प्रभा देवी लेन समेत कई मोहल्लों में चार दिन से दूषित जलापूर्ति हो रही है। स्थानीय निवासी संगीता ने बताया कि मटमैला, बदबूदार पानी रोज आ रहा है। इतना गंदा पानी आता है कि नहाने तक की हिम्मत नहीं होती है। राहुल ने बताया कि कई दिन से सुबह छह बजे से 11 बजे तक दूषित जलापूर्ति हो रही है। जलकल के कर्मचारियों को कॉल करके बताया गया, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। छितवापुर की रामरानी ने बताया कि मटमैले, बदबूदार पानी पीने से पेट में दर्द की समस्या होने लगी है। डॉक्टर से दवा ली तो सुधार हुआ। कल्लू पंडित गली की शांति शर्मा ने बताया कि सीवर कई दिन से चोक है। शिकायत के बाद भी सीवर सफाई के लिए कोई नहीं आता है। भीषण गर्मी में दूषित जलापूर्ति और सीवर चोक की समस्या से आक्रोशित लोगों ने छितवापुर रोड पर बोतल में पानी लेकर विरोध जताया। लालकुआं के भाजपा पार्षद सुशील तिवारी पम्मी मौके पर पहुंचे। पम्मी ने लोगों को शांत कराया। उन्होंने मौके पर खड़े होकर सीवर सफाई का तुरंत ही काम करवाया। साथ ही जलकल के अफसरों को कॉल करके जलापूर्ति में सुधार के लिए कहा।

कांग्रेस का हाथ, देश के दुश्मनों के साथ

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान से कांग्रेस के समर्थन में उठी आवाज पर कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर किया प्रहार
- सीएम योगी बोले - भाजपा जीते तो देश में मनेगी दीपावली और कांग्रेस की जीत पर पाकिस्तान में मनाया जाएगा जश्न
- पुलवामा की घटना का समर्थन करने वाला पाकिस्तान का पूर्व मंत्री आज राहुल गांधी को कर रहा है सपोर्टः योगी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पाकिस्तान से कांग्रेस के समर्थन में उठी आवाज पर राहुल गांधी और इंडी गठबंधन पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस का हाथ देश के दुश्मनों के साथ है। संभल, बदायूं और आंवला लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के लिए रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर मीडिया से इस विषय पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि यदि मोदी और भाजपा जीतते हैं तो देश में दीपावली मनाई जाती है तो वहीं कांग्रेस की जीत पर पाकिस्तान में जश्न मनाया जाता है। इस अंतर को देश की जनता को समझना चाहिए और देश विरोधी तत्वों को नकार देना चाहिए।

कांग्रेस की विभाजनकारी, तुष्टीकरण की नीतियों को जनता देगी करारा जवाबः उन्होंने कहा कि कांग्रेस आजादी के बाद अपने मार्ग से भटक गई है। उसने अपने स्वार्थ के लिए पहले देश का विभाजन किया और फिर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश के अंदर तुष्टीकरण की नीतियों को आगे बढ़ाया। तुष्टीकरण की नीतियों का ही दुष्परिणाम था कि देश के अंदर अलगाववाद और उग्रवाद चरम पर पहुंचा। कांग्रेस सरकार की भ्रष्ट नीतियों के कारण देश के अंदर नक्सलवाद भी तेजी से फैला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पिछले 10 वर्ष के अंदर जो कार्य किया है उसके कारण आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद को नियंत्रित किया जा सका है। आज देश के अंदर एक सकारात्मक माहौल बना है। विकास और गरीब कल्याणकारी योजनाओं को लेकर एक बेहतर माहौल बना है, जिससे अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को भी शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। स्वाभाविक रूप से आम जनमानस का रुझान इन सभी बातों को लेकर मोदी जी के समर्थन में है। हमें पूर्ण विश्वास है कि कांग्रेस की विभाजनकारी, तुष्टीकरण की नीतियों का देश की जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन को जोरदार जवाब देकर उनकी मंशा पर पानी फेरने का काम करेगी और मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन फिर एक बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा।

कांग्रेस जीती तो प्रफुल्लित होगा पाकिस्तान

सीएम योगी ने कहा कि चुनाव आज चरम पर पहुंच चुका है। स्वाभाविक रूप से जो देश के दुश्मन हैं वह चुनाव के दौरान मोदी जी के पक्ष में जो माहौल है उसको खराब करने का भरसक प्रयास करेंगे। कुछ चीजें पूरे देश की जनता को देखनी चाहिएं कि कैसे पाकिस्तान राहुल गांधी को प्रोजेक्ट कर रहा है। पाकिस्तान सरकार का एक पूर्व मंत्री जो बेशर्मी के साथ पुलवामा की घटना का समर्थन करता है, वही व्यक्ति आज राहुल गांधी को सपोर्ट कर रहा है और राहुल गांधी को लेकर प्रफुल्लित हो रहा हो। यह दिखाता है कि कांग्रेस का हाथ, देश के दुश्मनों का साथ दोनों साथ हैं। ये दिखाता है कि मोदी जी जीतेंगे तो भारत में दीपावली होगी, लेकिन यदि कांग्रेस कहीं पर सफलता प्राप्त करे तो पाकिस्तान उससे प्रफुल्लित हो रहा है। देश की जनता को इन बयानों से अवेयर होना चाहिए और समझना चाहिए कि इसके पीछे भारत विरोधी ताकतों की मंशा क्या है।

लखनऊ-कानपुर रोड पर डंपर खराब,जाम में जूझे लोग

सरोजनीनगर। लखनऊ-कानपुर रोड पर शुक्रवार सुबह बंथरा के पास बीच सड़क पर डंपर खराब हो जाने से करीब डेढ़ घंटे तक सड़क पर जाम के हालात बने रहे। इस दौरान कानपुर की ओर जाने वाली सड़क पर दो किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गई। स्थानीय पुलिस ने लखनऊ-कानपुर एलीवेटेड रोड का निर्माण कर रही पीएनसी कंपनी की मदद से सड़क पर खराब खड़े डंपर को हटवाया तब जाकर वाहनों का गुजरना शुरू हुआ। रास्ता खाली होते हुए जल्दबाजी के चलते फिर ट्रैफिक जाम हो गया। वाहन का दबाव इस कदर रहा कि ट्रैफिक सामान्य होने में एक घंटे लग गए। जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 11 बजे लखनऊ की ओर से आ रहा डंपर बंथरा स्थित टाटा मोटर्स के सामने बीच सड़क पर अचानक खराब हो गया। इसके बाद लखनऊ से कानपुर की तरफ जाने वाली रोड पर जाम के हालात पैदा हो गए। देखते ही देखते सिकंदरपुर स्थित दाल मिल तक वाहनों की लंबी कतारें लग गई। इस स्थिति में करीब दो घंटे तक वाहन सवार और राहगीरों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ी।

रेलवे स्टेशन के पास लकड़ी का ढेर धधका

- चार दमकल ने छह घंटे की मशक्कत कर आग पर पाया काबू
- आग देख स्टेशन पर मची अफरा- तफरी

संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज रेलवे स्टेशन के पास यूकेलिप्टस के कटे हुए पेड़ों में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें देख स्टेशन पर हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने पास में उगी झाड़ियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में आग सौ मीटर दूर बस्ती तक पहुंच गई। बस्ती में रह रहे लोगों ने सबमर्सिबल की मदद से झाड़ियों की आग कुछ ही देर में बुझा ली। वहीं, यूकेलिप्टस में लगी आग बुझाने में अग्निशमन कर्मियों को पांच घण्टे मशक्कत करनी पड़ी। आग से कोई हताहत नहीं हुआ है।

रेलवे स्टेशन के पास कुछ दूरी पर रेलवे की जमीन पर यूकेलिप्टस के पेड़ लगे हैं। जहां कई पेड़ कटे पड़े हुए थे। शुक्रवार दोपहर दो बजे लकड़ी के ढेर में आग लग गई। आग की लपट देख स्टेशन पर मालगाड़ी से सामान उतार रहे मजदूर चीख पुकार मचाने लगे। देखते ही देखते रेलवे ट्रैक के दूसरी तरफ झाड़ियों तक आग पहुंच गई। एफएसओ पीजीआई मामचंद बडगूजर के मुताबिक आसपास पानी की कोई उचित व्यवस्था न होने से दमकल को पानी भरने के लिए 16 चक्कर लगाने। जब जाकर आग पर काबू पाया जा सका।

आग बुझाने में 30 दमकलकर्मी जुटेः एफएसओ पीजीआई के मुताबिक 30 दमकल कर्मियों ने छह घंटे मशक्कत की तब जाकर आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

दो अवैध निर्माण सील किये

लखनऊ। एलडीए के दस्ते ने शुक्रवार को बाजारखाला व ठाकुरगंज क्षेत्र में दो अवैध व्यावसायिक निर्माण सील कराए। एलडीए के संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह ने बताया कि प्रतीक रस्तोगी, अनिल रस्तोगी व अन्य की ओर से ठाकुरगंज के महताब बाग में गुलाला घाट रोड पर लगभग 350 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर अवैध रूप से तीन मंजिला बिल्डिंग का निर्माण करवाया जा रहा था। इसके अलावा अमित अग्रवाल व अन्य की ओर से बाजारखाला में शास्त्री नगर रोड पर लगभग 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर व्यावसायिक उपयोग हेतु तीन मंजिला भवन का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे उक्त निर्माण कार्यों के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में शुक्रवार को इंजीनियरों ने इसे सील करा दिया।

आज-कल कई रास्तों पर ट्रैफिक में बदलाव

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में चार और पांच मई को कई रास्तों पर ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी। लखनऊ-कानपुर रोड पर चार मई की रात तक भारी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। इंजीनियरिंग कॉलेज से टेढ़ीपुलिया होकर खुर्रमनगर वाहन नहीं जा सकेंगे। इस रास्ते पर पांच से 15 मई तक डायवर्जन लागू रहेगा। पांच मई को शहीद पथ स्थित इकाना स्टेडियम में एलएसजे और केकेआर के बीच आईपीएल मैच के दौरान डायवर्जन लागू रहेगा। इस बीच कैसरबाग कलेक्ट्रेट में आम चुनाव के नामांकन के चलते 26 अप्रैल से तीन मई तक लागू रूट डायवर्जन चार मई से खुल जाएगा।

आज भारी वाहनों के लिए लखनऊ-कानपुर का रास्ता बंदः लखनऊ। कानपुर शहर में वीवीआईपी कार्यक्रम होने जा रहे हैं। रोड शो के मद्देनजर 3 मई की रात से 4 मई की रात 11 बजे तक तक लखनऊ-कानपुर राजमार्ग पर भारी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान भारी वाहन चालक वैकल्पिक रास्ते रायबरेली रोड या आगरा एक्सप्रेस वे से आवागमन कर सकेंगे।

आज से कैसरबाग में आवागमन शुरूः कैसरबाग में डीएम कार्यालय पर आम चुनाव नामांकन के चलते 26 अप्रैल से तीन मई तक वाहनों का डायवर्जन था। ऐसे में चार मई से तीन जगह लगाए गए ट्रैफिक बैरियर हटा लिए जाएंगे। इससे कैसरबाग इलाकों में वाहनों का आवागमन शुरू हो जाएगा। खुर्रमनगर फ्लाईओवर एनएच-24 पर पांच मई से रिटेनिंग वॉल, सर्विस लेन और ईपीसी मोड़ पर जंक्शन सुधार कार्य होगा।

इंडोर अस्पताल में कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

पुलिस जांच में जुटी, फॉरेंसिक टीम भी पहुंची

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में आलमबाग के इंडोर अस्पताल में कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना सुबह 10 बजे की है। कर्मचारी का शव लहूलुहान हालत में कमरे में पड़ा था। साथियों ने देखा तो पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। पुलिस को प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि पुलिस मामले में हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल पर जांच कर रही है।

इंस्पेक्टर आलमबाग ने बताया आशियाना के रहने वाले मंशाराम (52) आलमबाग के रेलवे इंडोर अस्पताल में चपरासी का काम करते थे। शुक्रवार को सुबह 8 बजे अस्पताल पहुंचे। कमरे में अकेले रहने के दौरान करीब 10 बजे गला रेत कर आत्महत्या कर ली। सहकर्मियों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके से पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया। रिपोर्ट आने के बाद ही वजह साफ हो पाएगी। वहीं मंशाराम के परिजनों ने चाकू से गला रेतकर हत्या करने का आरोप लगाया है। डीसीपी पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह ने बताया प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे की जांच की जा रही है। उससे ये पता चल सकेगा कि घटना में इस्तेमाल किया चाकू साथ लेकर आए थे या अस्पताल के चाकू का इस्तेमाल किया। फिलहाल सीसीटीवी में मंशाराम अकेले ही कमरे में दिखाई दे रहे हैं।

इसके अलावा फॉरेंसिक टीम भी जांच में लगी है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है। आत्महत्या करने की वजह का पता लगाया जा रहा है। वहीं परिजनों के आरोप के अनुसार अन्य एंगल पर भी जांच की जा रही है।

बेसहारा महिला के मृत पति का पत्रकारों ने किया रीति रिवाज से किया अंतिम संस्कार

संवाददाता

सरोजनीनगर। सरोजनी नगर के एलडीए विश्वनाथ अकैडमी के पास की रिक्शा कालोनी में एक वृद्ध सोनू की मौत बीती रात बीमारी से हो गई गरीबी से लाचार वृद्ध पत्नी सुशीला अपने बीमार पति की हुई मौत के बाद शव के पास रो रही थी कालोनी के इक्का दुक्का लोग ही वहां मौजूद रहे उसका कालोनी में अपना कोई नहीं था अब बेबस महिला अपने पति का अंतिम संस्कार करे भी तो कैसे? मामले की जानकारी अवध प्रेस क्लब के सदस्य सुमित सिंह को हुई सुमित सिंह ने मामला प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष सिंह को बताया। आशीष सिंह द्वारा मौके पर कुछ पत्रकारों साथियों के साथ पहुंचकर रो रही महिला को ढांढस देकर शांत कराते हुए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

विधायक ने किया आर्थिक सहयोगः जानकारी सरोजनी नगर विधायक डॉ राजेश्वर सिंह को दी गई उन्होंने मौके पर अपने प्रतिनिधि केएन सिंह को भेज कर 10 हजार रुपए की तुरंत आर्थिक सहायता दिलवाई।

अपना कोई नही था तो पत्रकारों ने दी चिता को मुखाग्निः शव का अंतिम संस्कार करने के लिए भैसा कुंड धाम निश्चित किया गया और मौके पर शव वाहन के माध्यम से मृतक के शव को भैंसाकुंड धाम ले जाया गया जहां पर मृतक का अपना कोई नहीं होने के कारण पत्रकारों में आशीष सिंह, सुमित सिंह, ऋषि राज गुप्ता विशाल चौधरी आदि ने चिता को मुखाग्नि देकर हिंदू रीति रिवाज से शव का अंतिम संस्कार करवाया।

मदद को लेकर अवध प्रेस क्लब आया आगे, बढ़ाए मदद को हांथ

और बेसहारा हुई वृद्धा की हर संभव मदद करने बात कही। अंतिम संस्कार के बाद शनिवार को अस्थियां कलश के साथ वृद्धा को सौप दी जाएगी। और भविष्य में भी वृद्धा की हर संभव मदद के लिए अवध प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविंद सिंह चौहान समेत समस्त पदाधिकारी सदस्य गण हर संभव मदद किए जाने को लेकर तत्पर हैं।

लखनऊ को सूरत नहीं बनने देंगे अखिलेश

- नामांकन के आखिरी दिन सपा ने खेला दांव, एक और प्रत्याशी ने दाखिल किया पर्चा
- अटकलें तेज, पर्चा खारिज होने का अंदेशा

संवाददाता

लखनऊ। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने नामांकन के अखिरी दिन एक तगड़ा दांव खेला। दोपहर दो बजे के करीब अचानक एक और सपा नेता ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपना पर्चा दाखिल कर दिया। सपा और इंडिया गठबंधन की ओर से सोमवार को रविदास मेहरोत्रा पहले ही नामांकन कर चुके हैं। इस बीच यह चर्चाएं तेज हो गई थीं कि रविदास मेहरोत्रा के नामांकन में कुछ गड़बड़ियां हुई हैं।

सपा सुप्रीमो नहीं चाहते थे कि किसी भी सूरत में गठबंधन प्रत्याशी का पर्चा खारिज हो जाए और लखानऊ 35 लोकसभा सीट निर्विरोध भाजपा के खाते में चली जाए। भारतीय जनता पार्टी से इस सीट पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। 29 अप्रैल को राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर नामांकन किया था।

इस बीच चर्चा तेज हो चुकी थीं कि समय रहते लखनऊ मध्य क्षेत्र से रविदास मेहरोत्रा का पर्चा कहीं खारिज न हो जाए। इसकी वजह समय पर सरकारी देय का भुगतान करते हुए रसीद हासिल न करना और नामांकन पत्र दाखिल करते समय हलफनामे में कुछ गड़बड़ियां छूट जाना माना जा रहा था। यदि नामांकन खारिज हो जाता तो गुजरात के सूरत जैसी स्थिति बन सकती थी जहां चुनाव से पहले ही भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल विजयी घोषित कर दिए गए। ऐसे में एक और प्रत्याशी को उतारकर सपा सुप्रीमो ने राजनीति के शतरंज में तगड़ा दांव खेला।

रिवर फ्रंट पर लाइटें, पानी के लिए वाटर कूलर लगेंगे

लखनऊ। रिवर फ्रंट घूमने आने वाले लोगों को आने वाले दिनों में तमाम और सुविधाएं मिलेंगी। इसके लिए यहां लाइटिंग सुधारी जाएगी। एलडीए उपाध्यक्ष डा. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने यहां बंद पड़ी बोलार्ड और फसाड लाइटें ठीक करने का निर्देश दिया है। पेयजल के लिए वाटर कूलर लगाने को कहा है। शुक्रवार को उन्होंने रिवर फ्रंट का औचक निरीक्षण किया।

यहां बने प्लांटर में फूल वाले पौधे लगाने के निर्देश दिए। रिवर फ्रंट के किनारे तमाम लाइटें बंद हैं। इस वजह से अंधेरा हो जाता है। इसके लिए उन्होंने अंधेरी जगहों पर नई लाइटें लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने यहां बच्चों के लिए झूले और जिम भी लगाने को कहा है। गर्मी देखते हुए गोमती रिवर पर घूमने आने वाले को ठंडा पानी मुहैया कराने के लिए वाटर कूलर लगाने का निर्देश दिया। टूटे डस्टबिन और शौचालय ठीक कराए जाएंगे।

सिक्योरिटी गार्ड ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

- पत्नी के साथ चल रहा था विवाद, बच्चों के साथ मायके में रह रही थी पत्नी

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के कैंट थाना क्षेत्र में एक सिक्योरिटी गार्ड ने दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना देने के। बाद पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही हैं ।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रायबरेली के पूरे राई थाना नसीराबाद का रहने वाला अनुराग तिवारी (28) लखनऊ के कैंट थाना क्षेत्र में स्थित निलमथा के सैनिक मंगल निकेतन कालोनी में किराए पर रहकर एक सिक्योरिटी कंपनी में गार्ड की नौकरी करता था और वर्तमान समय में लुलू मॉल में कार्यरत था। अनुराग रोजाना की तरह ड्यूटी खत्म कर घर वापस आया और अन्य साथियों के साथ खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे साथी अतुल सिंह उसे जगाने पहुंचे तो देखा कि दरवाजा अंदर से खुला था और उसका शव पंखे में दुपट्टे के सहारे लटका हुआ था। उन्होंने पुलिस और परिजनों को सूचना दी । मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों के आने बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नही लगाए हैं। मृतक के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला हैं। मृतक अनुराग का उसकी पत्नी से कई दिनों से विवाद चल रहा है और पत्नी अपने मायके में बच्ची के साथ रह रही हैं ।

कार में टक्कर लगने पर चोरी की थी डीसीएम, तीन गिरफ्तार

- लखनऊ नगर निगम के संविदा कर्मी ने साथियों संग की थी वारदात

संवाददाता

लखनऊ। शहीद पथ अहिमामऊ पुल के पास से एक अप्रैल की रात डीसीएम की टक्कर लगने पर नगर निगम संविदा कर्मी ने डीसीएम ड्राइवर और क्लीनर के साथ मारपीट की थी। दबंगों से बचने के लिए ड्राइवर और क्लीनर डीसीएम छोड़ कर भाग गए थे। इसका फायदा उठाकर आरोपी 12 टन अदरक लदी डीसीएम लेकर भाग गए थे। कुछ देर बाद ड्राइवर के आने पर डीसीएम नहीं मिली थी। इसके बाद ड्राइवर ने सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली में चोरी और मारपीट की धारा में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

औरंगाबाद से बाराबंकी जाते वक्त की थी मारपीटः आगरा फतेहाबाद निवासी राजू राजपूत के मुताबिक औरंगाबाद से डीसीएम पर अदरक लाद कर बाराबंकी जा रहे थे। शहीदपथ अहिमामऊ मोड़ के करीब एक कार में डीसीएम की टक्कर लग गई थी। जिससे नाराज कार सवारों ने ड्राइवर राजू राजपूत और खलासी पर हमला किया था। मारपीट से बचने के लिए दोनों लोग डीसीएम छोड़ कर भाग गए थे। कुछ देर बाद राजू के वापस आने पर उन्हें डीसीएम चोरी होने का पता चला। इसके बाद सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली में राजू ने मुकदमा दर्ज कराया था।

नगर निगम यार्ड के पास छिपाया था डीसीएम

डीसीएम चोरी होने पर सीसी फुटेज की मदद से पुलिस जांच कर रही थी। शहीद पथ अहिमामऊ के पास लगे कैमरों को चेक करते हुए पुलिस को गोमतीनगर फन मॉल के पास नगर निगम यार्ड तक की फुटेज मिली। जिसमें चोरी हुई डीसीएम नजर आई थी। इस आधार पर शुक्रवार को नगर निगम यार्ड के पास से रायबरेली नसीराबाद निवासी नगर निगम संविदा कर्मी मो. आसिफ, मो. अल्तमस और अदनान को गिरफ्तार किया गया। जिनकी निशानदेही पर यार्ड के पास छिपाई गई डीसीएम को भी पुलिस ने बरामद किया है।

इंटौजा में डिवाइडर से बाइक टकराई, दो घायल

इटौंजा। इटौंजा के मानपुर राजा टोल प्लाजा के पास शुक्रवार को तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों का ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। डालीगंज निवासी राजकुमार कश्यप और राजू शुक्रवार को बाइक से सीतापुर के अटरिया स्थित रिश्तेदारी से लौट रहे थे। वह मानपुर राजा टोल प्लाजा के पास पहुंचे तभी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

आज कई इलाकों में रहेगा बिजली संकट

लखनऊ। विद्युत विभाग की आरडीएसएस योजना के तहत जर्जर तार, क्षतिग्रस्त पोल की जगह एबीसी केबल और नया पोल लगाया जाएगा। इसके चलते चार मई शनिवार को कई इलाकों में सुबह से शाम तक बिजली कटौती होगी। रहीमनगर अधिशाषी अभियंता ने बताया कि मरम्मत के दौरान गौशाला सेक्टर एफ जानकीपुरम, शिव विहार, सेक्टर आई और सेक्टर-3 जानकीपुरम विस्तार की बिजली बाधित रहेगी। विकास नगर उपकेंद्र से पोषित क्षेत्रों में आरडीएसएस योजना में आदर्श कॉलोनी कल्याणपुर पर खराब और कम क्षमता का कंडक्टर बदलकर एबी केबल लगेगी। गांधीनगर फीडर पर क्षतिग्रस्त पोल और कंडक्टर बदला जाएगा। विकासनगर उपखंड अधिकारी ने बताया कि खुर्रम नगर, गांधीनगर, पंतनगर और आदर्श कॉलोनी कल्याणपुर के आस पास विद्युत सप्लाई आंशिक प्रभावित रहेगी। राजा बाजार में सुबह 10 से दोपहर साढ़े बारह बजे तक मेडिकल कॉलेज उपकेंद्र अंतर्गत काम होगा।

मजदूर ने गमछे से फांसी लगाकर की आत्महत्या

- मां खाना देने गई तो बेटे को फांसी पर लटके देखा, पुलिस मामले की जांच में जुटी

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में एक मजदूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक,आकाश धीमान परिवार संग बंथरा थाना क्षेत्र के धावापुर गांव में रहता हैं और सरोजनीनगर के नादरगंज स्थित एक कंपनी में मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करता हैं। शुक्रवार दोपहर को आकाश की मां लक्ष्मी घर के निचले हिस्से में थी। जबकि बहन पूजा पढ़ने के लिए कोचिंग गई थी। कोचिंग से करीब एक बजे घर वापस आने पर माँ से खाना मंगा। तभी उसकी मां लक्ष्मी ने पूजा से आकाश को भी खाना खिलाने के लिए बुलाने की बात कही जिस पर पूजा दूसरी मंजिल स्थित कमरे में आकाश को खाना खाने के लिए बुलाने पहुंची तो वहा नजारा देखकर उसके होश उड़ गए और वह चीख पड़ी। आकाश कमरे के अंदर गमछे के सहारे फांसी के फंदे पर लटकता मिला।

मृतक आकाश के पिता रामस्वरूप की करीब 5 वर्ष पहले सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। आकाश अपनी मां लक्ष्मी और छोटी बहन पूजा के साथ रहता है और उसकी दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। इंस्पेक्टर हेमंत कुमार राघव का कहना है कि आत्महत्या की सूचना के बाद मौके पर पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मर्चरी भेज दिया गया है। युवक के आत्महत्या के कारणों को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

रामभक्तों पर गोलियां चलाने वालों, अयोध्या में फिर से त्रेतायुग लौट आया है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औरैया के बिधूना में कन्नौज लोकसभा क्षेत्र से सांसद व भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक के लिए की जनसभा

बिना नाम लिए सपा पर बरसे, बोले-कल्याण सिंह के निधन पर संवेदना तक व्यक्त नहीं किया और माफिया की मौत पर फातिहा पढ़ने चले गए

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के शासन में अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं पर आज अयोध्या में फिर से त्रेतायुग और रामराज्य वापस आ गया है। नई अयोध्या में 500 वर्षों के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने होली खेली। रामनवमी पर उनका सूर्य तिलक हुआ। इसे देख पूरी दुनिया अभिभूत हो गयी थी। यह अद्भुत कार्य कभी सपा, बसपा और कांग्रेस के कार्यकाल में नहीं हो सकता था, क्योंकि ये तो प्रभु श्रीराम के वजूद पर ही सवाल खड़ा करते थे। एक समय था जब सपा कहती थी कि अयोध्या में परिंदा भी पर नहीं मार सकता है, लेकिन भाजपा सरकार में देश ही नहीं, दुनिया से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामलला के दर्शन को आ रहे हैं और दिव्य-भव्य

अयोध्या देखकर प्रफुल्लित हो रहे हैं।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को औरैया के बिधूना में कहीं। उन्होंने यहां कन्नौज लोकसभा क्षेत्र के सांसद व भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक के पक्ष में जनसभा कर वोट की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा यूपीए की सरकार में देश के विभिन्न हिस्सों में आये दिन आतंकवादी घटनाएं होती थीं। यूपीए को समर्थन देने वाली समाजवादी पार्टी आतंकवादियों के मुकदमे वापस ले रही थी। इस पर न्यायालय ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि आज आप इनके मुकदमे वापस लेने की बात कह रहे हैं और कल इन्हे पद्म पुरस्कार से नवाजेंगे। इसके बाद न्यायालय ने समाजवादी पार्टी को रोका था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश आतंकवाद मुक्त हो गया है। यह मोदी की गारंटी है।

> *अयोध्या में जहां एक ओर रामलला विराजमान हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर बड़े-बड़े माफिया की राम नाम सत्य की यात्रा निकल रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का पूरा जीवन प्रदेश के विकास और राम जन्मभूमि के लिए समर्पित था। उनके देहांत पर सपा के लोगों ने संवेदना तक नहीं व्यक्त की, जबकि माफिया की मौत पर फातिहा पढ़ने जाते हैं। आपको इनसे सावधान रहने की जरूरत है।*
>
> **योगी आदित्यनाथ**
> **मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन के मेनिफेस्टो में अल्पसंख्यकों को खाने पीने की पूरी स्वतंत्रता देने की बात कही गयी है। यह जनता को नहीं बता रहे हैं कि ऐसा कौन सा खानपान है जो बहुसंख्यक समाज नापसंद करता है। दरअसल, अल्पसंख्यक समाज को गोमांस पसंद है। हम गो माता की रक्षा के लिए जान भी देंगे। यह किसी की रुचि के अनुसार खान-पान की स्वतंत्रता देंगे और हम उसे स्वीकार कर लेंगे। यह कतई नहीं होगा। प्रदेश में गोकशी की बात तो दूर कोई इसके बारे में भी सोचेगा तो उसके लिए जहन्नुम के द्वार खोल दिये जाएंगे।

जनसभा में कन्नौज सांसद व भाजपा उम्मीदवार सुब्रत पाठक, योगी सरकार के मंत्री असीम अरुण, राज्यसभा सांसद गीता शाक्य, विधायक कैलाश राजपूत, अर्चना पांडेय, पूनम शंखवार आदि मौजूद रहीं।

बलरामपुर अस्पताल में बच्ची को लगाया एक्सपायरी इंजेक्शन

चाइल्ड वार्ड की इमरजेंसी में तैनात स्वास्थ्यकर्मियों की लापरवाही, 6 को हटाया गया

संवाददाता

लखनऊ। बलरामपुर अस्पताल 10 साल की एक बच्ची को एक्सपायरी इंजेक्शन लगा दिया। मामले की जानकारी के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। कैंपस में करीब एक घंटे तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। अस्पताल प्रशासन ने ड्यूटी में तैनात आरोपी 6 नर्सों को हटा दिया है।

परिजनों का कहना है कि 5 महीने पहले एक्सपायर हुआ इंजेक्शन बेटी को लगाया गया। बेटी की हालत अगर बिगड़ी तो वो अस्पताल प्रशासन के खिलाफ शिकायत करेंगे। अस्पताल प्रशासन ने उसकी तबियत स्थिर होने की बात कही है।

लखनऊ के अलीगंज थाना इलाके के रहने वाले सूरज की 10 साल की बेटी खुशी पीलिया से ग्रसित है। अस्पताल के चाइल्ड वार्ड में उसे इसी हफ्ते इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था।

डॉक्टरों की देखरेख में उसकी सेहत में सुधार हो रहा था। लेकिन शुक्रवार की सुबह परिजनों ने उसे लगाया गया इंजेक्शन चेक किया तो हैरान रह गए। परिजनों ने देखा कि जो इंजेक्शन लगाया गया है उसके उपयोगिता की डेट खत्म हो गई है।

अस्पताल में भर्ती खुशी के पिता सूरज ने कहा कि पूछने पर ड्यूटी में तैनात नर्स कोई जवाब नहीं दे सकी। अस्पताल के बड़े अफसरों से संपर्क किया और इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जो इंजेक्शन मेरी बेटी को दिया गया, उसका नंबर डी1 जीबीवी 01 है। इसकी मैन्युफैक्चरिंग डेट जनवरी 2022 की थी। जबकि एक्सपायरी डेट दिसंबर 2023 पड़ी है। अस्पताल के निदेशक डॉ. पवन अरुण ने बताया की मामला गंभीर है।

96 बिना लाइसेंस के असलहे जब्त

लखनऊ। पुलिस विभाग द्वारा शुक्रवार को अपराधिक पृष्ठभूमि के एक व्यक्ति के लाइसेंसी शस्त्र को लाइसेंस निरस्त कर उसे जमा कराया गया। सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 25010 लोगों को पाबन्द किया गया। साथ ही 96 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 89 कारतूस व 04 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 58 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 03 केन्द्रों को सीज किया गया।

16 मार्च से तीन मई तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 536 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 4702 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। इसी प्रकार शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 26,59,724 लोगों को पाबन्द किये जाने के लिए नोटिस जारी किये गये है, जिनमें से 23,07,089 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है।

अधिवक्ता के चैम्बर में पैरोकार को बंधक बनाकर पीटा

संवाददाता

लखनऊ। मुकदमे की पैरवी के लिए कचहरी पहुंचे एक युवक के साथ वकील के वेश में आए लोगों ने मारपीट की। आरोप है कि विरोध करने पर उसे धमकाते हुए एक लाख रुपये की रंगदारी मांगी। चंगुल में फंसे युवक ने किसी तरह से 50 हजार रुपये की व्यवस्था की। इसके बाद उसे धमकी देते हुए छोड़ा गया। यह आरोप लगाते हुए पीड़ित ने वजीरगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

अधिवक्ता से मिलने गए थे कचहरी: कैसरबाग निवासी मो. जुबैर के मुताबिक शुक्रवार को वह कचहरी गए थे। जहां एक मुकदमे की पैरवी के लिए वह अपने वकील का इंतजार कर रहे थे। दोपहर करीब एक बजे अधिवक्ता की ड्रेस पहने पांच लोग आ धमके। आरोप है कि इन लोगों ने उनके साथ मारपीट की। घसीट कर एक चैम्बर में बंधक बना लिया। वहां भी पीटा गया। इस बीच वजीरगंज निवासी प्रशांत जायसवाल भी आ गए। जिनके साथ जुबैर का विवाद चल रहा है। पीड़ित का आरोप है कि प्रशांत के उकसाने पर अधिवक्ताओं ने एक लाख रुपये मांगे। रुपये नहीं मिलने पर जुबैर को मुक्त करने से मना कर दिया था। चैम्बर में फंसे जुबैर ने फोन कर परिचितों से करीब 50 हजार रुपये मंगाए। जिन्हें देने के बाद वह बंधक मुक्त हो सके।

पुलिस में शिकायत मत करना: जुबैर के मुताबिक, 50 हजार रुपये वसूलने के साथ ही आरोपियों ने उन्हें धमकाया था। पुलिस में मुकदमा दर्ज कराने पर दोबारा से मारपीट करने की धमकी दी थी। जिससे वह काफी डर गए थे। घर वालों से बात करने के बाद जुबैर वजीरगंज कोतवाली पहुंचे। जहां प्रशांत जायसवाल और छह अधिवक्ताओं के खिलाफ बलवा, मारपीट और बंधक बनाने की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि आरोपों की जांच की जा रही है।

कोर्ट के आदेश के बाद दर्ज हुई एफआईआर

महिला दरोगा ने चोरी में फंसाने की धमकी देकर केबिल के तार व बेल्ट से पीटा

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में पुलिस की बर्बरता का मामला सामने आया है। दारुलसफा चौकी की महिला प्रभारी ने अपनी टीम के साथ हजरतगंज में काम करने वाली युवती को थर्ड डिग्री टॉर्चर दिया। युवती कसमंडा अपार्टमेंट में बच्चों की देखरेख का काम करती थी। घर के मालिक ने युवती पर चोरी का झूठा आरोप लगाकर शिकायत की। मामले में महिला चौकी प्रभारी ने पैसा लेकर झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर युवती की तार और बेल्ट से पिटाई कर दी। घटना दिसंबर 2023 की है। कोर्ट के आदेश के बाद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

बता दें पीजीआई, तेलीबाग की रहने वाली लक्ष्मी (32) पत्नी राजेश कुमार कसमंडा बिल्डिंग, हजरतगंज में मनोज टेलानी के घर में 2019 से बच्चों की देखभाल का काम कर रही थी। मनोज बिजनेस मैन हैं। परिवार में मनोज के अलावा उनकी पत्नी शैली टेलानी और लड़का अनाचित टेलानी है। लक्ष्मी रोजाना 10 से 5 बजे तक उनके घर पर रहती थी। इसके अलावा अन्य कामों के लिए अलग-अलग कर्मचारी थे। लक्ष्मी के मालिक अक्सर सैलरी देने में देर करते थे।

लक्ष्मी को दो महीने से सैलरी नहीं मिली थी। लक्ष्मी ने अपनी सैलरी मांगी तो मालिक उसके साथ गाली-गालौज करने लगे। इसके बाद देर से सैलरी मिलने की उम्मीद में लक्ष्मी ने काम जारी रखी। नवंबर 2023 में मनोज अपने परिवार के साथ राजस्थान चले गए। वहां से जब वापस लौटे तो लक्ष्मी ने सैलरी की बात कही।

इस पर परिवार ने लक्ष्मी को फिर से गालियां दी। 15 दिसंबर को जब वो काम पर पहुंची तो सारे स्टाफ को बुलाकर ज्वैलरी चोरी का आरोप लगाने लगे। इसके बाद दारुलसफा तत्काल चौकी इंचार्ज निशा सिंह को बुला लिया। निशा सिंह उनको चौकी पर ले गइ।

जहां पर मनोज ने उन्हें रुपए दिए। जिसके बाद कॉन्स्टेबल दीपक प्रजापति और तीन महिला कॉन्स्टेबल ने लक्ष्मी की बिजली के तारों, पट्टो और बेल्ट से पिटाई कर दी। फिर रात करीब 12 बजे पति राजेश को बुलाकर गंभीर हालत में सुपुर्द कर दिया। मामले से महिला इतना डर गई कि आत्महत्या का प्रयास किया।

पीड़िता के जेवर छीनकर मकान मालिक का बताने की बनाई योजना

पिटाई के दौरान महिला दरोगा ने कहा तेरे माथे पर लिखा है कि तू चोर है। इतनी ही नहीं पीड़िता की सोने की बाली, गले में पहने हुए सोने के लॉकेट और मोबाइल छीन लिया। इसके बाद मकान मालिक से बोला उसके जेवर को आपका बता देकर जेल भेज दें। लेकिन मकान मालिक ने रसीद ने होने की बात कहकर मना कर दिया।

एडवोकेट आशीष कुमार जैन ने बताया कि अगले दिन पीड़ित परिवार बलरामपुर अस्पताल में मेडिकल कराया।

लड़की को अगवा करने वाले फरार आरोपी पर बड़ी कार्रवाई

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर में पिछले साल एक किशोरी (15) का अपहरण करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी विशाल नाथ की सम्पत्ति कुर्क करने की अनुमति कोर्ट से मिल गई। इस पर गोमती नगर पुलिस ने त्रिपुरा में विशाल के घर पर इस सम्बन्ध में नोटिस चस्पा कर दी गई। अपहरण के मामले में आरोपी को जमानत मिल गई थी। किशोरी के बयान के बाद गोमती नगर पुलिस ने रेप व पोक्सो एक्ट की धारा बढ़ा दी थी। इसके बाद उसकी फिर से तलाश हुई तो वह फरार हो गया था।

गोमतीनगर पुलिस के मुताबिक पीड़िता को भगा ले जाने का मुकदमा पिछले साल दर्ज हुआ था। लड़की के घर वालों ने त्रिपुरा निवासी विशाल नाथ पर शक जताया था। पुलिस ने उसकी तलाश में बंगलुरु समेत कई जगह दबिश दी थी। तीन फरवरी को लड़की विशालनाथ के त्रिपुरा स्थित शिवनगर गांव के घर में बरामद हुई थी। विशालनाथ को गिरफ्तार किया गया था। उसे ट्रांजिट रिमाण्ड के लिये त्रिपुरा में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट पंचम की कोर्ट में पेश किया गया था जहां उसे जमानत मिल गई थी। लड़की के धारा 164 के बयान पर रेप और पोक्सो एक्ट की धारा बढ़ा दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश में त्रिपुरा व अन्य जगह पर दबिश दी लेकिन उसका पता नहीं चला।

इंस्पेक्टर गोमतीनगर दीपक पाण्डेय के मुताबिक आरोपी विशाल के खिलाफ गैर जमानती वारंट कोर्ट ने जारी किया। इसके बाद फिर दबिश देने पर वह नहीं मिला तो पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 82 के तहत कुर्की की अनुमति के लिये कोर्ट में अर्जी दी थी। कोर्ट से कुर्की का आदेश मिलने पर गोमती नगर पुलिस ने त्रिपुरा में कंचनपुर नार्थ क्षेत्र में उसके घर पर नोटिस चस्पा की है। विशाल की तलाश में दो टीमें लगी हुई है पर उसका अभी कुछ पता नहीं चला है।

मदरसे में किया जा रहा था ब्रेनवॉश

अकेले लखनऊ में 111 अवैध मदरसे संचालित

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में अवैध मदरसे से रेस्क्यू बच्चों से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि उनका ब्रेन वॉश किया जा रहा था। मौलवी, बच्चों को जन्नत पाने की तालीम देता था। वह बताता था कि एक हाफिज 10 बच्चों को जन्नत ले जाता है। हिंदुओं में पुनर्जन्म को गंदा काम करने का नतीजा बताता था।

रेस्क्यू हुए 7 से 15 साल के इन बच्चों से राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. शुचिता चतुर्वेदी ने बात की। उन्होंने कहा-जिस तरह से इन बच्चों का ब्रेन वॉश किया जा रहा था। वह किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा कर रहा है। जो बच्चे ठीक से हिंदी तक नहीं बोल पाते, वे पुनर्जन्म बोल रहे हैं। हिंदू धर्म और इस्लाम में अंतर भी बता रहे हैं।

मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. शुचिता चतुर्वेदी ने कहा कि पूरे प्रदेश में हजारों की संख्या में अवैध मदरसे संचालित हो रहे हैं। तंग गलियों, दूर-दराज के ग्रामीण एरिया में संचालित ऐसे मदरसे की जांच होनी चाहिए। कहा कि यूपी के मुख्य सचिव सहित अल्पसंख्यक विभाग, परिवहन, रेलवे और पुलिस विभाग को भी कार्रवाई के लिए पत्र लिखा गया है।

जानकारी के लिए बता दें कि लखनऊ के दुबग्गा में अवैध तरीके से घर में संचालित हो रहे मदरसे से 1 मई को 23 बच्चों को रेस्क्यू किया गया था। इन बच्चों को बाल संरक्षण गृह में रखा गया है।

यूपी के अवैध मदरसों में अब तक जितने बच्चे पकड़े गए हैं, वे सभी बिहार से लाए गए थे। फिलहाल, सभी बच्चों को राजकीय बाल संरक्षण गृह भेजा गया है। वहीं, अभी तक इनके अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की कोई खोज खबर नहीं ली है।

राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. शुचिता चतुर्वेदी ने इन बच्चों से बात की और इनकी मानसिकता को गहराई से समझा। उन्होंने कहा कि बच्चों को दीन की शिक्षा, जन्नत के सपने दिखाए जाते थे। उन्हें पढ़ाई-लिखाई से दूर रखा जा रहा था। यह बातें उन्हें बाकी दुनिया से अलग कर रही थी।

इस पूरे मामले की जांच, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी और पुलिस ने संयुक्त रूप से की। इसमें यह भी पता चला है कि ये लोग मुस्लिम समाज से जकात (दान) के नाम पर पैसे लेते थे। उसी से अवैध मदरसे का संचालन किया जा रहा था। जकात के पैसे से निजी संपत्ति बनाने का भी खुलासा हुआ है।

लखनऊ में पंजीकृत मदरसों की कुल संख्या 131 है। जबकि 111 अवैध मदरसे संचालित हो रहे हैं। कुल 18 मदरसे हैं, जिन्हें सरकार से अनुदान मिलता है, जबकि ज्यादातर मदरसे सिर्फ मान्यता के आधार पर चलते हैं। डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग आफिसर सोन कुमार ने बताया कि लखनऊ में 111 अवैध मदरसे मिले और बाकी जांच भी कराई जा रही है। वहीं, मान्यता प्राप्त 7 मदरसों के प्रबंधन ने इन्हें बंद करने के लिए जिला प्रशासन से संपर्क किया है।

डॉक्टर बोलीं- पति नकली दवा का धंधा करते हैं

शेखर अस्पताल की मालकिन ने कराई एफआईआर, कहा- जान से मारने की धमकी देते हैं

संवाददाता

लखनऊ। मेरे पति साथियों के साथ मिलकर नकली दवाओं का धंधा करते हैं। अस्पताल का सीएमओ रजिस्ट्रेशन मेरे नाम पर है, इसलिए मैं विरोध करती हूं। तो मुझे जान से मारने की धमकी देते हैं। यह कहना है लखनऊ के शेखर अस्पताल की डायरेक्टर डॉ. ऋचा मिश्रा का। उन्होंने अपने पति डॉ. एके सचान के खिलाफ गाजीपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई। डॉक्टर पति-पत्नी के बीच अस्पताल पर मालिकाना हक के लिए लंबे समय से विवाद चल रहा है। दोनों डॉक्टर शेखर हॉस्पिटल पर अपना-अपना दावा करते हैं।

डॉ. ऋचा मिश्रा के साथ मारपीट की यह घटना 13 मार्च की है। ऋचा मिश्रा ने पति डॉ. सचान के साथ ही

राकेश वर्मा, वरुण श्रीवास्तव, राजेश राय और दो अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कराया।

उन्होंने आरोप लगाया- 13 मार्च को वह अपने कमरे में बैठी थीं। तभी पति अपने साथियों के साथ आए और मारपीट करने लगे। बाद में कमरे से निकलते वक्त धमकी दी कि अगर अगली बार अस्पताल के अंदर आने की कोशिश की, तो जान से मार देंगे।

डॉ. ऋचा मिश्रा और डॉ. एके सचान कभी खुशनुमा जिंदगी जी रहे थे। मगर, पिछले कुछ साल से उनके बीच शेखर अस्पताल पर मालिकाना हक को लेकर झगड़ा चल रहा है।

डॉ. ऋचा मिश्रा और डॉ. एके सचान कभी ख़ुशनुमा जिंदगी जी रहे थे। मगर, पिछले कुछ साल से उनके बीच शेखर अस्पताल पर मालिकाना हक को लेकर झगड़ा चल रहा है।

डॉ. ऋचा ने पति डॉ. सचान और उनके साथियों पर नकली दवाओं का धंधा करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- इसका विरोध करने पर वह जान से मारने की धमकी देते हैं। पहले भी कई बार मारपीट कर चुके हैं। गाजीपुर इंस्पेक्टर विकास राय ने कहा कि शेखर अस्पताल की डायरेक्टर ऋचा मिश्रा की शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है। साल 2014 में डॉ. एके सचान और डॉ. ऋचा मिश्रा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज हुआ था। तब 4 साल के दौरान दोनों के बैंक खातों में 10 करोड़ रुपए जमा होने के सबूत मिले थे। लोकायुक्त से कार्रवाई की मांग हुई थी। सपा सरकार के दौरान दोनों के 5 बैंक खातों की डिटेल सामने आई थी। 2019 में लखनऊ यूनिवर्सिटी में एलएलबी थर्ड सेमेस्टर का पेपर लीक हुआ था। जांच में खुलासा हुआ कि कुलसचिव एसके शुक्ला की मिलीभगत से डॉ. ऋचा मिश्रा ने स्क्क के पेपर हासिल किए थे।

राज्यपाल से मिले राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री ने शनिवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने राजभवन संबंधी अपने आलेख राज्यपाल को भेंट किए। इनमें भिक्षा से शिक्षा की ओर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का जोर,आवासित बच्चों पर राज्यपाल का ध्यान, नारी सशक्तीकरण का संदेश,आनंदी बेन का वात्सल्य भाव, शिक्षिका की भांति राज्यपाल का संवाद,समर्थ से सामर्थ्य का संदेश की सराहना की। इसके अलावा एकल विद्यालय के विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन,दायित्व बोध का विचार, राज्यपाल ने बढ़ाया मातृ छाया का मनोबल आदि आलेख शामिल हैं।

जीवन-मूल्यों की शिक्षा से ही छात्रों का सर्वांगीण विकास होगा

संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अयोध्या रोड कैम्पस द्वारा 'डिवाइन एजुकेशन कान्फ्रेन्स' का भव्य आयोजन सी.एम.एस. गोमती नगर एक्सटेंशन ऑडिटोरियम में किया गया। सी.एम.एस. संस्थापिका-निदेशिका डा. भारती गाँधी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए डा. गाँधी ने कहा कि जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा छात्रों का जीवन पर्यन्त साथ देती है।

यदि हमने बच्चों में दया, क्षमा, सच्चाई, ईमानदारी, परिश्रम और सेवा भावना के गुण शुरू से ही डाल दिये तो छात्र समाज का उपयोगी नागरिक बनेगा। हमें बच्चों के किशोर मन में ही सर्वधर्म समभाव, सामाजिक एकता व विश्व एकता के विचार डाल देने चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को घर में ईश्वरभक्ति से परिपूर्ण आध्यात्मिक एवं संस्कारित वातावरण उपलब्ध करायें। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी

किंगडन ने कहा कि सी.एम.एस. द्वारा छात्रों को आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करने के कारण यहाँ के छात्र न केवल शिक्षा अपितु अन्य क्षेत्रों में भी नाम कमा रहे हैं और विद्यालय का नाम रौशन कर रहे हैं।

'डिवाइन एजुकेशन कान्फ्रेन्स' का शुभारम्भ स्कूल प्रार्थना, सर्व-धर्म प्रार्थना एवं विश्व एकता प्रार्थना से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने ईश्वर भक्ति से परिपूर्ण अपने गीत-संगीत द्वारा ईश्वरीय एकता का ऐसा आलोक बिखेरा कि पूरा ऑडिटोरियम एकता और भाईचारे के संगीत से गूँज उठा। समारोह में छात्रों ने अपने अभिभावकों के समक्ष विद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही सर्वांगीण विकास की शिक्षा पद्धति का भरपूर प्रदर्शन करते हुए जीवन मूल्यों, विश्वव्यापी चिंतन, विश्व समाज की सेवा एवं उत्कृष्टता की अनूठी झलक दिखाई। इस अवसर पर वार्षिक परीक्षा, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, साँस्कृतिक कार्यक्रमों व खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाने छात्रों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया गया।

सी.एम.एस. अयोध्या रोड कैम्पस की प्रधानाचार्या सुश्री नूपुर डावरा ने अभिभावकों के सहयोग के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चा परमात्मा का उपहार है और हमारा पूर्ण प्रयास है कि हर बच्चा समाज का प्रकाश बनें।

आलमनगर में टेंट कारोबारी के घर में लगी आग, मचा हड़कंप

लखनऊ। आलमनगर में शनिवार सुबह टेंट कारोबारी के घर में आग लग गई। आग की लपट देख हड़कंप मच गया। घर में मौजूद लोग भागकर नीचे आ गए। मौके पर पहुंची दो दमकल ने एक घण्टे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग की चपेट में आकर गृहस्थी का काफी सामान जल गया। आलमनगर में पाल तिराहे के पास टेंट हाउस कारोबारी रेहान का दो मंजिला घर है। रेहान के मुताबिक शुक्रवार को वह परिवार के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने कानपुर गए थे। शनिवार तड़के वह लोग घर लौट कर आए थे। भूतल पर रेहान, बहनोई हसीब और दो बहनें सो रही थीं। वहीं दूसरी मंजिल पर भाई असलम व भाभी थी। सुबह करीब नौ बजे दूसरी मंजिल पर बालकनी के पास से धुआं और लपटें देख आसपास के लोग चीख पुकार मचाने लगे। शोर सुन घरवालों की नींद खुली तो आग देख सभी के होश उड़ गए। पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचित कर पड़ोसियों की मदद से पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

1.5 लाख मैनहोल के ढक्कन होंगे बंद

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में अब कहीं भी सीवर के मैनहोल का ढक्कन नहीं खुला रहेगा। इसको लेकर नगर निगम जीआईएस सर्वे कराएगा। चुनाव आचार संहिता के बाद इसके काम में तेजी लाई जाएगी। इसमें करीब 1.50 लाख ढक्कन की मैपिंग की जाएगी।

इस दौरान यह भी देखा जाएगा कि किस स्थान पर सीवर लाइन की गहराई कितनी है। ढक्कन का साइज क्या है। किस जोन के अन्तर्गत कितने मैनहोल है। पूरी सूची जल्द ही जीआईएस मैपिंग के माध्यम से तैयार होगी।

दरअसल राजधानी के जानकीपुरम इलाके में 8 साल के शाहरुख की मौत के बाद विभाग सक्रिय हुआ है। भविष्य में ऐसी घटना न घटे इसको लेकर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने पूरी प्लानिंग की है। उन्होंने बताया कि भविष्य में सीवर लाइन के सभी ढक्कनों को जीआईएस मैपिंग के माध्यम से सर्वे करा उसका पूरा डेटा रखा जाएगा।

नगर आयुक्त ने बताया कि यह सर्वे काफी माइक्रो लेबर पर होगा। इसमें यह देखा जाएगा कि कितने मैनहोल है। कहां-कहां पर है। उसकी स्थिति क्या है। चोरी होने की स्थिति में एक्सईएन के माध्यम से मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। इसके अलावा जितनी भी शिकायत आएगी उसका निस्तारण तत्काल किया जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि मैनहोल के ढक्कन के नीचे जाल सिस्टम देने की कोशिश की जाएगी। जिससे अगर कहीं कोई ढक्कन खुला रह गया और कोई गिरा भी तो उसको केवल चोट आए। उसकी जान पूरी तरह सुरक्षित रहे। इसको लेकर इंजीनियरों की टीम को प्लानिंग करने को कहा गया है। हालांकि अभी यह व्यवस्था केवल प्लानिंग के स्तर पर है। अगर इंजीनियर इसकी प्लानिंग कर देते हैं तो इसके लिए तत्काल बजट जारी कर काम पूरा करा दिया जाएगा। जीआईएस का फुल फॉर्म जियोग्राफिक इंफोर्मेशन सिस्टम यानी भौगोलिक सूचना प्रणाली है। यह कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचनाओं का एक कलेक्शन होता है जिसका उपयोग भौगोलिक क्षेत्रों के बारे में जानकारी खोजने, भौगोलिक डेटा को देखने, विश्लेषण करने, मैनेज करने और डिस्प्ले करने के लिए किया जाता है।

ऐसे में ढक्कन की जीआईएस मैपिंग होने पर विभाग के पास मैनहोल की सारी जानकारी रहेगी। जिससे घटना के दौरान तत्काल प्रभाव से एक्शन लिया जा सकेगा। ऐसा माना जाता है जीआईएस मैपिंग के माध्यम से जो भी सर्वे होता है वो 95 प्रतिशत तक सही होता है।

तीन महीने से खुला था ढक्कन

जानकीपुरम में ढक्कन तीन महीने से खुला था। इसमें ही गिरकर 8 साल के शाहरुख की मौत हो गई थी। उस मामले में तीन लोगों को सस्पेंड कर दिया गया था। हालांकि शासन स्तर पर ऐसी घटनाएं न हो इसको लेकर प्लान बनाने का निर्देश दिया गया था। यहां तक की हाईकोर्ट ने भी नगर निगम और एलडीए से पूछ लिया था कि सीवर लाइन के ढक्कन खुले न रहे इसको लेकर अभी तक क्या किया है इसकी जानकारी उपलब्ध कराया जाए। 30 अप्रैल को डेट पड़ी थी। अब कोर्ट ने 31 मई तक विस्तार से इसकी पूरी रिपोर्ट मांगी है।

सुएज कंपनी के काम की रोज होगी समीक्षा

नगर निगम के 6 जोन में निजी संस्था सुएज इंडिया सीवर की पूरी व्यवस्था देख रही है। उसके काम की मॉनिटरिंग प्रतिदिन होगी। उसमें अगर कोई कमी रही तो उसको तत्काल दूर किया जाएगा। इसके अलावा शहर के 8 जोन के लिए 4 अपर नगर आयुक्तों की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जाएगी। सभी के बीच दो-दो जोन का बंटवारा होगा।

सम्पादकीय

भरी सरकारी झोली

यह सुखद ही है कि देश कर संग्रहण सिस्टम में सुधार की दिशा में सार्थक पहल से एक कदम आगे बढ़ा है। देश में पहली बार जीएसटी का संग्रहण दो लाख करोड़ रुपये से पार चला गया है। कर विशेषज्ञ इसे टैक्स सिस्टम में सुधार के प्रयासों की सफलता बता रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का भविष्य उसके समृद्ध आर्थिक संसाधनों पर ही निर्भर होता है। भारत के अड़ोस-पड़ोस के कई देशों की अर्थव्यवस्था नियोजन के अभाव, भ्रष्टाचार तथा लोकलुभावन नीतियों के व्यय बोझ से चरमरा गई। इसलिये आर्थिक अनुशासन और वित्तीय संसाधनों को समृद्ध करने का प्रयास बेहद जरूरी हो जाता है। यहां उल्लेखनीय है कि अप्रैल में जहां देसी गतिविधियों से कर संग्रह में 13.4 फीसदी का इजाफा हुआ है, वहीं पिछले अप्रैल के मुकाबले में आयात से होने वाला राजस्व संग्रह भी 8.3 फीसदी बढ़ा है। निश्चय ही चालू वित्त वर्ष के पहले ही महीने यानी अप्रैल में सकल वस्तु एवं सेवा कर संग्रह पहली बार रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ रुपये होना अर्थव्यवस्था के लिये शुभ संकेत है, जबकि दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में फिलहाल मंदी के रुझान नजर आ रहे हैं। यह वृद्धि बीते साल अप्रैल में एकत्र जीएसटी के मुकाबले 12.4 फीसदी अधिक है। आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध तथा गजा में हमास इस्राइल संघर्ष जैसी बाह्य चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह में वृद्धि देश की आर्थिक उन्नति के लिये अच्छा संकेत है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कर प्राप्तियों में बढ़ोतरी के मूल में आर्थिक गतिविधियों में तेजी के रुझानों का असर है। उल्लेखनीय है कि वृद्धि आयात उपकर में भी हुई है। वैसे एक तथ्य यह भी है कि आम तौर पर किसी भी नये वित्तीय वर्ष में पहले माह अप्रैल में सरकार को सर्वाधिक वस्तु एवं सेवा कर मिलता है। इस वित्त वर्ष के आने वाले महीनों में जीएसटी संग्रहण से होने वाली आय से अर्थव्यवस्था के स्थायी रुझानों का पता चल सकेगा।निश्चित रूप से आने वाले महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि किन-किन महीनों में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये का आकंड़ा पार करता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अप्रैल माह में केंद्रीय जीएसटी में इस बार 27.8 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ संगृहीत राशि 94,153 करोड़ रुपये रही। दूसरी ओर राज्य जीएसटी संग्रह में आशातीत 25.9 फीसदी की वृद्धि हुई। इस तरह राज्यों की जीएसटी संग्रह राशि 95,138 करोड़ हो गई। यानी राजस्व प्राप्ति की राह में राज्यों की भागीदारी में भी सुधार देखा गया है। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार, सिक्किम, मेघालय नगालैंड को छोड़कर सभी राज्यों में इस साल के पहले महीने जीएसटी राजस्व में वृद्धि हुई है। आर्थिक विशेषज्ञ जीएसटी वृद्धि के मूल में उपभोक्ता उत्पादों की ज्यादा खपत का योगदान बता रहे हैं। गर्मी बढ़ने की चिंता में उपभोक्ता बड़े पैमाने पर एसी व फ्रिज आदि खरीदते हैं। बच्चों के शैक्षिक सत्र समापन के चलते बच्चों की छुट्टियों में पर्यटन बढ़ने को भी एक वजह माना जा रहा है। निस्संदेह, लंबी यात्राओं के चलते आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती है। वहीं आम चुनावों के चलते चुनाव प्रक्रिया में जुड़े व्यवसायों की आय में हुई वृद्धि की भी इसमें भूमिका हो सकती है। वहीं दूसरी ओर हमें मानना होगा कि वित्तीय नियामक एजेंसियों की सक्रियता तथा जीएसटी अधिकारियों द्वारा प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देने से भी जीएसटी संग्रह में वृद्धि का रुझान देखा जा सकता है। इसमें जहां रिटर्न भरने के लिये सख्ती, फर्जी चालान पर अंकुश, पंजीकरण की अनिवार्यता को लेकर सख्ती से भी वस्तु-सेवा कर संग्रहण में वृद्धि हुई है। विश्वास जताया जा रहा है कि जीएसटी राजस्व में वृद्धि से उत्साहित नई सरकार कर उगाही व्यवस्था में बदलाव के लिये नई पहल कर सकती है। सरकार दावा कर सकती है कि 'एक देश, एक कर' की सोच सार्थक परिणाम लेकर सामने आ रही है। जो इस क्षेत्र में नये सुधारों का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि अप्रैल माह में केंद्रीय जीएसटी में इस बार 27.8 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ संगृहीत राशि 94,153 करोड़ रुपये रही। दूसरी ओर राज्य जीएसटी संग्रह में आशातीत 25.9 फीसदी की वृद्धि हुई। इस तरह राज्यों की जीएसटी संग्रह राशि 95,138 करोड़ हो गई। यानी राजस्व प्राप्ति की राह में राज्यों की भागीदारी में भी सुधार देखा गया है।

एक बार फिर भाजपा का सांप्रदायिक, विघटनकारी एजेंडा

राम पुनियानी

"उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनके प्रदेश में अपराधियों को या तो जेल जाने पड़ेगा या जहन्नुम (इस्लाम में नर्क के लिए प्रयुक्त शब्द)। इसी तरह, आदित्यनाथ ने हाजी मलंग का मामला भी उठाया। मुंबई के नजदीक स्थित इस पवित्र स्थल को हिन्दू आराधना स्थल श्मलंग गढ़श् बताया जा रहा है। करीब तीन दशक पहले कर्नाटक में अपनी जडेंघ् जमाने के लिए भाजपा ने बाबा बुधनगिरी दरगाह को मुद्दा बनाया था। मोदी यह डर भी फैला रहे हैं कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो वह संपत्ति का पुनर्वितरण करेगा और घुसपैठियों को संपत्ति करेगा।

बहुसंख्यकवादी राष्ट्रवाद हमेशा से चुनावों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए सांप्रदायिक विघटनकारी एजेंडा और नफरत का इस्तेमाल करता आया है। हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति के मोड्यूल के दो मुख्य आधार हैं- पहला, प्राचीन भारत, जिसके समाज में मनुस्मृति के मूल्यों का बोलबाला था और दूसरा, इतिहास, विशेषकर मध्यकालीन इतिहास को तोड़ना-मरोड़ना. इस सिलसिले में ये झूठ जम कर प्रसारित किये जाते हैं कि मुस्लिम शासकों ने बड़े पैमाने पर हिन्दू मंदिर तोड़े और हिन्दुओं को जबरदस्ती मुसलमान बनाया।

यह तो हुए मूल आधार। हिन्दू राष्ट्रवादी इस मोड्यूल में समय-समय पर अपने विशाल नेटवर्क की मदद से नए बिंदु जोड़ते रहते हैं। अब तक बाबरी मस्जिद के ढहाने को इस आधार पर औचित्यपूर्ण ठहराया जाता रहा है कि मुगल शासकों ने हिन्दुओं को नीचा दिखाने के लिए हिन्दू मंदिर नष्ट किये। यह एक बड़ा झूठ है। इस (2024 के) आम चुनाव में मांस खाने को एक बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। हाल में एक तस्वीर सामने आई जो आठ अप्रैल की थी और जिसमें राजद नेता तेजस्वी यादव को मछली खाते हुए दिखाया गया था। नवरात्रि और सावन के महीने में कई हिन्दू मांसाहारी भोजन नहीं करते। इस साल नवरात्रि 9 अप्रैल से शुरू हुए। मगर फिर भी तेजस्वी को यह कह कर बदनाम किया गया कि वे पवित्र दिनों में मांसाहार कर रहे हैं! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने, सांप्रदायिक प्रचार करने और सांप्रदायिक इतिहास लेखन का प्रयोग कर नफरत फैलाने में महारत हासिल है। उन्होंने मछली द्वारा उन्हें दिए अवसर का भरपूर उपयोग किया। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले साल सावन के महीने में राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव ने मटन पकाया और खाया था। बड़ी चालाकी से उन्होंने सावन में मटन खाने को मुगलों द्वारा मंदिरों को नष्ट करने से जोड़ा। उन्होंने कहा, जब मुगलों ने भारत

पर हमला किया तो वे केवल राजा को हरा कर संतुष्ट नहीं होते थे। वे तभी संतुष्ट होते थे जब वे मंदिरों को तोड़ देते थे और आराधना स्थलों को नष्ट कर देते थे। उन्हें इसमें आनंद आता था। इसी तरह, सावन के महीने में यह वीडियो दिखाकर वे लोग मुगल मानसिकता से देश के लोगों को भड़काना चाहते हैं। मोदी के अनुसार, उनके राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों ने वोट बैंक की राजनीति के तहत ये वीडियो प्रसारित किये।

राजाओं द्वारा मंदिरों को नष्ट करने के मसले पर रिचर्ड ईटन समेत कई जाने-माने इतिहासकारों ने व्यापक शोध किया है। उन्होंने पाया है कि हिन्दू राजाओं ने भी मंदिर तोड़े। और दूसरी ओर, कई मुस्लिम राजाओं ने हिन्दू मंदिरों को दान दिया। कल्हण की राजतरंगिणी बताती है कि कश्मीर के हिन्दू राजा हर्षदेव ने मंदिरों से सोने और चांदी से बनी मूर्तियां उखाड़ कर शाही खजाने में जमा करने के लिए एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की थी और औरंगजेब ने हिन्दू मंदिरों को दान दिए थे। सांप्रदायिक राष्ट्रवादी प्रोपेगेंडा का पहला और सबसे बड़ा शिकार होता है सच। सांप्रदायिक मानसिकता जिस ढंग से चीजों की विवेचना करती है, जिस तरीके से निष्कर्षों पर पहुंचती है, उसका यथार्थ से कोई लेना-देना नहीं होता। कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र, जिसे न्याय पत्र का नाम दिया गया है, के जारी होने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कह दिया कि उस पर मुस्लिम लीग की छाया है। तथ्य यह है कि न्याय पत्र समाज के सभी कमजोर वर्गों के साथ सकारात्मक न्याय करने की बात करता है। मोदी के कुनबे के अन्य सदस्य भी इसी तरह की बातें करते रहते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनके प्रदेश में अपराधियों को या तो जेल जाने पड़ेगा या जहन्नुम (इस्लाम में नर्क के लिए प्रयुक्त शब्द)। इसी तरह, आदित्यनाथ ने हाजी मलंग का मामला भी उठाया। मुंबई के नजदीक स्थित इस पवित्र स्थल को हिन्दू आराधना स्थल श्मलंग गढ़श् बताया जा रहा है। करीब तीन दशक पहले कर्नाटक में अपनी जडेंघ् जमाने के लिए भाजपा ने बाबा बुधनगिरी दरगाह को मुद्दा बनाया था। मोदी यह डर भी फैला रहे हैं कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो वह संपत्ति का पुनर्वितरण करेगा और घुसपैठियों को संपत्ति करेगा। दूसरे शब्दों में, बांग्लादेश से आये मुसलमानों को दूसरों की संपत्ति मिल जाएगी। साथ ही वे यह भी कहते हैं कि कांग्रेस आपकी संपत्ति उन लोगों को दे देगी जिनके ज्यादा बच्चे हैं। कुल मिलकर, वे यह कहना चाहते हैं कि कांग्रेस मुसलमानों का तुष्टिकरण कर रही है। घुसपैठियों के नाम पर जो हौआ खड़ा किया जा रहा था उसकी हवा तो आसाम में की गई एनआरसी की कवायद में ही निकल गई थी। जिन 19 लाख लोगों के पास अपनी नागरिकता को साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं थे, उनमें से 13 लाख हिन्दू थे। जबकि दावा यह किया जा रहा था कि भारत में करोड़ों बांग्लादेशी घुसपैठिये रह रहे हैं (अमित शाह के शब्दों में दीमक). जहां तक ज्यादा बच्चे पैदा करने का प्रश्न है, ताजा आंकड़ों के अनुसार, मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर में गिरावट आ रही है और वर्तमान में, मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर, राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दू महिलाओं से थोड़ी ही अधिक है और अगर यही सिलसिला जारी रहता है, तो कुछ ही सालों में वह बराबर हो जाएगी।

हिन्दू दक्षिणपंथी यह प्रचार भी कर रहे हैं कि डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था कि मुसलमानों का देश के संसाधनों पर पहला हक है। डॉ सिंह की जिस टिप्पणी को उद्दृत किया जा रहा है, वह उन्होंने सन् 2006 में सच्चर कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद की थी। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक दृष्टि से मुसलमानों की स्थिति दयनीय है और उसमें और गिरावट आती जा रही है। उन्होंने जो कहा था वह यह थारू श्मुझे विश्वास है कि हमारी सामूहिक प्राथमिकताएं साफ हैंरू कृषि, सिंचाई, जल संसाधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण अधोसंरचना में जरूरी निवेश, सामान्य अधोसंरचना में आवश्यक सार्वजनिक निवेश और अनुसूचित जातियों,जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और बच्चों की प्रगति के लिए कार्यक्रम।इन सभी उदाहरणों से साफ है कि हिन्दू दक्षिणपंथी अपने राजनैतिक हितों को साधने के लिए तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने में कितने उस्ताद हैं।

सरोकार

मोबाइल के बाहर भी हैं वाट्सएप विश्वविद्यालय

पिछले करीब दस वर्षों से भारत में वाट्सएप यूनिवर्सिटी के तो खूब चर्चे होते आये हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता था कि इसके समांतर ही देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के जरिये भी ज्ञानगंगाएं प्रवाहित हो रही है जो युवाओं को उसी तरह से दीक्षित कर रहे हैं जैसे कि वाट्सएप विवि। इसका एक उदाहरण दिल्ली में दिखलाई दिया जब देश की राजधानी से सटे ग्रेटर नोएडा के एक निजी विवि के छात्र-छात्राओं ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस विश्वविद्यालय में पल्लवित हो रही प्रतिभाओं के बारे में शायद ही लोगों को पता चल पाता लेकिन एक न्यूज चौनल के पत्रकार ने इस प्रदर्शन में शामिल कुछ छात्रों के ज्ञान की जांच कर ली जो विरोध प्रदर्शन करने के लिये बुधवार को कांग्रेस के मुख्यालय की ओर जा रहे थे। आश्चर्य की यह बात सामने आई कि प्रदर्शन कर रहे जा रहे छात्रों में से कोई भी यह नहीं समझा पाया कि वे प्रदर्शन क्यों कर रहे थे। और तो और, उनके हाथों में जो तख्तियां थीं उनका अर्थ बतलाना तो दूर, वे उसे पढ़ तक नहीं पा रहे थे। जब पत्रकार ने युवाओं के हाथों में लगी तख्तियों पर सवाल करने शुरू किये तो पता चला कि उन्हें पता तक नहीं था कि किन मुद्दों को लेकर वे प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें केवल यह पता था कि वे कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और भाजपा के समर्थन में हैं। छात्र-छात्राओं के हाथों में जो तख्तियां थीं उनमें लिखा था- पहले लेंगे आपका वोट फिर ले लेंगे मंगलसूत्र और नोट, मां-बहनों के गहनों पर नजर न गड़ाओ, 70 सालों में नहीं दी दीया-बत्ती अब छीन लेंगे आधी सम्पत्ति, श्नो प्लेस फॉर अर्बन नक्सल आदि। छात्र-छात्राएं विवादित इनहेरिटेंस टैक्स या भाजपा के कथित विकसित भारत की अवधारणा तथा

वास्तविकता के बारे में कुछ भी बतला नहीं पा रहे थे। यहां तक कि कांग्रेस के जिस घोषणापत्र का वे विरोध कर रहे थे, उसे किसी ने पढ़ा तक नहीं था। जाहिर है कि वे उसके बारे में वही सब कुछ कह रहे थे जो उन्हें बताया गया था या जो वाट्सएप विवि के माध्यम से उनके मोबाइलों तक पहुंच रहा है। छात्र जो तख्तियां हाथों में लिये हुए थे, उन पर लगभग वे ही नारे लिये हुए थे जो भाजपा के होते हैं। इनमें कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन की सरकार बनने पर लोगों का सोना और मंगलसूत्र छीन लेने की बात लिखी गयी थी। इस पर जब रिपोर्टर ने प्रश्न किये तो छात्र विषय से पूर्णतरू अनभिज्ञ साबित हुए। साफ था कि उनके हाथों में ये तख्तियां पकड़ाई गयी थीं। अब यह शोध का विषय हो सकता है कि आखिर उन्हें ये नारे लिखकर किसने दिये और छात्रों से इस प्रकार का प्रदर्शन करवाने का औचित्य क्या था। फिर, क्या छात्रों की खुद की समझ इतनी भी नहीं है कि वे किसी के उकसाने पर या कहने पर ऐसा प्रदर्शन करने चले आये। निजी यूनिवर्सिटी में फीस, अधोसंरचना एवं सुविधाओं को देखें तो पता चलता है कि उसमें अच्छे-खासे खाते-पीते लोगों के बच्चे ही पढ़ सकते हैं। अगर ऐसे शिक्षण संस्थान में पढ़ने वालों की राजनैतिक समझ ऐसी हो तो अर्द्ध शिक्षित युवाओं को बहका पाना कितना आसान है, यह भी इस प्रदर्शन को देखकर समझा जा सकता है। पिछले 10 वर्षों से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केन्द्र सरकार के दौरान युवाओं व छात्रों का जिस प्रकार से ब्रेनवाश हुआ है उसका परिणाम किस तरह की युवा पीढ़ी को पैदा कर सकता है- यह भी इस वीडियो को देखकर समझा जा सकता है। भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आईटी के जरिये जिस अज्ञानता का प्रसार किया गया है उसका यह साक्षात उदाहरण कहा जा सकता है। यह वीडियो अब खूब वायरल हो रहा है।

यही युवा विद्यार्थी वर्ग भाजपा-संघ का कोर वोटर है। मोदी की लोकप्रियता का आधार किस प्रकार की घृणा और विवेकहीनता पर टिकी है- यह भी इस वीडियो को देखकर जाना जा सकता है। छात्रों के साथ पत्रकार की हुई बातचीत जहां एक ओर छात्रों के सामान्य ज्ञान पर सवालिया निशान उठाती है वहीं देश की शिक्षा का स्तर क्या है- यह भी उससे जाहिर हुआ है। माना यह भी जा रहा है कि संचालकों की शह पर यह प्रदर्शन जुलूस निकाला गया था जो सम्भवतरू भारतीय जनता पार्टी को खुश करना चाहते हों। ग्रेटर नोएडा में होने के नाते उत्तर प्रदेश की सरकार को भी खुश करने का इसका मकसद हो सकता है। छात्रों की राजनीति में भागीदारी में कोई बुराई नहीं है, बल्कि राजनीति में युवा शक्ति का सकारात्मक उपयोग किया जा सकता है। देश में पहले भी युवाओं व छात्रों द्वारा अनेक आंदोलन किये गये हैं जो देश के लिए परिवर्तकारी साबित हुए हैं।

भगत सिंह इस देश के युवाओं के आदर्श हुआ करते थे और जेपी आंदोलन में युवा, छात्र नेताओं की भूमिका से सभी परिचित हैं। लेकिन शिक्षण संस्थानों द्वारा छात्रों का इस तरह से राजनैतिक इस्तेमाल किया जाना कतई उचित नहीं कहा जा सकता।

ग्लोबल वामिंज़ग संभलने की वानिंग

उमाशंकर पाण्डेय

मनुष्य का जल-जंगल-जमीन से रिश्ता आदिकाल से है। बिना इनके जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। आज सबसे बड़ा संकट ग्लोबल वामिंज़ग का है। इससे सारी दुनिया चिंतित है। ग्लोबल वामिंज़ग ने कई तरह की दुश्वारियां पैदा की हैं। पृथ्वी का तापमान बढ़ने (ग्लोबल वामिंज़ग) और उसकी वजह से होने वाला जलवायु परिवतज़न आज प्रकृति की तबाही की सबसे महत्वपूणज़ कारक है। पृथ्वी के औसत तापमान में बढ़ोतरी या ग्लोबल वामिंज़ग मुख्यतः काबज़न उत्सजज़न की तेजी से बढ़ती दर और कम होते जंगलों का परिणाम है। उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में इस साल चली भयंकर लू का मुख्य कारण ग्लोबल वामिंज़ग ही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर ग्लोबल वामिंज़ग नहीं रुकी तो शताब्दी के आखिर तक पृथ्वी का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति के पहले के स्तर से 2 डिग्री बढ़ जाएगा और इससे लू की तीव्रता और नियमितता 30 गुना बढ़ जाएगी। दैनिक अनुभव से भी हम यह जानते हैं कि सिफज़ तपती गमीज़ या लू से उतनी तकलीफ नहीं होती जितनी तकलीफ गमीज़ और उमस के एकसाथ होने से होती है। ग्लोबल वामिंज़ग से हवा का तापमान बढ़ता है और गमज़ हवा ठंडी हवा के मुकाबले ज्यादा वायुमंडल की नमी वहन करती है। ग्लोबल वामिंज़ग के कारण जहां प्रति वषज़ लू की स्थिति अधिक दिनों तक और ज्यादा तीव्रता के साथ लोगों को अपनी जद में ले रही है। दूसरी ओर हर साल शीत लहर का प्रकोप भी बढ़ता जा रहा है। 1980 से 2018 के बीच शीत लहर के कारण हुई मौतें लू से हुई मौतों से ज्यादा थीं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020 में शीतलहर से 152 लोगों की मौत हुई। जनवरी 2021 में उत्तर भारत के हर राज्य में औसत मासिक अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री कम था। वैज्ञानिकों के अनुसार शीत लहर की बढ़ती अवधि और तीव्रता का मुख्य कारक ग्लोबल वामिंज़ग और विशेष तौर पर आकज़टिक इलाके का ऊष्मीकरण है। अबतक यह एक स्थापित तथ्य माना जाता था कि आकज़टिक वृत्त पृथ्वी के बाकी हिस्सों के मुकाबले दोगुनी तेजी से गमज़ होता है। लेकिन पिछले साल नासा से जुड़े कुछ वैज्ञानिकों के नए शोध के अनुसार आकज़टिक वृत्त असल में दोगुनी नहीं बल्कि चौगुनी तेजी से गमज़ हो रहा है।

लांसेट स्वास्थ्य जनज़ल में 2021 में प्रकाशित रिपोटज़ के अनुसार भारत में असामान्य तापमान के कारण हर साल सात लाख से अधिक लोगों की मौत होती है। इनमें से 6.5 लाख लोगों की मौत असामान्य ठंडे तापमान और औसतन 80 हजार लोगों की मौत असामान्य गमज़ तापमान के कारण होती है। असामान्य तापमान के कारण मरने वाले लोग आमतौर पर समाज के निचले तबके से आते हैं।

लू और शीतलहर के अलावा ग्लोबल वामिंज़ग के कारण एक और भयानक प्रक्रिया घटित हो रही है। यह प्रक्रिया है हिमनदियों और ध्रुवीय हिमच्छदों (पोलर आइस कैप्स) का तेजी से पिघलना और औसत समुद्र तल (मीन सी लेवल) का लगातार बढ़ना। अगले कुछ दशकों में शंघाई, हॉन्ग कॉन्ग, ओसाका, रिओ, एम्स्टडज़म, अलेक्सान्द्रिया जैसे दुनियाभर के कई तटवतीज़ शहरों के बड़े हिस्सों के जलमग्न हो जाने की आशंका है। मुंबई, चेन्नई, विशाखापट्टनम, कोच्चि, तिरुवनन्तपुरम आदि शहरों के कुछ इलाके 2050 तक जलमग्न हो सकते हैं। समुद्र स्तर के बढ़ने से आने वाली बाढ़ के कारण समंदर का खारा पानी जमीन के अंदर रिसकर चला जाएगा। इससे भूमिगत जल भी खारा बन जाएगा। इससे स्वच्छ पानी की उपलब्धता भयंकर विकराल रूप ले लेगी, क्योंकि आज ही मीठे पानी की समस्या गम्भीर समस्या बन चुकी है। तब क्या होगा इसकी कल्पना से कलेजा फटने को हो जाता है। पेयजल के बिना जीवन की कल्पना मुश्किल है। भूमिगत जलस्तर के लवणीकरण के कारण तटीय इलाकों में कृषि उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। एक बदलाव यह भी हुआ है कि पहले मानसून के दौरान कुल बारिश जितनी होती थी उसकी तुलना में आज काफी कम होती जा रही है। बाढ़ की नियमितता और तीव्रता बढ़ती जा रही है। अचानक से कुछ दिनों के लिए मूसलाधार बारिश होती है तो बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। एक-दो सप्ताह में ही इन इलाकों में सूखे की स्थिति बाढ़ की स्थिति में तब्दील हो जाती है। सूखे और बाढ़ का लगभग साथ-साथ होना और अनियमित बारिश ग्लोबल वामिंज़ग और बदलती जलवायु का ही परिणाम है।

देश में 2011 से 2020 के बीच हर साल औसतन 1500 लोग बाढ़ में काल कलवित हो हुए हैं। ग्लोबल वामिंज़ग के कारण महासागरों की सतह के तापमान में बढ़ोतरी और वायुमंडल में मौजूद जल वाष्प (वाटर वेपर) का अनुपात दोगुना होने से दुनियाभर में चक्रवात और तूफान पहले से अधिक नियमित तौर पर आने लगे हैं। इनकी तीव्रता में भी बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। भारत आज भयंकर रूप से सूखा ग्रस्त देशों की श्रेणी में शामिल है। 2020 से 2022 के बीच देश का दो-तिहाई हिस्सा सूखे की चपेट में था।

नजरिया

राजनीतिक गिरफ्तारियों को जायज ठहराने में व्यस्त एजेंसियां

के रवीन्द्रन

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राजनीतिक हस्तियों की गिरफ्तारी के समय के बारे में सर्वोच्च न्यायालय के सवाल ऐसे कार्यों के औचित्य और निहितार्थ के बारे में बढ़ती चिंताओं को उजागर करते हैं, खासकर जब इसे चुनावी कैलेंडर के साथ जोड़ा जाता है। शीर्ष अदालत की चिंताएं राजनीतिक प्रभाव के साधन के रूप में केंद्रीय एजेंसियों के संभावित दुरुपयोग की आशंका जताती हैं, जो निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों के लोकतांत्रिक लोकाचार को कमजोर कर सकता है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मामले मे मनीलॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी उनके इस्तीफे के बाद हुई, जो एक ऐसा कदम था जो चुनाव के समय से मेल खाता था। सर्वोच्च न्यायालय ने सोरेन की अंतरिम जमानत की याचिका पर ईडी को नोटिस जारी किया, जिसमें उनकी गिरफ्तारी के आसपास की परिस्थितियों की न्यायिक जांच की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। सोरेन की गिरफ्तारी का समय, जो लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हुआ, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के राजनीतिक लाभ के लिए उपकरण के रूप में इस्तेमाल किये जाने की संभावना पर सवाल उठाता है।

इसी तरह, उत्पाद शुल्क नीति मामले में ईडी द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी भी सर्वोच्च न्यायालय के विचारण के दायरे में आ गई है। अदालत ने स्पष्ट रूप से ईडी से केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय के पीछे का तर्क बताने को कहा है, जो चुनाव से ठीक पहले हुई थी। समय के पहलू को समझने पर अदालत का जोर ऐसी गिरफ्तारियों की संवेदनशील प्रकृति और चुनावी प्रक्रिया पर उनके संभावित प्रभाव की न्यायिक स्वीकृति का संकेत देता है। इन मामलों में सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप अलग-अलग घटनाएं नहीं हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थानों की पवित्रता को बनाये रखने के उद्देश्य से न्यायिक निरीक्षण के व्यापक पैटर्न का हिस्सा हैं। गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाकर, अदालत प्रभावी रूप से यह सुनिश्चित करना चाहती है कि केंद्रीय एजेंसियां राजनीतिक साजिशों में उलझे बिना, कानून और निष्पक्षता के दायरे में काम करें। अदालत की कार्रवाइयां उस नाजुक संतुलन की याद दिलाती हैं जिसे कानून के प्रवर्तन और लोकतांत्रिक सिद्धांतों क6 संरक्षण के बीच बनाये रखा जाना चाहिए। संवैधानिक मूल्यों के संरक्षक के रूप में न्यायपालिका की भूमिका चुनाव के दौरान और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जब राजनीतिक माहौल गर्म होता है, और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाइयां गहन सार्वजनिक जांच के अधीन होती हैं। संक्षेप में, ईडी की कार्रवाइयों के औचित्य पर सर्वोच्च न्यायालय के प्रश्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों की शक्तियों पर एक महत्वपूर्ण जांच का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे ऐसी एजेंसियों के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व को रेखांकित करते हैं, विशेष रूप से राजनीतिक नेताओं के साथ उनकी बातचीत और चुनावी परिणामों पर संभावित प्रभाव के संदर्भ में। जैसा कि सम्पूर्ण देश आज सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इन हाई-प्रोफाइल मामलों से निपटने को देख रहा है, संदेश स्पष्ट है रू कानून का शासन कायम रहना चाहिए, और चुनावी प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा की जानी चाहिए। अदालत का रुख चुनावी शतरंज के खेल में केंद्रीय एजेंसियों को मोहरे के रूप में इस्तेमाल करने के किसी भी प्रयास के खिलाफएक कवच के रूप में कार्य करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि भारत की लोकतांत्रिक भावना जीवंत और अजेय बनी रहे। सत्ताधारी पार्टी की राजनीतिक फंडिंग में भारी योगदान देने के लिए कॉरपोरेट्स को मजबूर करने के लिए ईडी और अन्य केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग गहन जांच और बहस का विषय रहा है। जबकि इन एजेंसियों द्वारा दबाव डालकर चुनावी बांड के माध्यम से सत्ताधारी पार्टी को धन दिलवाना जारी रहा है, विपक्षी दलों द्वारा चुनावी निर्णयों को प्रभावित करने में उनकी भूमिका भी आज की राजनीतिक कथा में एक नया अध्याय दर्शाती है। इन एजेंसियों द्वारा राजनीतिक नेताओं की गिरफ्तारी का सहारा सत्तारूढ़ दल द्वारा प्रवर्तन एजेंसियों के दुरुपयोग में एक और स्पष्ट मोड़ का प्रतीक है। चुनावों में समान अवसर को खत्म करने के लिए सत्ताधारी दल द्वारा इन एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोपों को चुनाव आयोग के ध्यान में लाया गया है, जिसने हालांकि अब तक मूकदर्शक के रूप में ही काम किया है। उदाहरण के लिए, कांग्रेस पार्टी ने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा अपने नेताओं को कथित तौर पर निशाना बनाये जाने के खिलाफआयोग से हस्तक्षेप की मांग की थी, लेकिन इस पर कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय का यह सवाल कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आम चुनाव शुरू होने से ठीक पहले क्यों गिरफ्तार किया गया, को समझाने के लिए ईडी को काफी स्पष्टीकरण की जरूरत होगी। पीठ ने ईडी से यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या केंद्रीय एजेंसी मामले में न्यायिक कार्रवाई के बिना आपराधिक कार्रवाई कर सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एवं पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक-पंकज सिंह मो-9415067370 आरएनआई - UPHIN/2016/74800 मेल आईडी-karnvaninews@gmail.com website : karnvaninews.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा)

संक्षिप्त खबरें

पूर्व सपा विधायक परवेज टंकी पर मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के शहर दक्षिणी से रहे पूर्व विधायक परवेज अहमद टंकी के खिलाफ करेली थाने में केस दर्ज किया गया है। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ व उसके आईएस 227 के गैंग के सदस्यों के साथ संबंध रखने व प्लाटिंग करने वाले सपा के पूर्व विधायक परवेज अहमद टंकी के खिलाफ करैली रहने वाले बिल्डर मोहम्मद अब्बास मैक टाउन ने करैली थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। मालूम हो कि प्रयागराज कमिश्नरेट ने पूर्व विधायक परवेज टंकी से इस मामले में पहले भी पूछताछ की थी। जिसके बाद करैली के बिल्डर से विवाद का मामला सामने आ गया। मामले में पुलिस ने परवेज टंकी पर 1.10 लाख अपने और जान से मारने की धमकी का मुकदमा दर्ज किया है। बिल्डर मोहम्मद अब्बास की तहरीर के मुताबिक कुछ महीने पहले करेली निवासी पूर्व विधायक परवेज अहमद टंकी को प्लाट खरीदने के लिए 1.10 लाख दिया गया था। जिसका पैसा व प्लाट कुछ नही दिया गया। वापस मांगने पर पूर्व विधायक ने जान से मारने की धमकी दी थी। मामले में करेली पुलिस ने पूर्व विधायक पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टप्पेबाजो ने ज्वैलरी शॉप से सोने की चार लॉकेट लेकर फरार

प्रयागराज। नैनी कोतवाली के काजीपुर मोहल्ले में शनिवार देर शाम ज्वैलरी की दुकान पर आभूषण लेने पहुंचे टप्पेबाज ने लॉकेट देखने के बहाने सोने की चार लॉकेट लेकर भाग निकला। जब तक दुकान मालिक ने शोर मचाया तब तक वह अपने साथी की बाईक पर बैठकर फरार हो गया। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालकर टप्पेबाजो की तलाश शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिक करैलाबाग के रहने वाले त्रिभुवन नाथ सोनी की नैनी काजीपुर में ज्वैलरी की दुकान है। वह रोज की तरह अपनी दुकान पर गये हुए थे। शनिवार की देर शाम एक युवक टोपी लगाकर उनकी दुकान पर पहुंचा और सोने की आठ लॉकेट निकलवाया। इसके बाद वह बहाने से चार लॉकेट पर हाथ साफ कर दिया। बाद व्हा से भागने लगा। इस दौरान दुकान मालिक त्रिभुवन ने शोर मचाया। मौके पर शोर सुनकर लोग पहुंचते, तब तक गली के बाहर बाईक लेकर खड़ा उसका एक साथी तत्काल बाईक स्टार्ट किया दोनों भागने में कामयाब हो गये। घटना की जानकारी पर पहुंची नैनी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आस पास लगे सीसीटीवी कैमरो को खंगालते हुए टप्पेबाजो की तलाश शुरु कर दी है। वही घटना की तहरीर भुक्तभोगी ने नैनी कोतवाली में दी है।

ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला की शुरुआत आज से

प्रयागराज। विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान द्वारा आयोजित 14 दिवसीय ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला÷ का शुभारंभ महाराष्ट्र लोक सेवा मण्डल, अलोपीबाग के प्रांगण में सोमवार को होगा। संस्था के अध्यक्ष अभिलाष नारायण ने बताया कि कार्यशाला प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से शुरू हो कर 3 घण्टे तक चलेगी। यह कार्यशाला डॉ. मुकेश उपाध्याय सहायक प्रोफेसर, परफॉर्मिंग आर्ट्स, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ एवं अरुण श्रीवास्तव शोधकर्ता, रंगमंच कला, नाट्य विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के मार्गदर्शन में संचालित होगी। यह कार्यशाला निःशुल्क आयोजित कि जा रही है अतः प्रतिभागियों से किसी भी तरह का आवेदन शुल्क नही लिया जा रहा है। इस 14 दिवसीय कार्यशाला में युवाओं को पश्चिमी रंगमंच, प्रकाश परिकल्पना, दृश्य काव्य, नाट्यशास्त्र के अनुसार अभिनय, प्राचीन एवं आधुनिक भारतीय रंगमंच, पश्चिमी परिप्रेक्ष्य से अभिनय प्रशिक्षण पद्धतियां पर प्रकाश डाला जाएगा। इसके अलावा योग व रंगमंचीय खेल अभ्यास भी कराया जाएगा। संस्था के उपाध्यक्ष अजय मुखर्जी ने बताया कि आज जब युवा रील और शॉर्ट वीडियोज़ में फंसे हैं ऐसे में इस 14 दिवसीय ÷ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रंगमंच से जोड़ना व उनके व्यक्तित्व को विकसित करना है।

एसजेएस पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम 7 मई को

उतरांव। उतरांव के पयागीपुर गांव स्थित एसजेएस पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम 7 मई को आयोजित किया गया है। कार्यक्रम 5 बजे शाम से आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हंडिया एसडीएम प्रेम नारायण प्रजापति होंगे। विशिष्ट अतिथि एसीपी हंडिया पंकज लवानिया और उतरांव थानाध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी होगें। उक्त आशय की जानकारी विद्यालय के संस्थापक सर्वजीत सिंह पटेल ने देते हुए क्षेत्रीय लोगों से प्रतिभाग करने की अपील की है।

लापता भाई के लिए तड़प रही है बहन, नहीं लगा कहीं सुराग

हंडिया। हंडिया तहसील के फूलपुर थाना अंतर्गत बसनेहटा गांव निवासी एक भाई तीन दशक से गायब हो गया है। गायब भाई को पाने के लिए बहन तीन दशक से तड़प रही है लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं लगा। बसनेहटा गांव निवासी स्वर्गीय रामराज का बेटा जबर सिंह 15 दिसंबर 1994 से लापता हो गया है। बेटे के गम में मां की भी मौत हो चुकी है। जबर सिंह की बहन फूला देवी के द्वारा भाई को सभी संभावित स्थानों के अलावा दूर दराज तक खोजबीन की गई लेकिन कहीं पता नहीं चला। तीन दशक बीत जाने के बाद आज भी भाई के लिए बहन तड़प रही है। लेकिन काफी खोजबीन के बाद कहीं पता न चलने पर वह हताश और निराश हो चुकी है। फूला देवी का जबर सिंह एकलौता भाई था।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का संसदीय क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन हुआ सम्पन्न

अयोध्या। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का संसदीय क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन साकेत पुरी स्थित एक सभागार में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रदेश प्रभारी डा गिरीश शर्मा ने कहा कि मोदी की सरकार देश के संविधान, लोकतंत्र तथा संसदीय व्यवस्था के लिए ख़तरनाक है। उन्होंने कहा कि देश को बचाने केलिए भाजपा को पराजित करना आवश्यक है। कामरेड नब्बन खां की अध्यक्षता एवं अशोक तिवारी तथा वरिष्ठ नेता सूर्य कांत पाण्डेय के संचालन में संपन्न सम्मेलन में अयोध्या मंडल के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। सम्मेलन में पार्टी के प्रदेश सचिव अरविंद राज़ स्वरूप ने कहा कि मोदी राज में हुएं आंदोलन में वामपंथी दलों का अहम योगदान रहा है। किसान विरोधी कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन,सीएए एन आर सी के विरोध में हुएं आंदोलन को भाकपा ने मजबूती से लड़ा। जिसके कारण मोदी को किसान विरोधी कानूनों को वापस लेने को मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि फांसी वादी और पूंजीवादी व्यवस्था को वामपंथी ही समाप्त कर सकते हैं। फैजाबाद संसदीय क्षेत्र भाकपा का गढ़ रहा है।पार्टी प्रत्याशी अरविंद सेन यादव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रत्याशी बनकर यह चुनाव लड़ना है। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी का लक्ष्य गरीबी, शोषण, गैरबराबरी, अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर समाजवादी व्यवस्था बनाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार को जुल्म और अत्याचार के लिए याद किया जाएगा। सम्मेलन को लोकतांत्रिक जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जुबैर अहमद कुरैशी, रुस्तम खलीलाबाद, असफी लाल गुप्ता बस्ती, दीनानाथ तिवारी गोण्डा, धर्म राज़ यादव बलरामपुर, रणधीर सिंह सुमन बाराबंकी, रामतीरथ पाठक, रघुवंश मणि,नीम सुल्तान पुर अमरेश यादव मिल्कीपुर, ईश्वर शरण शुक्ल, सत्यनारायण तिवारी ने संबोधित किया। सम्मेलन में अतुल कुमार अंजान तथा पार्टी के सहायक सचिव शैलेन्द्र सिंह की पत्नी के निधन पर शोक प्रकट किया गया।

नेशनल यूनियन जर्नलिस्ट आफ उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष ने मंत्री दयाशंकर सिंह की मुलाकात

जाना बाजार। अयोध्याधाम । नेशनल यूनियन जर्नलिस्ट आफ उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष अयोध्या जय प्रकाश गुप्ता ने ग्रामीण पत्रकार हित के लिए कार्यक्रम के दौरान पहुंचे परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से मुलाकात कर ग्रामीण पत्रकारों को मान्यता प्राप्त की श्रेणी में सुविधा उपलब्ध कराने की मांग किया । उसी दौरान परिवहन मंत्री ने कहा कि एक ज्ञापन भेज दे । जिससे विचार कर क्रिया में लाया जाय ।

10 हजार के आसपास लोग भाजपा में शामिल

संवाददाता

जाना बाजार। तारुन विकासखंड तारुन में स्थित राम सुचित सिंह महाविद्यालय अयोध्या जनपद का सबसे बड़ा राजनीतिक परिवर्तन का उस समय गवाह बना । जब 10 हजार के आसपास लोग अन्य पार्टियों को छोड़कर भाजपा में एक साथ शामिल हुए । इतने बड़े राजनैतिक परिवर्तन का श्रेय गोसाईगंज विधायक अभय सिंह के पिता भगवान बक्स सिंह और विधायक की पत्नी डॉ सरिता सिंह को मिला । विधायक अभय सिंह की पत्नी और पिता भगवान बक्स सिंह के आवाहन पर 15 हजार से ऊपर क्षेत्र वासियों ने पहुंचकर छोटे कार्यक्रम को बड़ा बना दिया । विधायक अभय सिंह के परिवार के प्रति आस्था रखने वाले इतनी भारी तादात में समर्थकों ने विभिन्न दलों को छोड़कर कार्यक्रम के दौरान भाजपा का दामन थाम कर सदस्यता ग्रहण कर राजनीति में हलचल पैदा कर दिया । कार्यक्रम के दौरान पहुंची क्षेत्र पंचायत सदस्य पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी राजकुमारी वर्मा व भारत वर्मा के नेतृत्व में 40 बीडीसी सदस्यों ने पार्टी का झंडा थाम लिया ।शनिवार की देर शाम हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय राय, भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह, सहित अतिथियों का बुके और प्रभु श्री राम का चित्र भेंट कर भगवान बक्स सिंह और डॉ सरिता सिंह ने स्वागत किया । कार्यक्रम के दौरान इतनी भारी तादात में सदस्यता ग्रहण करने वाले हुजूम को देखकर अपने वक्तव्य में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने विधायक की पत्नी और पिता का आभार व्यक्त किया । उन्होंने सराहना करते हुए कहा की उमड़े जन सैलाब से साबित हो गया है कि गोसाईगंज विधानसभा में आप सभी के शामिल होने से भाजपा का जनाधार उम्मीद से कई ज्यादा बढ़ गया है । तारुन हैदरगंज मोड़ से मंच तक पैदल आने में हमें आधे घंटे लग गए । विधायक के परिवार ने भाजपा को गोसाईगंज में और मजबूती प्रदान कर दी है । पार्टी में सभी सदस्यों का बराबर का हक रहेगा और सम्मान में कोई कमी नहीं रहेगी । पार्टी में सभी का मान सम्मान व स्वाभिमान पूर्ण रूप से सुरक्षित रहेगा । पार्टी में शामिल सभी लोग अपने बूथ पर उत्साह के साथ कार्य करें । उन्होंने राम मंदिर का जिक्र भी किया । भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय राय ने सपा बसपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अयोध्या की पहचान दुनिया में है । भगवान राम ने स्वयं आप जैसे लोगों के बल पर अपनी जीत सुरक्षित की थी । भगवान राम ने साधु संतों पर परोपकार व राक्षसों का नाश किया था । जिला अध्यक्ष संजीव सिंह ने भाजपा में शामिल लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि आपके सम्मान में भारतीय जनता पार्टी कभी कमी नहीं आने देगी । आप लोगों के सहयोग से अंबेडकर नगर और अयोध्या दोनों ही जगहों पर भारी मतों से जीत सुनिश्चित रहेगी । अंबेडकर नगर सहसंयोजक राममोहन भारती ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रधानमंत्री के 400 पार के नारे को इस बार भारी बहुमत से अंबेडकर नगर साकार करेगी । सबसे ज्यादा मत इस पूरे लोकसभा में गोसाईगंज विधानसभा से मिलेगा । जो रिकॉर्ड मत रहेगा । कार्यक्रम में अतिथियों के साथ भगवान बक्स सिंह, अनिल भारती डॉक्टर सरिता सिंह, दीपू सिंह, शैलेश पांडेय, त्रिभुवन प्रजापति, शिव पूजन यादव, महेंद्र मिश्रा सहित पांचो मंडल अध्यक्षों ने संबोधित किया । कार्यक्रम का संचालन श्रीनाथ निषाद व अजय सिंह तो अध्यक्षता भगवान बक्स सिंह ने किया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पूरा शिवेंद्र सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख तारुन विजय प्रताप सिंह पप्पू पाली, राजू सिंह, दीपू सिंह, नीरज सिंह, भरत वर्मा, अरविंद सिंह, गया जीत यादव, आशुतोष सिंह, सोनू पहलवान, मलखान सिंह, मनोज वर्मा, अमर सिंह, सिक्कू तिवारी, अरविंद यादव, महेंद्र निषाद, सहित हजारों लोग शामिल रहे ।

दो माह से नलकूप खराब किसानों की सुख रहीं फैसले

संवाददाता

पहला सीतापुर। गर्मी में सिंचाई के लिए किसान नलकूपों पर निगाह लगाए हैं लेकिन हाल ये है कि क्षेत्र में लगे नलकूप संख्या 51 जो विश्व बैंक नलकूप योजना द्वारा वर्ष 1988ड्ड89में बनवाया गया था करीब दो माह से बंद पड़ा है जिससे किसानों की फैसले सुख रही है।मिली जानकारी अनुसार ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भेथरा माधव में वर्ष 1988ड्ड89में विश्व बैंक नलकूप योजना द्वारा नलकूप संख्या 51का निर्माण करवाया गया था जो ट्रांसफार्मर फुंक होने के कारण करीब दो माह से बंद पड़ा है जिससे किसानों की फैसले सुख रही है और नलकूप बंद होने के कारण किसानों को 300 रुपये प्रति बीघा तक अतिरिक्त खर्च देकर मक्का गन्ना पिपरमेंट की सिंचाई करनी पड़ रही है।इन दिनों मक्के व गन्ने की फसल को पानी की जरूरत है लेकिन अधिकतर नलकूप खराब होने से हजारों बीघा फसल प्रभावित हो रही है। फसल बचाने के लिए किसान निजी पंपिंग सेट से सिंचाई करने पर मजबूर हैं। एक बीघा फसल की सिंचाई में 250 से 300 रुपये खर्च होते हैं। ऐसे में फसल की लागत बढ़ जाती है। किसानो ने बताया कि नलकूप बंद होने की सूचना विभाग को दी गई। कुछ विभागीय कर्मचारी गांव आए और नलकूप ठीक करने की बात कहकर चले गए

एक किसान ने बताया कि खेत की बोरिंग खराब हो गई थी। पास में कोई भी सिंचाई का साधन नहीं है। सिंचाई के अभाव में उड़द की फसल खराब हो गई। नलकूप सही होता तो नुकसान नहीं होता।इस संबंध में नलकूप विभाग के अधिकारी अभय पटेल से फोन पर जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि

नलकूपके खराब होने के संबंध में शिकायत नहीं मिली है। यदि कहीं नलकूप खराब हैं तो मरम्मत कराई जाएगी।

बीमारी से संबंधित संपूर्ण आहार के बारे में दी जानकारी

संवाददाता

प्रयागराज। सृजन इंस्टिट्यूट ऑफ़ पैरामेडिकल साइंस सड़वा खुर्द प्रयागराज मे बीएससी नर्सिंग सेकंड सेमेस्टर के बच्चों के द्वारा न्यूट्रिशन प्रोगाम पोषण कार्यक्रम कराया गया। जिसमें बच्चों ने बीमारी से संबंधित संपूर्ण आहार के बारे में जानकारी दी एवं बीमारी से संबंधित आहार बनाकर आए हुए अतिथियों के सामने प्रस्तुत किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की पूर्व सदस्य एवं प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ सृजन हॉस्पिटल डॉ सविता अग्रवाल उपस्थित रहीं। संस्था की प्राचार्य ऋतु तोबित ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में आहार विशेषज्ञ कल्पना श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं। संस्था के शिक्षक गण कर्मचारी गण अवनीश केवट, रीता सिंह, युवत कुमारी, विभा कुशवाहा, अर्पिता सिंह, निशि तिवारी, अतुल पाल, ज्योति श्रीवास्तव, प्रिंसु मिश्र, रत्नेश यादव, सौरभ मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

सांड के हमले से मृतक हुए किसान के आश्रितों को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग

अयोध्या। सांड के हमले से मृतक हुए 40 वर्षीय किसान राम सरन वर्मा पुत्र देवी प्रसाद वर्मा के आश्रितों को तत्काल प्रभाव से आर्थिक सहायता देने की मांग भारतीय किसान यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल जिला अधिकारी से मिलकर किया है। ज्ञातव्य है कि 01 मई 24 को ग्राम पलिया गोवा भूतहिया तहसील सोहावल जनपद अयोध्या निवासी राम सरन वर्माआयु लगभग 40 वर्ष पुत्र देवी प्रसाद वर्मा अपने खेत में सिंचाई कर रहे थे कि सांडों के झुंड ने हमला कर दिया भागते -भागते मूर्छित होकर गिर पडने से घायल होने पर मण्डलीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने मृतक घोषित कर दिया। राम सरन वर्मा के तीन नाबालिक बच्चे व गृहणी पत्नी है। भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा एडवोकेट के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर दैवी आपदा के अन्तर्गत आर्थिक सहायता दिलाने की मांग किया।प्रतिनिधिमंडल में घनश्यामवर्मा,रंजीत कोरी, भूपेन्द्र दूबे एडवोकेट, देवीप्रसाद वर्मा, भागीरथी वर्मा शामिल रहे।

टीपू सुल्तान के वंशज खादिम अब्बास जैदी ने बीजेपी चुनाव कार्यालय में बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की

- 400 पार के लिए युद्ध स्तर पर लग
- जाएं कार्यकर्ता खादिम अब्बास जैदी

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ लोकसभा के बीजेपी प्रत्याक्षी राजनाथ सिंह को चुनाव जिताने के लिया बीजेपी कार्यालय हलवासिया कोर्ट हजरतगंज लखनऊ में अपने सैकड़ों समर्थको के साथ खादिम अब्बास जैदी ने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की इस अवसर पर खादिम अब्बास जैदी ने कहा की अबकी बार 400 पार के लिए युद्ध स्तर पर सभी कार्यकर्ता चुनाव अभियान में लग जाए

उन्होंने ने कहा कि लोकसभा लखनऊ के तहत आने वाली पांचों विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर पर अब कोई कमी बाकी नहीं रहनी चाहिए जिसकी रूपरेखा अभी से बना ली जाए। जिस कार्यकर्ता को जो जिम्मेदारी दी गई है उसकी बिंदुवार समीक्षा करते हुए कहा कि विपक्षियों के पास बौखलाहट के अलावा और कोई मुद्दा नहीं बचा है इसलिए जनता के बीच लगातार जाकर संपर्क साधकर नरेंद्र मोदी के जनकल्याणकारी कामों की जानकारी पहुंचाएं। विपक्षियों को करारा जवाब दें खादिम अब्बास जैदी ने कहा कि कार्यकर्ता के दम पर ही चुनाव लडा जाता है और भाजपा के कार्यकर्ता मेहनत कर रहे हैं बस इसे मंजिल तक पहुंचाना है और विजय पताका लहरानी है। चुनाव संचालन समिति में जिसको जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है उसका ईमानदारी से निर्वहन करते हुए चुनाव अभियान तक चैन से न बैठें। सबसे महत्वपूर्ण अंग है और रणनीति के तहत काम करने से सफलता मिलनी तय है।

समाज का कोई भी वर्ग संपर्क से छूटने न पाए और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने में कोई कोर कसर न छोड़ी जाए। वन बूथ 20 यूथ के फार्मूले को अब अंतिम रूप देने की रणनीति को क्रियान्वित कर लिया जाए क्योंकि बूथ विजय से ही चुनाव विजय सुनिश्चित है।

गन्ना तौल को लेकर दो किसानों में मारपीट

संवाददाता

पहला सीतापुर। थाना रामपुर कलां क्षेत्रांतर्गत बिसवा महमूदाबाद मार्ग सरैया कादीपुर स्थित सेकसरिया शुगर फैक्ट्री के गन्ना सेंटर पर रविवार सुबह गन्ना तौलवाने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई फिर बात इतनी बढ़ गई की दोनो पक्षों ने गाली गलौज कर मारपीट कर दी जिनका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहला में इलाज किया गया तथा आक्रोशित किसानों ने काफी देर तक बिसवा महमूदाबाद मार्ग जाम कर रखा जिसे स्थानीय पुलिस तथा पूर्व कैबिनेट मंत्री द्वारा समझा बुझाकर खुलवाया गया।

मिली जानकारी अनुसार सरैया कादीपुर में बिसवा शुगर फैक्ट्री का गन्ना क्रय केंद्र है जिसपर रविवार सुबह किसान सत्यवान पुत्र इमरती निवासी बेनी माधवपुर मजरा कंचनपुर महरिया तथा रामू पुत्र भागीरथ निवासी सुल्तानापुर थाना सदरपुर के बीच गन्ना तौलवाने को लेकर विवाद हो गया तथा मारपीट हो गई जिसमे सत्यवान के हल्की चोट भी आ गई थी जिसका उपचार उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहला में करवाया तब तक गन्ना तौल रुक गई जिससे आक्रोशित किसानों ने सड़क जाम कर दिया तब तक उधर से बिसवा जा रहे पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र सिंह वर्मा निकल पड़े भीड़ देखकर वह भी वहां रुक गए तथा मिल प्रशासन से तौल के लिए वार्ता कर रोड खुलवाया तथा मिल प्रबंधक अमरीष कुमार भी तब तक क्रय केंद्र पहुंच गए तथा किसानों को समझाया बुझाया हालांकि मिल बंद होने के कांगार पर होने के कारण किसान जल्दी से जल्दी अपना गन्ना तौलवाना चाहता है क्योंकि हर वर्ष मिल शुरू में पर्चियां काम देता है और अंतिम पक्ष में एक दम सारी पर्चियां दे देता है जिस करण यह किसानों को समस्या होती है।

दिन-प्रतिदिन के निर्वाचन व्यय का लेखा-जोखा रखा जाए

अयोध्या । जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा निर्धारित किये गये प्रारूप पर रजिस्टर में अपने दिन-प्रतिदिन के निर्वाचन व्यय का लेखा-जोखा रखा जाना है तथा इस रजिस्टर को निरीक्षण हेतु व्यय प्रेक्षक के समक्ष प्रस्तुत किया जाना है। व्यय प्रेक्षक की सहमति से एतद्वारा अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय रजिस्टर के प्रथम निरीक्षण हेतु 09 मई 2024 को प्रातः 10 बजे से सांय 05 बजे तक, द्वितीय निरीक्षण हेतु 13 मई 2024 को प्रातः 10 बजे से सांय 05 बजे तक तथा तृतीय निरीक्षण हेतु 17 मई 2024 को प्रातः 10 बजे से सांय 05 बजे तक जिला पंचायत भवन, सिविल लाइन फैजाबाद के प्रथम तल पर स्थित अटल बिहारी बाजपेई सभागार कक्ष में निश्चित की गयी है।जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त अभ्यार्थीगण लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 अयोध्या को निर्देशित किया है।

जनता में रोष चाहती है बदलावः सरोज यादव

संवाददाता

अयोध्याधाम। समाजवादी पार्टी की जिलाध्यक्ष सरोज यादव ने बीकापुर विधानसभा में सोहावल ब्लॉक के बिछिया बालीपुर, ताजपुर, जगदीशपुर फतेहपुर, भीखनपुर आदि ग्रामों में डोर डोर जनसंपर्क कर इंडिया गठबंधन प्रत्याशी अवधेश प्रसाद और चुनाव निशान साइकिल के लिए वोट की अपील की। समाजवादी पार्टी महिला सभा जिलाध्यक्ष सरोज यादव ने बताया को बीजेपी सरकार में लोगों को कुछ मिला नहीं है केवल उनसे छीना गया है चाहे रोजगार हो, शिक्षा हो, व्यवस्था हो, सुरक्षा हो,अब तो हमारे संविधान पर भी खतरा मंडरा रहा है यह कहते हैं हमको 400 पार, क्यों चाहिए ? 400 पार इसीलिए चाहिए कि वो संविधान में छेड़छाड़ कर सके उसको बदल सके। जनता इनकी मनसा को समझ चुकी है। उनके मंसूबों को सफल नहीं होने देगी। जनता पूरी तरह से त्रस्त है, परेशान है, उनका कहना है इस सरकार ने हमसे हमारा घर,रोजी-रोटी, बच्चों की शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा सब छीन लिया महंगाई चरम पर है घर चलाना मुश्किल हो रहा है 10 साल हो गए युवाओं को नौकरियां नहीं दी, जबकि चुनावी वादे में कहा था कि हमारी सरकार आएगी हर साल दो करोड़ नौकरियां दूंगा लेकिन कुछ भी नहीं हुआ।किसानों से वादा किया था जब सरकार आएगी आवारा पशुओं से छुटकारा दिलाएंगे,रसोई महंगी हो गई है,महिलाओं के अस्मत लूटा जा रहा हैं, ऐसी सरकार हमें नहीं चाहिए इसलिए इस बार इंडिया गठबंधन को जिताकर सरकार बनाएंगे। हम सब अवधेश प्रसाद को सांसद बनायेगे जिससे हम लोगों का काम हो सके।परंपरागत वोट जो बीजेपी को मिला करता था वो खुलकर के विरोध कर रहे हैं।जनसंपर्क के दौरान भाग्यश्री, बीकापुर विधान सभा अध्यक्ष रीता निषाद ,उपाध्यक्ष विमला निषाद, यूवजन सभा के राष्ट्रीय सचिव याज मानसिंह, विधानसभा अध्यक्ष राजू वर्मा बाबा साहब वाहिनी राष्ट्रीय सचिव नागेश्वर नाथ करी जय सिंह रावत, अंबुज निधि, अभिमन्यु, श्याम लाल,राजकला, शिव कुमारी, भानुमति, उर्मिला, कंचन, संजना, राजकुमारी आदि मौजूद रहे।

समदाखेड़ा में लगा विधायक का 71वां आपका विधायक-आपके द्वार

- 16.62 करोड़ से सरोजनीनगर में 3 तालाबों का हो रहा सौंदर्यीकरण, बढ़ेगी जल संचयन क्षमता
- अनवरत जारी है विधायक राजेश्वर सिंह का आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर

संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा जनता से नियमित संवाद कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है। विधायक की टीम प्रत्येक रविवार को आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर के माध्यम से एक चयनित ग्राम पंचायत के निवासियों की समस्याएं सुनती है।

रविवार को ग्राम समदा खेड़ा में 71वां आपका विधायक, आपके द्वार जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया, इस शिविर में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। शिविर में जनता के बीच पहुंची विधायक की टीम उनकी समस्या के समाधान के लिए सक्रिय दिखी, टीम के सदस्यों ने जनता से सहजतापूर्वक संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। शिविर में प्राप्त सभी समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया गया। साथ ही विधायक डॉ राजेश्वर सिंह द्वारा क्षेत्र में कराये जा रहे विकास कार्यों से भी ग्रामीणों को अवगत कराया।

जन सुनवाई शिविर के उपरांत समदाखेड़ा की बेटियों को खेल संसाधन उपलब्ध कराने के लिए विधायक द्वारा गर्ल्स यूथ क्लब का गठन किया गया। बता दें की सरोजनीनगर विधायक युवाओं को खेल संसाधन उपलब्ध कराने के लिए ब्वॉयज और गर्ल्स यूथ क्लबों की स्थापना की जा रही है, सरोजनीनगर में अब तक 121 बॉयज यूथ क्लब और 9 गर्ल्स यूथ क्लब गठित किए जा चुके हैं।

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह पर्यावरण संरक्षण के प्रति निरंतर जागरूक रहते हैं, उनका प्रयास अपनी विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख समस्या जल निकासी से सम्पूर्ण निदान के साथ ही जल संचयन के प्रोजेक्टों को बढ़ावा देना भी है। इसी क्रम में विधायक के प्रयासों से 3 तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए 16.62 करोड़ की धनराशि हुई स्वीकृत हुई है।

विधायक राजेश्वर सिंह के प्रयासों से 5.24 करोड़ की लागत से विरुरा स्थित तालाब का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है, 1.80 करोड़ की लागत से कान्हा उपवन स्थित राधा तालाब और 2.13 करोड़ की लागत से प्रेम तालाब का सौंदर्यीकरण हो रहा है, उपरोक्त तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए 7.44 करोड़ की अग्रिम धनराशि अवमुक्त हो चुकी है।

साथ ही विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रयासों से सरोजनीनगर के 3 अन्य तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए प्रोजेक्ट तैयार कर नगर निगम से स्वीकृति के लिए भेजे गए हैं। जिनमें आशियाना स्थित उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समीप स्थित तालाब के लिए 4.45 करोड़, उतरेठिया स्थित तालाब के लिए 4.20 करोड़, रेजीडेंसी होटल के समीप स्थित तालाब के लिए 4.15 करोड़ लागत के प्रोजेक्ट तैयार हो चुके हैं। अपने आधिकारिक ट्विटर (एक्स) अकाउंट पर उक्त जानकारी पोस्ट करते हुए विधायक ने लिखा है, जल निकासी के समुचित प्रबंध के साथ, जल संरक्षण की राह पर बधाई सरोजनीनगर।

संक्षिप्त खबरें

रामगढ़ में पेड़ से टकराई एंबुलेंस, पिता-पुत्र की मौत ऑटो पलटने से बच्चे की जान गई, नौ लोग घायल

रामगढ़ (झारखंड)। झारखंड के रामगढ़ जिले में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पिता-पुत्र समेत एक 4 वर्षीय लड़के की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मृतकों की पहचान महादेव यादव, मनोज यादव और आयुष कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, पहली सड़क दुर्घटना रविवार रात रांची-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर मांडू के पास हुई। 68 वर्षीय महादेव यादव को रांची के राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) से इलाज के बाद छुट्टी मिलने पर एंबुलेंस कोडरमा लेकर जा रही थी। एंबुलेंस में उनके 35 वर्षीय बेटे मनोज यादव भी सवार थे। मांडू के पास पहुंचने पर एंबुलेंस ने दो मोटरसाइकिल और एक कार को टक्कर मार दी, जिसके बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई।

मांडू थाना प्रभारी रंजीत कुमार ने बताया कि दुर्घटना में एंबुलेंस सवार पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एंबुलेंस चालक और मोटरसाइकिलों पर सवार चार लोग घायल हो गए। जिन्हें नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। बाद में सभी घायलों को रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया।

दूसरी सड़क दुर्घटना दुर्घटना पतरातू इलाके में हुई। रामगढ़ जिले के सितका से रांची के बुढ़मू जा रहा एक ऑटो पतरातू इलाके में पलट गया। हादसे में चार वर्षीय आयुष कुमार नाम के लड़के की मौत हो गई। जबकि, चार लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। जहां से तीन लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया।

महेंद्रगढ़ ने किया टॉप व नूंह सबसे निचले पायदान पर रिजल्ट में ग्रामीण इलाकों के छात्र रहे आगे

भिवानी (हरियाणा) । हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के सीनियर सैकेण्डरी वार्षिक परीक्षा-2024 के परिणाम में पास प्रतिशतता में जिला महेन्द्रगढ़ टॉप और जिला नूंह पायदान पर सबसे नीचे रहा है। इस परीक्षा में ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 86.17 रही है, जबकि शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 83.53 रही है। वहीं, इस परीक्षा में राजकीय विद्यालयों की पास प्रतिशतता 83.35 रही तथा प्राईवेट विद्यालयों की पास प्रतिशतता 88.12 रही है।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ0 वी.पी. यादव ने बताया कि सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम 85.31 फीसदी तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 65.32 फीसदी रहा है। उन्होंने बताया कि सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षा में 213504 परीक्षार्थी प्रविष्ठ हुए थे, जिनमें से 182136 उत्तीर्ण हुए तथा 6169 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे। इस परीक्षा में 105993 प्रविष्ठ छात्राओं में से 93418 पास हुई, इनकी पास प्रतिशतता 88.14 रही, जबकि 107511 छात्रों में से 88718 पास हुए, इनकी पास प्रतिशतता 82.52 रही। इस प्रकार छात्राओं ने छात्रों से 5.62 फीसदी ज्यादा पास प्रतिशतता दर्ज कर बढ़त हासिल की है।

उन्होंने आगे बताया कि सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा के स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 65.32 प्रतिशत रहा है। इस परीक्षा में 5672 परीक्षार्थी प्रविष्ठ हुए जिनमें से 3705 पास हुए। स्वयंपाठी परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक अथवा नाम, पिता का नाम, माता का नाम व जन्म तिथि भरते हुए परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। विद्यालयी परीक्षार्थी भी अपना परिणाम अनुक्रमांक व जन्म तिथि भरते हुए देख सकते हैं। किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी/त्रुटि के लिए बोर्ड कार्यालय जिम्मेवार नहीं होगा।

मराठवाड़ा में जल संकट को लेकर अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं बीजेपी नेता:जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महाराष्ट्र में चुनावी जनसभा से पहले मंगलवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के नेता मराठवाड़ा क्षेत्र में पानी की समस्या को लेकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि मराठवाड़ा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए प्रधानमंत्री के पास क्या दृष्टिकोण है? प्रधानमंत्री मोदी आज महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री ने मराठवाड़ा के किसानों की पीड़ा को क्यों नजरअंदाज किया? मराठवाड़ा में पानी की कमी को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री के पास क्या योजना है? केवल गुजरात के सफेद प्याज़ से ही निर्यात प्रतिबंध क्यों हटाया गया है? उन्होंने कहा, वर्ष 2023 की पहली छमाही में, महाराष्ट्र में सबसे अधिक मराठवाड़ा क्षेत्र में किसानों ने आत्महत्या की है। मराठवाड़ा में कम से कम 685 किसानों ने अपनी जिंदगी समाप्त कर ली है। राज्य के कृषि मंत्री के गृह ज़िले बीड में सबसे ज़्यादा 186 मौतें हुई हैं।

रमेश का कहना है कि पिछले चार महीनों से सूखे की स्थिति का सामना कर रहे मराठवाड़ा क्षेत्र को अब बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से गंभीर नुक़सान हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा सरकार ने न तो इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित किया है और न ही किसी तरह की राहत की घोषणा की है। कांग्रेस नेता ने सवाल किया, मराठवाड़ा के किसानों को सूखे और प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी क्या कर रहे हैं? किसानों की आत्महत्या को रोकने के लिए उनके पास क्या दृष्टिकोण है? उन्होंने कहा, मराठवाड़ा में 600 से अधिक गांव और 178 बस्तियां पीने के पानी की भारी कमी के बीच पानी के टैंकरों पर निर्भर हैं। इस साल महाराष्ट्र का अधिकांश हिस्सा पानी की कमी से जूझ रहा है। रमेश ने दावा किया कि इस आपदा से राहत देने की कोशिश करने के बजाय भाजपा के नेता ज़िम्मेदारी से भाग रहे हैं, आरोप - प्रत्यारोप का खेल खेल रहे हैं और राहत एवं सहायता योजनाओं के कार्यान्वयन में व्यापक भ्रष्टाचार के आरोपों को दूर करने में विफल रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि मराठवाड़ा में पानी की कमी से निपटने के लिए प्रधानमंत्री के पास क्या योजना है?

कर्नाटक में चुनाव प्रचार के बीच फल विक्रेता मोहिनी से पीएम मोदी ने की मुलाकात, बढ़ाया हौसला

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के कर्नाटक दौरे पर हैं। जहां वह लोकसभा चुनाव प्रचार के मद्देनजर लगातार रैलियां कर रहे हैं। इसी बीच पीएम मोदी की बेहद खास फोटो सामने आई है। दरअसल, कर्नाटक के सिरसी में उन्होंने अकोला की फल विक्रेता मोहिनी गौड़ा से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने उनका हौसला बढ़ाया और उनके काम की तारीफ भी की। पीएम मोदी कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के सिरसी में रविवार को एक रैली करने पहुंचे थे। इसी दौरान हेलीपैड पर पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले फल विक्रेता मोहिनी गौड़ा से मुलाकात की। इसकी तस्वीर भी सामने आई है, जो सोशल मीडिया पर छाई हुई है। मोहिनी गौड़ा अकोला की एक फल विक्रेता हैं और वह अकोला बस स्टैंड पर पत्तों में लपेटे हुए फल बेचती हैं। उनकी एक अनोखी विशेषता है कि जब कुछ लोग फल खाकर पत्ते जमीन पर फेंक देते हैं, तो वह उन पत्ते को उठाकर कूड़ेदान में डाल देती हैं। स्वच्छ भारत अभियान में योगदान देने वाले लोगों के लिए इससे बड़ा उदाहरण क्या हो सकता है कि पीएम मोदी ऐसे हर एक व्यक्ति को याद रखते हैं जो उनके इस अभियान में प्रेरक शक्ति के रूप में काम करते हैं। बता दें कि कर्नाटक की 14 लोकसभा सीटों पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। बची हुई 14 सीटों पर 7 मई को तीसरे चरण में वोट डाले जाएंगे।

हाईस्कूल में प्रियांशी रावत ने किया टॉप, 500 में से 500 अंक प्राप्त किए

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड बोर्ड ने कक्षा 10वीं और 12वीं के करीब 2 लाख छात्रों के नतीजे घोषित कर दिए हैं। यूके बोर्ड 10वीं में इस वर्ष 89.14त्न बच्चे पास हुए हैं। लड़कियों काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। यूके बोर्ड इंटरमीडिएट में कुल 82.63 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। इसमें बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 78.97 तथा बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 85.96 प्रतिशत रहा है।

पिथौरागढ़ की रहने वाली छात्रा प्रियांशी रावत ने 500 में से 500 अंक प्राप्त कर प्रदेश में टॉप किया है। इसके अलावा, रुद्रप्रयाग के शिवम मलेठा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, पौड़ी गढ़वाल की आयुष ने तीसरा स्थान हासिल किया है।

इतनी फीसदी रहा परीणाम

इंटरमीडिएट परीक्षा 2024 का कुल परीक्षा परिणाम 82.63 फीसदी रहा है। इसमें 78.97त्न छात्र और 85.96त्न छात्राएं पास हुई हैं। अल्मोड़ा के पीयूष खोलिया और नैनीताल की कंचन जोशी ने टॉप किया है। कंचन जोशी को इंटरमीडिएट परीक्षा में 500 में से 488 अंक हासिल हुए है। 97.60 प्रतिशत स्कोर रहा है। प्रदेश की श्रेष्ठता सूची में संयुक्त रूप से सर्वोच्च स्थान हासिल किया है।

वहीं दूसरी तरफ रुद्रप्रयाग के अंशुल नेगी ने 500 में से 485 अंक हासिल किए हैं। कुल प्रतिशल 97.00 फीसदी रहा है। अंशुल दूसरे नंबर पर हैं। जबकि देहरादून के हरीश चंद्र बिजल्वाण और उत्तरकाशी के आयुष

अवस्थी तीसरे नंबर के टॉपर रहे। उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 9937 रही और कुल 10.79 प्रतिशत है। प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 37581 रही और कुल 40.84 प्रतिशत है। जबकि द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 27607 है और कुल 30.00 प्रतिशत है। तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 226 है और कुल 0.24 प्रतिशत है।

जिले ने किया टॉप

उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 10594 रही है और कुल 9.42 प्रतिशत स्कोर रहा। प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 31116 रही और कुल 27.68 प्रतिशत स्कोर रहा है। द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 44320 है और कुल 39.43 प्रतिशत स्कोर है। तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 14139 है। जिनका स्कोर 12.58 प्रतिशत है। प्रदेश की हाईस्कूल परीक्षा 2024 में जनपद बागेश्वर कुल 95.42 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर रहा है।

हाईस्कूल टॉपर

पिथौरागढ़ की प्रियांशी रावत ने टॉप किया है। रावत ने 500 में से 500 अंक हासिल किए हैं और कुल 100.00 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। दूसरे नंबर पर रुद्रप्रयाग के शिवम मलेथा रहे हैं। जिन्होंने 500 में से 498 अंक हासिल किए हैं।

आईपीएस दपंती की चार साल की बेटी की मौत

चंडीगढ़। पंजाब की आईपीएस दंपती की चार साल की बेटी की मौत हो गई है। फतेहगढ़ साहिब की एसएसपी रवजोत ग्रेवाल और जगराओं के एसएसपी नवनीत बैंस की चार वर्षीय बेटी नायरा का मंगलवार सुबह निधन हो गया। सूत्रों के अनुसार, बच्ची के गले में खाना फंसने के कारण उसकी जान गई है। जानकारी के अनुसार खाना खाते समय बच्ची के गले में खाना फंस गया था। जिस कारण उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी। पता चलते ही बच्ची को तुरंत मोहाली के प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची का अंतिम संस्कार मोहाली के इंडस्ट्रियल एरिया फेज-7 के श्मशान घाट में किया जाएगा।

बरातियों से भरी गाड़ी पर हाईवा पलटा बच्चा सहित छह की मौत, कई घायल

एजेंसी

भागलपुर । भागलपुर में बरात गाड़ी पर हाईवा पलटने से स्कॉर्पियो में सवार छह बराती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से मायागंज अस्पताल, भागलपुर पहुंचाया गया है। घटना कहलगांव मुख्य मार्ग एनएच-80 स्थित घोघा के आमापुर के पास की है। घटना रात करीब 11.30 बजे की है। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। मृतकों की पहचान संचित कुमार (28), अभिषेक कुमार(18), परिमल दास (21), छोटू मंडल (स्कार्पियो चालक), अमित दास (30) और पंकज कुमार के रूप में की गई है। इस घटना में कैलाश दास (60) सहित दो लोग घायल हैं, जिनका इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों

का कहना है कि तीन स्कॉर्पियो से बरात मुंगेर के खड़गपुर थाना क्षेत्र के धापड़ी मोड़ गोबड्डा पंचायत के गोरिया टोला से पीरपैंती के श्रीमतपुर गांव जा रही थी। उस स्कॉर्पियो में ड्राइवर सहित 11 लोग सवार थे। गाड़ी घोघा थाना क्षेत्र के आमापुर के पास विपरीत दिशा से (कहलगांव की ओर से) गिट्टी लदा हाईवा आ रहा था। घटनास्थल पर सड़क निर्माण कार्य चल रहा था। इस वजह से सड़क एक ओर से करीब तीन से चार फीट तक ऊंची थी। इस दौरान हाईवा गुजरने के क्रम में अनियंत्रित होकर बराती वाहन पर पलट गया।

उस समय उस स्कॉर्पियो के आगे-पीछे दो अन्य स्कॉर्पियों चल रही थी। एक्सीडेंट होते ही दोनों स्कार्पियो किसी तरह आगे पीछे करती हुई बच निकली वरना मरने वालों की संख्या और अधिक बढ़ सकती थी। शोर होने पर आसपास के लोग जमा हुए और किसी तरह उन सब को मलवे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक मई को आएंगी अयोध्या

अयोध्या । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राम मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए एक मई को अयोध्या आने वाली हैं। मंदिर के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि इस दौरान आम श्रद्धालु भी रोज की भांति दर्शन-पूजन कर सकेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू के विशेष विमान से एक मई शाम करीब चार बजे अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद उन्हें वीआईपी गेट से होते हुए मंदिर परिसर तक ले जाया जाएगा। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, राष्ट्रपति करीब तीन घंटे तक शहर में रहेंगी। इस दौरान उनके स्वागत के लिए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी मौजूद रहने की उम्मीद है। लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग और अयोध्या हवाई अड्डे को राम पथ से जोड़ने वाले मार्ग पर ट्रैफिक डायवर्जन किया जाएगा। शाम को सरयू के तट पर होने वाली आरती के दौरान राष्ट्रपति के आने की उम्मीद में तैयारी की जा रही है।

अमित शाह फेक वीडियो केस में दो गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो मामले में पुलिस हरकत में आ गई है। खबर है कि दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों आम आदमी पार्टी यानी कऔर कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को भी इससे जुड़े मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आप और कांग्रेस से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अहमदाबाद साइबर क्राइम टीम ने यह कार्रवाई की है। इससे पहले सोमवार को असम पुलिस ने भी कहा था कि एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से एक लैपटॉप और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए थे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया था कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का नाम रीतोम सिंह है।

सोशल मीडिया पर हाल ही में एक वीडियो वायरल होने लगा था, जिसके जरिए दावा किया जा रहा था कि शाह भारतीय जनता पार्टी के जीतने पर एससी/एसटी रिजर्वेशन खत्म करने की बात कह रहे हैं।

बाद में साफ हुआ कि शेयर किया जा रहा वीडियो को एडिट कर शेयर किया जा रहा था। वास्तविक वीडियो साल 2023 में तेलंगाना में दिए एक भाषण का था, जिसमें गृहमंत्री मुस्लिम कोटा खत्म करने की बात कह रहे थे।

भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि उसने चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए शाह का डीप फेक और छेड़छाड़ किया गया वीडियो प्रसारित किया। भाजपा ने मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की।

जेडीएस से निलंबित किए गए प्रज्वल रेवन्ना

एजेंसी

कर्नाटक की राजनीति में हलचल मची हुई है। कई महिलाओं से यौन शोषण के आरोप झेल रहे प्रज्वल रेवन्ना को जेडी-एस से निलंबित कर दिया गया है। जद (एस) कोर कमेटी के अध्यक्ष जीटी देवगौड़ा ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ एसआईटी का स्वागत करते हैं। हमने अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को एसआईटी जांच पूरी होने तक उन्हें पार्टी से निलंबित करने की सिफारिश करने का निर्णय लिया है। बता दें कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में रेवन्ना कर्नाटक की हासन सीट से पार्टी के उम्मीदवार हैं।

राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के हमलों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने कहा था कि प्रज्वल को निलंबित करने को लेकर पहले ही चर्चा हो चुकी है। अब हुबली में कोर कमेटी की बैठक होगी, जिसमें हासन सांसद के निलंबन की सिफारिश की जाएगी। उन्होंने कहा था कि रेवन्ना संसद सदस्य हैं, इसलिए उनके निलंबन का फैसला दिल्ली से किया जाना है। कुमारस्वामी ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मामले से दूर रखने की भी मांग की है। कुमारस्वामी ने कहा था कि प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रही एसआईटी को इस बात की भी जांच की जानी चाहिए कि पेन-ड्राइव कहां तैयार की गई और किसने बड़ी संख्या में इन वीडियो को प्रसारित किया। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ कोई सीधा आरोप नहीं है। यदि आरोप सही हैं तो कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि अगर एसआईटी जांच में सांसद के खिलाफ आरोप साबित हुए तो पार्टी कड़ी कार्रवाई करेगी।

रामबन में लगातार बढ़ रहा भू-धंसाव का दायरा

एजेंसी

रामबन । रामबन में हुई भारी बारिश के बीच परनोत क्षेत्र में हो रहा भू-धंसाव लगातार पांचवें दिन सोमवार को भी जारी रहा। इसका दायरा बढ़ता जा रहा है। परनोत क्षेत्र को नो-गो जोन घोषित कर दिया गया है। यहां किसी को भी आने जाने की अनुमति नहीं होगी।

प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। जबकि बाहर से आई विशेषज्ञों की टीम हर पहलू की जांच कर रही है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए राहत शिविर और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) रामबन कैंप कार्यालय परनोत पंचायत में काम कर रहा है।

प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों को अस्थायी रूप से रामबन के सामुदायिक केंद्र, रिश्तेदारों और पड़ोसियों के घरों में ठहराया गया है। उपायुक्त बसीर-उल-हक चौधरी ने कहा कि जमीन धंसने का सिलसिला जारी है। परनोत के भूमि धंसने से प्रभावित क्षेत्रों से अब तक सभी 100 परिवारों को पशुओं सहित नेमाड और तेलगा वार्ड से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

खराब मौसम से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद परिवारों को परनोत पंचायत से संचालित राहत और सहायता सेवाओं के साथ सामुदायिक हॉल मैत्रा में स्थानांतरित कर दिया गया है।

प्रशासन हाई अलर्ट पर है और स्थिति पर नजर रख रहा है। भूवैज्ञानिकों, एनडीआरएफ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, सिविल क्यूआरटी, चिकित्सा टीमें तैनात हैं। क्षेत्र में नोडल अधिकारी कैंप (बीडीओ रामबन) यासिर वानी की देखरेख में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

बदरीनाथ | **हाईवे खस्ता हालत..**

जख्मी आस्था पथ पर मरहम लगाने में जुटीं एजेंसियां

एजेंसी

गोपेश्वर (चमोली) । बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग की खस्ता हालत को देखते हुए लगता है कि इस बार धाम की यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं का सफर आसान नहीं होगा। पिछले एक साल में हाईवे की दशा को सुधारने के कोई प्रयास नहीं किए गए हैं। जिन स्थानों पर भूस्खलन, भू-धंसाव हुआ था, पहाड़ी से मलबा आया था, वहां भी सुधारीकरण कार्य नहीं किया गया है।

कुछ जगहों पर सड़क चौड़ीकरण और मलबा हटाने का काम शुरू तो किया गया, लेकिन अब समय कम और काम ज्यादा है। बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर पड़ताल के दौरान हाईवे की हालत बेहद खराब मिली, तो कहीं काम चलता मिला। नगरासू से बदरीनाथ धाम (129 किमी) तक बदरीनाथ हाईवे पर पिछले तीन सालों से ऑलवेदर रोड परियोजना का काम चल रहा है।

कुछ जगहों पर हाईवे की दशा सुधारी जा चुकी है, लेकिन कई जगहों पर अभी भी हाईवे

बेहद तंग हालत में है। नगरासू के समीप गत वर्ष पहाड़ी से भारी भूस्खलन होने से यहां करीब 200 मीटर हिस्से में हाईवे क्षतिग्रस्त हो गया था। अब यहां पर पहाड़ी को काटकर हाईवे का निर्माण किया गया है, लेकिन यहां गदेरा होने के कारण वाहनों की आवाजाही में दिक्कतें आ रही हैं।

पीपलकोटी के समीप गडोरा, बेलाकूची और पागलनाला में हाईवे का अधिकांश हिस्सा क्षतिग्रस्त है। राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) की ओर से हिल साइड कटिंग कर हाईवे को चौड़ा करने का प्रयास किया जा रहा, लेकिन बारिश में यहां फिर से भूस्खलन की संभावना बनी है। जोशीमठ से मारवाड़ी तक हाईवे चौड़ीकरण का काम भी अभी चल रहा है। इसमें कहीं कॉजवे का काम चल रहा, तो कहीं पुश्ते बनाए जा रहे हैं। टैय्या पुल से बल्दौड़ा तक चट्टान कटिंग से हाईवे संकरा हो गया है। यहां अलकनंदा किनारे सुरक्षा के इंतजाम भी नहीं हैं। लामबगड़ में भी नाले के ऊपर कॉजवे का निर्माण और बोल्डरों का निस्तारण किया जा रहा है। रड़ांग बैंड से कंचनगंगा के बीच भी जगह-जगह हिल कटिंग का काम चल रहा है। यह काम चारधाम यात्रा में के दौरान भी जारी रहेगा। यात्रा मार्ग पर सार्वजनिक शौचालयों की कमी है। पीपलकोटी से जोशीमठ तक 36 किमी के दायरे में एक भी शौचालय की सुविधा नहीं है। पाखी और लंगसी में स्थायी शौचालय तो बने हैं, लेकिन पानी की सुविधा नहीं है। महिला शौचालय की सुविधा कर्णप्रयाग, गौचर, नंदनगर, चमोली में तो है, लेकिन अन्य कस्बा क्षेत्रों में महिला शौचालय नहीं है। बीआरओ और एनएचआईडीसीएल की ओर से कई जगहों पर हाईवे को सुगम बना दिया गया है। नंदप्रयाग, मैठाणा बाजार से चमोली चाड़ा तक, बिरही चाड़ा से गडोरा, हेलंग से जोशीमठ, विष्णुप्रयाग से टैय्या पुल, पांडुकेश्वर, खचड़ा नाला, बैनाकुली, हनुमान चट्टी से रडांग बैंड और कंचनगंगा से देश के प्रथम गांव माणा तक हाईवे को ब्लैक टॉप और चौड़ीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। भूस्खलन क्षेत्र प्रथाडीप, मैठाणा, बाजपुर चाड़ा, चमोली चाड़ा, छिनका, बिरही चाड़ा, गडोरा, भनेरपाणी, पागलनाला, बैलाकूची, गुलाबकोटी, हेलंग, झड़कुला, जोशीमठ से मारवाड़ी, टैय्या पुल से बल्दौड़ा, अरूड़ी, लामबगड़ और रड़ांग बैंड से कंचननाला। जोशीमठ पेट्रोल पंप से नीचे करीब 150 मीटर हिस्से में हाईवे धंस रहा है। गत वर्ष बीआरओ ने धंसाव वाली जगहों को सीमेंट के घोल से पाट दिया था, लेकिन फिर से धंसाव हो रहा है। यात्रा में वाहनों के दबाव से यहां धंसाव बढ़ सकता है।

बदरीनाथ हाईवे के भूस्खलन क्षेत्रों में सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं। जिन स्थानों पर सुधारीकरण कार्य चल रहा है, उसे यात्रा शुरू होने से पहले पूर्ण करने के निर्देश कार्यदायी संस्थाओं को दिए गए हैं। कई जगहों पर हाईवे पहले से बेहतर हो गया है।

-चंद्रशेखर वशिष्ठ, एसडीएम, जोशीमठ, चमोली

संक्षिप्त खबरें

भारत-चीन के साथ जड़ों को नकार नहीं सकता सिंगापुर

सिंगापुर । सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग 15 मई को अपने पद से इस्तीफा देंगे। लूंग ने अपने अंतिम भाषण में एकजुटता की अपील की और कहा कि सिंगापुर के लोग चीन और भारत के साथ अपनी जातीय जड़ों को नकार नहीं सकते हैं। बता दें, लूंग की जगह उप प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग लेंगे। मई दिवस रैली के दौरान ली ने कहा, %सामाजिक मेलजोल काफी अहम है। नस्ल, भाषा और धर्म पारंपरिक तौर पर सिंगापुर से अलग नहीं हो सकता। सिंगापुर की साझा पहचान के लिए काफी कोशिशें की गई हैं और देश हमेशा बाहरी ताकतों का सामना करेगा, जो कि अपनी आबादी के अलग-अलग वर्गों को अलग दिशाओं में खींचते हैं। प्रधानमंत्री ली ने कहा, हम अपनी विविध जातीय जड़ों और धार्मिक लगाव को खत्म नहीं कर सकते, जिनमें चीन के साथ चीनी सिंगापुरी, भारत में अपने विभिन्न पैतृक घरों वाले भारतीय सिंगापुरी, हमारे शेष क्षेत्र के मलय और वैश्विक मुस्लिम उम्मा शामिल हैं। 72 साल के ली ने कहा कि यह खतरा हो सकते हैं, लेकिन फिर भी हम इन समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को खोना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि नस्लीय और धार्मिक सद्भाव प्रगति पर एक काम जारी रहेगा, लेकिन सिंगापुर को अन्य संभावित विभाजनों के प्रति भी सचेत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिंगापुर की प्रणाली विश्वास के मजबूत आधार पर टिकी हुई है, पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) सरकार इसे बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। इसलिए हर बार आम चुनाव में पीएपी को लोगों का साथ मिलता है।

चीन में सड़क धंसने से 19 लोगों की मौत

गुआंगज़ौ। दक्षिण चीन के गुआंग्डोंग प्रांत में मंगलवार देर रात एक एक्सप्रेसवे पर सड़क धंसने से 18 वाहनों के फंस जाने से 19 लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए। मेइझोउ शहर के अधिकारियों ने बताया कि मेइझोउ में मेइझोउ-डाबू एक्सप्रेसवे के एक खंड पर देर रात करीब 02:10 बजे यह घटना हुई। इसमें 19 लोगों की मौत हो गयी और अन्य 30 घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीझोउ सरकार के अनुसार, फिलहाल, यहां पांच सौ से अधिक बचाव कर्मी कार्य में जुटे हुये हैं।

वियतनाम में विस्फोट से पांच लोगों की मौत

हनोई। वियतनाम के दक्षिणी प्रांत डोंग नाई में एक लकड़ी निर्माण कंपनी में बुधवार सुबह हुए एक विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। वियतनाम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना प्रांत के विन्ह कुउ जिले में स्थानीय समयानुसार सुबह 08ः30 बजे हुई। इसमें पांच लोगों की मौत हो गयी और 10 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक ही हालत गंभीर है। फिलहाल, विस्फोट का कारण संभवतः बॉयलर की खराबी बताया जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

राफा पर इजरायल सैन्य हमले से बढ़ेगा संघर्ष

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मंगलवार को कहा कि गाजा पट्टी में राफा पर इजरायल के सैन्य हमले से संघर्ष में अकल्पनीय वृद्धि होगी और इसके कारण हजारों फिलिस्तीनी नागरिकों मारे जायेंगे। श्री गुटेरेस ने कहा, राफा पर एक सैन्य हमले से संघर्ष में वृद्धि होगी, जिसमें हजारों नागरिक मारे जाएंगे और हजारों लोगों को भागने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

जॉर्जिया में विपक्षी नेता खबीशविली हिरासत में

त्बिलिसी। जॉर्जिया के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल साकाश्विली की विपक्षी पार्टी यूनाइटेड नेशनल मूवमेंट के नेता लेवान खबीशविली को मध्य त्बिलिसी में विदेशी एजेंटों पर एक विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन में हिरासत में लिया गया है। जॉर्जियाई प्रसारक फॉर्मूला न्यूज ने बुधवार को बताया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्षी राजनेता को पुलिस ने पीटा था। वेबसाइट और सोशल मीडिया पर साझा की गयी खबीशविली की एक तस्वीर में उनके चेहरे पर खून के निशान थे। बाद में, कथित तौर पर उनको अस्पताल ले जाया गया है।

अमेरिकी विवि के छात्रों की गिरफ्तारी पर यूएन नाराज

विविके अध्यक्ष ने ही पुलिस को पत्र लिखकर प्रदर्शनकारियों पर की थी कार्रवाई की मांग

एजेंसी

वॉशिंगटन । फलस्तीन के समर्थन में अमेरिकी विश्वविद्यालयों में हो रहे विरोध प्रदर्शनों से छात्रों की गिरफ्तारी का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र तक पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र में मानवाधिकार आयोग के उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने छात्रों की गिरफ्तारी पर नाराजगी जाहिर की है। वोल्कर टर्क ने अमेरिका के विश्वविद्यालयों में फलस्तीन समर्थकों के खिलाफ कानूनी प्रवर्तक एजेंसियों के सख्त रुख अपनाने पर चिंता जाहिर की।

वोल्कर टर्क ने यह चिंता ऐसे समय जाहिर की है, जब कुछ घंटे पहले ही कोलंबिया यूनिवर्सिटी में न्यूयॉर्क पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है और विश्वविद्यालय परिसर को प्रदर्शनकारियों से खाली करा लिया है। मंगलवार की रात न्यूयॉर्क पुलिस के करीब 100 जवान कोलंबिया विश्वविद्यालय परिसर में घुसे और उन्होंने फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की।

कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया और विश्वविद्यालय की प्रशासनिक इमारत को प्रदर्शनकारियों से खाली करा लिया। दरअसल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष ने ही पुलिस को पत्र लिखकर प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की मांग की थी। इस पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन समाज के मौलिक अधिकार हैं। खासकर जब एक बड़े मुद्दे पर भारी मतभेद हैं और इस्राइल और हमास के बीच गाजा पट्टी में युद्ध चल रहा है। हाल के हफ्तों में विभिन्न अमेरिकी विश्वविद्यालयों में हजारों की संख्या में छात्र फलस्तीन के समर्थन में, गाजा युद्ध के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारी उन कंपनियों और व्यक्तियों के बायकॉट की मांग कर रहे हैं, जिनका गाजा युद्ध में इस्राइल के साथ संबंध हैं। मानवाधिकार आयोग ने कहा कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सुरक्षा बलों ने कार्रवाई की है। सैंकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। कई रिहा हो चुके हैं, लेकिन अभी भी कई छात्रों के खिलाफ शैक्षिक प्रतिबंध और आरोप लगे हैं। टर्क ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन को सावधानीपूर्वक कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा करना भी जरूरी है।

इंडोनेशिया में 14 दिन में छठवीं बार ज्वालामुखी फटा

11 हजार लोगों को रेस्क्यू किया गया, एयरपोर्ट बंद, सुनामी का भी अलर्ट

जकार्ता। इंडोनेशिया के माउंट रुआंग में ज्वालामुखी फटा। विस्फोट के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। डिजास्टर मैनेजमेंट के अधिकारियों ने अगले आदेश तक एयरपोर्ट बंद रखने के निर्देश दिए है। रुआंग के आसपास के क्षेत्र में रह रहे 11 हजार लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा जा चुका है। साथ ही पांच किलोमीटर की दूरी तक किसी को भी जाने की इजाजत नहीं है। विस्फोट के बाद चारों ओर अंधेरा छा गया। उसके बाद बिजली चमकी और भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे खिड़कियों के शीशे टूट गए। 14 दिन में छठवीं बार ज्वालामुखी फटा है। 16 और 30 अप्रैल को एक-एक, 17 अप्रैल को 4 बार ज्वालामुखी फटा। 16 अप्रैल की रात 9ः45 मिनट पर ज्वालामुखी में पहला विस्फोट हुआ था। कतर की मीडिया अलजजीरा के मुताबिक, माउंट रुआंग पर 17 अप्रैल को ज्वालामुखी में 4 बार विस्फोट हुआ था। इसकी वजह से हजारों फीट ऊंचा लावा उठा और राख फैल गई। इंडोनेशिया में आपदा केंद्र अलर्ट मोड पर है। डिजास्टर मैनेजमेंट के अधिकारियों का कहना है कि माउंट रुआंग के पास हाल ही में 2 भूकंप आए थे। इसकी वजह से टेक्टोनिक प्लेट्स अस्थिर हो गईं, जो ज्वालामुखी फटने का कारण बनीं। अधिकारियों ने बताया कि लोगों को रेस्क्यू करने के लिए 20 बचावकर्मियों को तैनात किया गया है। अलजजीरा के मुताबिक, इंडोनेशिया की वोल्कैनो एजेंसी ने खतरे को देखते हुए लेवल 4 की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा ज्वालामुखी के पास के 6 किमी क्षेत्र को एक्सक्लूजिव जोन घोषित किया गया है। इंडोनेशिया के जियोलॉजिकल एजेंसी के अध्यक्ष ने बताया, रुआंग ज्वाल्मुखी फटने के बाद आसमान में 2 किमी की ऊंचाई तक राख का गुबार उठा। दूसरे विस्फोट के बाद यह ऊंचाई 2.5 किमी हो गई। अलजजीरा के मुताबिक, इंडोनेशिया रिंग ऑफ फायर के क्षेत्र में आता है। यहां पैसेफिक महासागर के करीब हॉर्स-शू के शेप की टेक्टॉनिक फॉल्ट लाइन्स हैं। देश में 120 एक्टिव वोल्कैनो मौजूद हैं।

साइफर मामले में पूर्व पीएम इमरान के खिलाफ नहीं मिले सबूत

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राहत मिलने की उम्मीद है। दरअसल, इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के पास इस बात का कोई सबूत नहीं है कि जेल में बंद खान के पास गोपनीय दस्तावेज (साइफर) था और यह उनके पास से गायब हुआ।

71 वर्षीय खान और तत्कालीन विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने साइफर मामले में आरोप सिद्ध होने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर मंगलवार को फिर से सुनवाई शुरू हुई।इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब की खंडपीठ ने सवाल किया कि क्या एजेंसी के पास कोई सबूत है, जो साबित कर सके कि पूर्व पीएम के पास गुप्त दस्तावेज थे। साल 2022 मार्च में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले एक जनसभा के दौरान पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान ने जेब से एक कागज निकालकर लहराया था और दावा किया था कि उनकी सरकार गिराने के लिए अंतरराष्ट्रीय साजिश रची जा रही है। आरोप है कि साल 2022 में वॉशिंगटन से पाकिस्तान स्थित दूतावास में एक केबल भेजा गया था, जो लीक हो गया और इमरान खान ने कथित तौर पर उसे ही जनसभा के दौरान लहराया था।

हालांकि बाद में पूछताछ के दौरान इमरान खान ने गोपनीय दस्तावेज के रैली में लहराने से इनकार किया था। इमरान ने ये भी कहा कि उनसे वह गोपनीय दस्तावेज गुम हो गया है और उन्हें याद नहीं आ रहा है कि उन्होंने उसे कहां रख दिया है। इसी मामले में खान और उनकी सरकार में विदेश मंत्री रहे शाह महमूद कुरैशी को 10 साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले बचाव पक्ष के वकील बैरिस्टर सलमान सफदर द्वारा इस्लामाबाद हाईकोर्ट को सौंपी गई विदेश मंत्रालय की एक रिपोर्ट में संकेत दिया गया था कि साइफर लेने वाले पूर्व सेना प्रमुख और मुख्य न्यायाधीश समेत लगभग हर व्यक्ति ने गोपनीय दस्तावेज लौटा दिए जबकि खान के खिलाफ मामला दर्ज हो गया। जबकि विशेष अभियोजक हामिद अली शाह ने विदेश मंत्रालय से पीएम कार्यालय तक साइफर मामले को समझाया। इसपर मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक ने पूछा, क्या आपके पास साइफर से जुड़ा कोई रिकॉर्ड है, जो यह साबित करता हो कि प्रधान सचिव ने प्रधानमंत्री को यह दस्तावेज दिया गया था? इस पर शाह ने जवाब दिया कि आजम खान तब प्रधान सचिव थे। उन्होंने अदालत में गवाही दी थी उन्होंने पीटीआई प्रमुख को साइफर सौंपा था, लेकिन उन्होंने इसे वापस कभी नहीं लौटाया। वहीं, मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हम मानते हैं कि यह अफवाह है। इस पर शाह ने कहा कि अदालत के पास यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री के पास साइफर था। इस पर फारूक ने कहा, हम इस बात को कैसे मान लें कि गुप्त दस्तावेज को वापस नहीं लौटाया गया? शाह ने कहा कि मामले के गवाहों ने शपथ लेकर कहा था कि खान ने गोपनीय दस्तावेज कभी नहीं लौटाए। उन्होंने कहा कि एक सार्वजनिक भाषण और एक निजी टेलीविजन चैनल के साथ एक साक्षात्कार के दौरान, खान ने स्वीकार किया था कि साइफर उनके पास था।

न्यायमूर्ति औरंगजेब ने टिप्पणी की कि राजनेता भीड़ को लुभाने के लिए इस तरह के बयान देते रहते हैं। उन्होंने राज्य सरकार के वकील से कहा कि वह अदालत को बताएं कि आजम खान के कथित अपहरण पर दर्ज प्राथमिकी का क्या हुआ और वकील को दो मई तक प्राथमिकी में चालान या डिस्चार्ज रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

अप्रैल महीने में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपए के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल में 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले साल अप्रैल महीने की तुलना में 12.4 प्रतिशत अधिक है। घरेलू लेनदेन और आयात में मजबूत तेजी को जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी की वजह बताया गया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है।

मंत्रालय ने कहा, सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है, जो घरेलू लेनदेन (13.4 प्रतिशत की वृद्धि) और आयात (8.3 प्रतिशत की वृद्धि) में मजबूत वृद्धि के दम पर मुमकिन हो पाया। अप्रैल 2023 में जीएसटी संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपये था। रिफंड के बाद अप्रैल 2024 में शुद्ध जीएसटी संग्रह 1.92 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 17.1 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। अप्रैल में केंद्रीय जीएसटी संग्रह 43,846 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी 53,538 करोड़ रुपये रहा। एकीकृत जीएसटी 99,623 करोड़ रुपये रहा जिसमें आयातित वस्तुओं पर मिले 37,826 करोड़ रुपये शामिल हैं। उपकर संग्रह 13,260 करोड़ रुपये रहा, जिसमें आयातित वस्तुओं पर संग्रहित 1,008 करोड़ रुपये शामिल हैं। मार्च 2024 में जीएसटी संग्रह 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा था। मार्च के जीएसटी संग्रह में रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.65 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले साल मार्च महीने की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि है।

रूस ने ओडेसा में किया हमला, पांच की मौत

एजेंसी

कीव । रूस और यूक्रेन के बीच 26 महीने से अधिक समय से युद्ध जारी है। फिलहाल, यह जंग थमती नजर नहीं आ रही है। इस बीच, एक बार फिर रूस की तरफ से मिसाइल हमला किए जाने की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, काला सागर के बंदरगाह शहर ओडेसा में मिसाइल हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई।

वहीं 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इस हमले में कई आवासीय भवनों सहित नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों के अनुसार, इससे पहले रूसी सीमा से सिर्फ 30 किलोमीटर दूर स्थित यूक्रेनी शहर खार्किव पर ग्लाइड बमों से हमला किया गया था। उस हमले में दो नागरिक घायल हो गए थे। इस हमले में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। यूक्रेन दो वर्षों से अधिक समय से रूसी आक्रमण को रोक रहा है। रूसी सेना आए दिन खार्किव और ओडेसा के प्रमुख शहरों पर मिसाइलें और ड्रोन दागती रहती है। यूक्रेन के एक अधिकारी ने हमले का वीडियो जारी किया है। इसमें देखा जा सकता है कि किस तरह समुद्र के किनारे एक के बाद एक कई बम विस्फोट हुए। इससे भगदड़ मच गई।

रिपोर्ट के अनुसार, रूस के हमले में तबाह हुए भवनों में एक शैक्षणिक संस्थान भी था, जिसे बोलचाल की भाषा में हैरी पॉटर कैसल के रूप में जाना जाता था। अधिकारियों ने इसके टावर और छतों की जलती हुईं तस्वीरें भी साझा की हैं। अधिकारियों ने बताया कि हमला इस्कैंडर बैलिस्टिक मिसाइल से किया गया था। महाभियोजक एंड्री कोस्टिन ने बताया कि मिसाइल का मलबा और धातु के टुकड़े बरामद हुए हैं। उन्होंने कहा कि दुख की बात यह है कि घायलों में दो बच्चे और एक गर्भवती महिला थी। कोस्टिन ने कहा कि करीब 20 आवासीय भवनों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे हालात और बिगड़ गए। एक अलग घटना को लेकर रूसी अधिकारियों ने क्रीमिया में यूक्रेन द्वारा किए गए मिसाइल और ड्रोन हमले को रोकने में सफलता का दावा किया है।

श्रीलंका के कांकेसंथुरई बंदरगाह की मरम्मत का खर्च उठाएगा भारत

एजेंसी

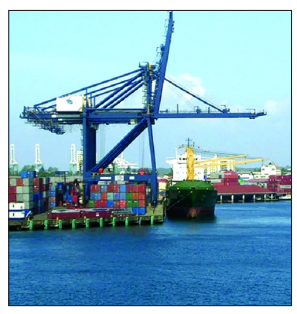

कोलंबो । श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने उत्तरी प्रांत में कांकेसंथुरई बंदरगाह की मरम्मत कराने का फैसला किया है और भारत इस परियोजना का 6.15 करोड़ डॉलर का पूरा खर्च उठाने के लिए राजी हो गया है। एक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी। श्रीलंका के उत्तरी क्षेत्र में स्थित कांकेसंथुरई बंदरगाह या केकेएस बंदरगाह 16 एकड़ के क्षेत्र में फैला है और यह पुडुचेरी में करईकल बंदरगाह से 104 किलोमीटर दूर है।

तमिलनाडु में नागपत्तिनम को जाफना के समीप कांकेसंथुरई बंदरगाह से जोड़ने वाली सीधी यात्री जहाज सेवा करीब साढ़े तीन घंटे में 111 किलोमीटर का सफर तय करती है। बयान में कहा गया है, ''इस परियोजना की महत्ता पर विचार करते हुए भारत सरकार परियोजना के लिए पूरी अनुमानित लागत वहन करने पर राजी हो गयी है।'' इसमें कहा गया है कि इस परियोजना के क्रियान्वयन में देरी हुई क्योंकि परामर्शक सेवा एजेंसियों द्वारा दी गयी अनुमानित लागत कर्ज की प्रासंगिक धनराशि से कहीं अधिक थी।

बयान के अनुसार, ''इसके बाद सार्वजनिक निजी भागीदारी पद्धति के तहत परियोजना पूरी करने की संभावना के संबंध भारत सरकार के साथ और बातचीत की गयी।'' इस परियोजना के लिए मंत्रिमंडल ने सबसे पहले दो मई 2017 को स्वीकृति दी थी। इस साल मार्च में घोषणा की गयी कि इस परियोजना पर कुल 6.15 करोड़ डॉलर की लागत आएगी।

अदालत ने पोर्न स्टार से जुड़े मामले में ट्रंप को अवमानना का दोषी ठहराया, जुर्माना लगाया

एजेंसी

न्यूयार्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पोर्न स्टार से रिश्तों से जुड़े एक मामले में मंगलवार को अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया गया और प्रतिबंध आदेश का बार-बार उल्लंघन करने के लिए 9,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। अदालत ने ट्रंप को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल से अपने रिश्तों को लेकर गुप्त रूप से धन देने के मामले से जुड़े गवाहों, जूरी सदस्यों और कुछ अन्य लोगों के बारे में सार्वजनिक बयान देने से रोक दिया था।

न्यायाधीश ने ट्रंप को चेतावनी दी कि यदि वह दोबारा ऐसा करते हैं, तो उन्हें जेल की सजा हो सकती है। अभियोजकों ने मामले में ट्रंप पर 10 उल्लंघनों का आरोप लगाया था, लेकिन न्यूयॉर्क के न्यायाधीश जुआन एम मर्चन ने नौ उल्लंघन के मामले में उन्हें दोषी ठहराया। यह फैसला पूर्व राष्ट्रपति के लिए झटका है, जिन्होंने जोर दिया था कि वह अपने स्वतंत्र भाषण अधिकारों का प्रयोग कर रहे थे। न्यायाधीश मर्चन ने आदेश में लिखा कि ट्रंप को ''चेतावनी दी गई है कि अदालत अपने आदेशों का जानबूझकर उल्लंघन किये जाने को बर्दाश्त नहीं करेगी और यदि आवश्यक हुआ तो वह उन्हें जेल की सजा देगी।'' मामले में गवाही के दूसरे सप्ताह की शुरुआत में यह फैसला आया है। मैनहट्टन के अभियोजकों का कहना है कि ट्रंप और उनके सहयोगी 2016 में अपने बारे में नकारात्मक खबरों को रोकने की अवैध योजना में शामिल थे। मामले में ट्रंप ने खुद को बेकसूर बताया है। न्यायाधीश ने फैसले में कहा कि ट्रंप को शुक्रवार तक जुर्माना भरना होगा। अदालत ने कहा कि ट्रंप को अपने 'ट्रुथ' सोशल अकाउंट से सात आपत्तिजनक पोस्ट और राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी प्रचार अभियान वेबसाइट से दो पोस्ट मंगलवार दोपहर तक हटानी होंगी। न्यायाधीश प्रतिबंध के उल्लंघन के अन्य मामलों पर भी विचार कर रहे हैं और बृहस्पतिवार को दलीलें सुनेंगे। अदालत ने मंगलवार को बैंकर गैरी फारो समेत अन्य के मामले की सुनवाई की, जिन्होंने ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन को बैंक में खाते खोलने में मदद की थी।

चीन के उन्नत विमानवाहक पोत का परीक्षण शुरू

फुजियान के चीनी सेना में शामिल होने के बाद ड्रैगन की ताकत में होगा इजाफा

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने अपने सबसे उन्नत और तीसरे विमानवाहक पोत फुजियान का समुद्री परीक्षण शुरू कर दिया है। फुजियान के चीनी सेना में शामिल होने के बाद ड्रैगन की ताकत काफी ज्यादा बढ़ जाएगी। ताइवान और दक्षिण चीन सागर में जारी विवाद के बीच चीन ये परीक्षण कर रहा है।

बुधवार से शुरू हो रहे परीक्षण में पोत के स्थायित्व, और इलेक्ट्रिक सिस्टम का प्राथमिक तौर पर परीक्षण किया जाएगा। चीन ने साल 2022 में फुजियान विमानवाहक पोत को लॉन्च किया था। अभी तक फुजियान पोत अपने मूरिंग परीक्षण और अन्य तकनीकी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर चुका है। विमानवाहक पोत के परीक्षण के चलते चीन ने यांग्जी नदी में यातायात परिवहन रोक दिया है। यांग्जी नदी में यातायात परिवहन पर रोक 9 मई तक जारी रहेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन साल 2035 तक दक्षिण चीन सागर में पांच या छह विमानवाहक पोतों की तैनाती का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

दक्षिण चीन सागर में चीन का कई देशों के साथ विवाद चल रहा है। चीन, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा जताता है। इस वजह से चीन का फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान के साथ सीमा विवाद चल रहा है। दक्षिण चीन सागर में चीन की नौसेना कई बार फिलीपींस के नौसैनिक जहाजों को रोक चुकी है। चीन अपने विमानवाहक पोतों का नाम अपने राज्यों के नाम पर रखता है। फुजियान प्रांत ताइवान जलडमरूमध्य की सीमा पर स्थित चीन का राज्य है। इसके अलावा चीन के पहले दो विमानवाहक पोत लियोनिंग और शानडोंग हैं। चीन का पहला विमानवाहक पोत लियोनिंग था, जिसे साल 2012 में कमीशन किया गया था।

लियोनिंग सोवियत काल के विमानवाहक पोत का उन्नत संस्करण था। चीन का दूसरा विमानवाहक पोत शानडोंग साल 2019 में कमीशन हुआ। फुजियान एक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम है, जिसे चीन में ही विकसित किया गया है। यह अमेरिका के आधुनिक विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर.फोर्ड जैसा ही है। फुजियान का कुल वजन 80 हजार टन है, जो कि बाकी दो पोतों से 20 हजार टन ज्यादा है। चीन के पूर्व के दो विमानवाहक पोत स्की जंप टेक-ऑफ रैंप से लैस हैं, जबकि फुजियान में फ्लैट टॉप फ्लाइट डैक की सुविधा है। चीन अपने विमानवाहक पोतों पर जे-15 फाइटर जेट की तैनाती करता है। चीन अपनी नौसेना की ताकत लगातार बढ़ा रहा है। इसी के तहत पनडुब्बी, युद्धक जहाज की संख्या लगातार बढ़ा रहा है। एक अनुमान के मुताबिक चीन लगभग हर महीने एक नौसैनिक जहाज का निर्माण कर रहा है। साथ ही चीन पाकिस्तान की नौसेना को भी मजबूत करने के लिए उसे युद्धक जहाज और पनडुब्बियां दे रहा है।

बंटवारे के बाद समूह की सूचीबद्ध कंपनियां संभालेंगे आदि गोदरेज, चचेरे भाई जमशेद को मिला भूमि बैंक

एजेंसी

मुंबई । देश के प्रमुख औद्योगिक घराने और 127 साल पुराने गोदरेज समूह का बंटवारा हो गया है। इस बंटवारे के तहत समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का स्वामित्व आदि गोदरेज और उनके भाई नादिर को मिलेगा। वहीं समूह की गैर सूचीबद्ध कंपनियां और गोदरेज समूह का भूमि बैंक चचेरे भाई जमशेद और उनकी बहन स्मिता को मिलेगा।

गोदरेज समूह साबुन से लेकर घरेलू सामान, रियल एस्टेट तक फैला हुआ है। बंटवारे के तहत गोदरेज समूह अब दो हिस्सों में बंट गया है, जिसमें गोदरेज इंडस्ट्रीज की कमान आदि गोदरेज (82 वर्षीय) और उनके भाई नादिर गोदरेज (73 वर्षीय) संभालेंगे। गोदरेज इंडस्ट्रीज में समूह की पांच सूचीबद्ध कंपनियां आती हैं, जिनमें गोदरेज इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, गोदरेज प्रोपर्टीज, गोदरेज एग्रोवेट और एस्टेक लाइफ साइंसेज शामिल हैं। इसके चेयरपर्सन नादिर गोदरेज होंगे और इसका नियंत्रण आदि गोदरेज और नादिर के परिवार के पास रहेगा। आदि गोदरेज के बेटे पिरोजशा गोदरेज (42 वर्षीय) गोदरेज इंडस्ट्रीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष होंगे। पिरोजशा साल 2026 में नादिर गोदरेज की जगह लेंगे। वहीं गोदरेज एंटरप्राइजेज की कमान जमशेद गोदरेज (75 वर्षीय) और उनकी बहन स्मिता गोदरेज कृष्णा (74 वर्षीय) संभालेंगी। गोदरेज एंटरप्राइजेज में एयरोस्पेस, एविएशन, सुरक्षा, फर्नीचर और आईटी सॉफ्टवेयर संबंधी कंपनियां शामिल हैं। जमशेद गोदरेज इसके चेयरपर्सन और मैनेजिंग डायरेक्टर होंगे। वहीं उनकी बहन स्मिता की बेटी न्यारिका होल्कर (42 वर्षीय) एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर होंगी। जमशेद गोदरेज को गोदरेज एंटरप्राइजेज के साथ ही मुंबई में 3400 एकड़ का भूमि बैंक भी मिलेगा। बंटवारे के तहत दोनों पक्षों ने विपक्षी खेमे की कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। आदि और नादिर ने गोदरेज और बॉयस कंपनी के बोर्ड को छोड़ दिया है, वहीं जमशेद गोदरेज ने गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड और गोदरेज प्रोपर्टीज के बोर्ड को छोड़ दिया है। साथ ही दोनों पक्ष एक दूसरे की कंपनियों से अपने-अपने निवेश भी निकालेंगे।

समर वेकेशन में बच्चों को दुबई घुमाने का बनाएं प्लान

गर्मियों की छुट्टिया जल्द ही पड़ने वाली है। ऐसे मे बच्चे कहीं बाहर घूमने जिद जरुर करते हैं। अगर आप दुबाई घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले फ्लाइट की टिकट, खाने का खर्च और होटल पर होने वाले खर्च का प्लानिंग कर लें। जानें परिवार के साथ दुबई जाने पर कितना आएगा खर्च।

समर सीजन में लोग कहीं न कहीं घूमने जरुर जाते हैं, जहां मौसम सुहावना हो और उन्हें अधिक गर्मी का अहसास न हो। अगर आप अपने परिवार के साथ दुबई घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो सबसे पहले आपको बजट के बारे में जानना होगा। चलिए परिवार के साथ घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आप पूरा खर्चा जरुर जान लें।

दुबई जाने के लिए फ्लाइट टिकट की कीमत

- अगर आप फ्लाइट की टिकट का खर्चा जानना होगा। इसके लिए आप अपने पूरे परिवार के लिए आने-जाने की टिकट तय कर लें।

- वहीं आप फ्लाइट टिकट जितनी जल्दी बुक करेंगे, आपको उतना ही फायदा होगा। इसलिए कोशिश करें ट्रिप प्लान करने से 15 से 30 दिन पहले ही टिकट बुक करें।

- वहीं फ्लाइट की टिकट एक व्यक्ति की 10 से 12 हजार रुपये की है।

- यदि आप 4 लोग साथ जा रहे हैं, तो 40 हजार रुपये आपको दुबई तक पहुंचने के लिए देने होंगे।

- ध्यान रखें कि टिकट बुक करते समय आप बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करें।

- ऐसा करने से टिकट बुक करते समय आप 5 से 6 हजार रुपये बचा सकते हैं।

इस तरह 4 लोगों के दुबई आने-जाने के लिए फ्लाइट की टिकट का खर्च 60 से 70 हजार रुपये तक आएगा।

दुबई में होटल का खर्चा

- अगर आप अपने पूरे परिवार के साथ घूमने का सोच रहे हैं, तो आप होटल की बजाय हॉस्टल में रात गुजारें। हॉस्टल का खर्च आपको सस्ता पड़ेगा। दुबई में शानदार होटल काफी महंगे होते हैं।

- वहीं, दुबई में 4 लोगों के एक रात के लिए होटल में रहने पर कुल खर्च 6 हजार रुपये तक आएगा। क्योंकि एक कमरे में दो लोग रहेंगे। अगर एक कमरे का प्राइस 3 हजार है, तो दो कमरे के लिए आपको 6 हजार रुपये देने होंगे।

- यदि आप हॉस्टल में रहते हैं, तो आपको बस एक रात के लिए 1000 रुपये प्रति व्यक्ति देने होंगे।

-इस तरह अगर दुबई में 4 दिन रहने का प्लान बना रहे हैं, तो प्रति दिन, प्रति व्यक्ति 4000 रुपये खर्च आएगा।

दुबई में घूमने का खर्च

1-दुबई में सबसे अधिक खर्च घूमने पर ही होता है। अगर आप ऐसी जगहों पर घूमने जाएं, जहां एंट्री फीस न हो। यदि आप पूरे परिवार के साथ दुबई घूमने जा रहे हैं, तो अपने घूमने के खर्च में बचत करनी होगी। दुबई की फेमस जगह पर घूमने के बाद आप उन जगहों पर घूमने जाएं, जहां एंट्री फीस कम हो या फिर न हो।
2- वहीं आप सबसे ज्यादा खर्च कैब से ट्रैवल करने पर आता है।
3- आप दुबई में कैब से घूमने की बजाय आप मेट्रो या सार्वजनिक बस से घूमने जा सकते हैं।
4- इससे घूमने में 4 दिनों तक आपका कुल खर्चा 20 से 25 हजार तक आएगा।

हनीमून का बना रहे हैं प्लान तो भूलकर भी न जाएं ये जगह, धूप और पसीने से खराब हो जाएगी हालत

भारत की कुछ जगहों पर मई के महीने में आग बरसती है। इन जगहों पर घूमना तो दूर आप ज्यादा देर तक खड़े भी नहीं हो सकते हैं। आज हम आपको उन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आपको मई महीने में जाने से बचना चाहिए। इस बार अप्रैल से ही गर्मी अपना कहर दिखाना शुरूकर चुकी है। गर्मी के तीखे तेवरों ने अभी से लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। धूप और पसीने के कारण लोग बाहर जाने से बच रहे हैं। जब अप्रैल में गर्मी का ये हाल है, तो मई और जून अभी बाकी है। ऐसे में जिनकी नई शादी हुई है, वह अपना हनीमून प्लान कर रहे होंगे। ऐसे में अगर आप भी मई महीने में भारत में हनीमून प्लान कर रहे हैं। तो आपको अपनी ट्रिप सोच समझकर प्लान करना चाहिए।

क्योंकि भारत की कुछ जगहों पर मई के महीने में आग बरसती है। इन जगहों पर घूमना तो दूर आप ज्यादा देर तक खड़े भी नहीं हो सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आपको मई महीने में जाने से बचना चाहिए।

राजस्थान

अप्रैल-मई के महीने में राजस्थान जाने से बचना चाहिए। वैसे तो यह बेहद खूबसूरत राज्य है और यहां पर आप बहुत सारी चीजें एक्सप्लोर कर सकते हैं। लेकिन गर्मियों में यहां जाने का प्लान नहीं बनाना चाहिए।

गुजरात

गर्मियों में गुजरात ना बेवकूफी भरा हो सकता है। अप्रैल महीने से ही यहां पर गर्मी के तीखे तेवर हो जाते हैं। ऐसे में आप गुजरात की जगह किसी ऐसे स्थान पर जाने का प्लान बनाएं, जहां पर आप हनीमून को अच्छे से एन्जॉय कर सकें।

महाराष्ट्र

वैसे तो हनीमून के लिए मुंबई काफी अच्छी जगह है। लेकिन गर्मी के मौसम में यहां पर आने से बचना चाहिए। क्योंकि महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में जरूरत से ज्यादा गर्मी पड़ती है। वहीं चंद्रपुर क्षेत्र काफी गर्म रहता है। अगर आप गर्मी में महाराष्ट्र जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आप खंडाला, लोनावला, माथेरन और पंचगनी जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश मई के महीने में काफी गर्म रहता है। ऐसे में गर्मी के मौसम में यहां पर हनीमून के लिए आना आपको महंगा पड़ सकता है। क्योंकि गर्मियों में यहां का तापमान करीब 40-45 के आसपास पहुंच जाता है। ऐसे में गर्मियों में उत्तर प्रदेश घूमने का प्लान नहीं बनाना चाहिए।

गोवा

वैसे तो गोवा देश का सबसे पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। लेकिन गर्मियों में यहां पर हनीमून आइडिया बुरी तरह से फ्लॉप हो सकता है। हर कोई गर्मियों में गोवा जाने से कतराता है। भले ही गोवा में कई समुद्र तट हैं। लेकिन इसके बाद भी गोवा की गर्मी आपको परेशान कर देगी।

तमिलनाडु

वैसे तो कपल्स हनीमून के लिए तमिलनाडु जा सकते हैं। लेकिन गर्मियों में यहां पर आप हनीमून ए-?जॉय नहीं कर पाएंगे।

क्योंकि मई के महीने में यहां का तापमान करीब 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास होता है। इसलिए आपको तमिलनाडु मानसून के दौरान जाना चाहिए। क्योंकि बरसात के दिनों में राज्य में स्थित हिल स्टेशन पर हनीमून मनाने का मजा ही कुछ और है।

पंचायत 3 फिल्म की रिलीज डेट आयी सामने, दर्शकों का इंतजार हुआ खत्म

पंचायत सीजन 1 और 2 के बाद, ऑडियंस नें सीजन 3 को लेकर काफी इंतजार किया है, पर अब और नहीं फैंस का इंतजार हुआ खत्म। बताया जा रहा है की पंचायत 3 जल्द ही रिलीज होने वाली है। जीतेंद्र कुमार की 'पंचायत 3' इस साल की मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज में से एक है। ऑडियंस लंबे वक्त से इस वेबसीरीज का इंतजार कर रही हैं, बीते दिनों मेकर्स ने सीरीज की डेट बताने का एक 'लौकी' दार तरीका निकाला था, जिसे देखकर लोग काफी नाराज हो गए थे। उन्हें मेकर्स का यह मजाक बिलकुल पसंद नहीं आया था पर इन सबके बीच 'पंचायत' सीजन 3 की रिलीज डेट आखिरकार पता चल ही गयी।

वेबसीरीज और मूवीज लवर्स के लिए यह साल काफी अच्छा जाने वाला है ,इस साल अलग अलग ओटीटी प्लेटफार्म में कई नयी वेबसीरीज रिलीज होने वाली है ,साथ ही साल 2024 में कई नयी फिल्मों का भी एलान हो चुका है। इस लिस्ट में मिर्जापुर सीजन 3 ,पंचायत सीजन 3 जैसे नाम शामिल है। अमेजन प्राइम वीडियो की फेमस वेब सीरीज 'पंचयात' जिसे जनता की ओर से काफी प्यार मिला। 'पंचायत' का सफर साल 2020 से शुरू हुआ था। फिर मई 2022 में इसका दूसरा सीजन भी आ गया था। तब से पब्लिक को इस सीरीज के अगले सीजन का इंतजार है, कुछ वक्त पहले ऐसी खबर आई थी कि, इस सीरीज का तीसरा सीजन 15 जनवरी को रिलीज हो सकता है। पर वो खबर झूटी साबित हुई और सीरीज जनवरी में भी रिलीज नहीं की गयी। इसके बाद ऑडियंस में काफी नाराजगी देखि गयी। पर अब फाइनली दर्शकों का पंचायत के अगले सीजन को लेकर इंतजार खत्म हुआ 'पंचायत 3' की रिलीज डेट पता लग गई है। आपको बता दे कि 'पंचायत' अभिषेक नाम के एक लड़के की कहानी है जो नौकरी के चक्कर में फुलेरा नाम के एक छोटे से गांव में आ जाता है। और इस बदलाव के साथ अभिषेक के जीवन में जितने भी घटनाये घटती है , वही फिल्म की कहानी है। इस सीरीज में जीतेंद्र कुमार, फैसल मलिक, रघुबीर यादव ,चंदन कुमार और नीना गुप्ता जैसे स्टार्स ने काम किया है। इस सीरीज का लोग काफी लंबे वक्त से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट बताने का काफी अतरंगी सा तरीका भी अपनाया पर मेकर्स की यह तरकीब किसी को पसंद नहीं आयी। ऑडियंस तरकीब की इस वीडियो पर तरह-तरह के कमेंट्स करने लगी। एक ने तो कमेंट के जरिये सीरीज को लेकर अपना प्यार भी व्यक्त कर दिया यूजर ने लिखा 'देख रहा है न बिनोद कैसे लौकी छिलवा रहे हैं' तो वही दूसरे यूजर ने गुस्से में पूछ लिया की सीरीज कब रिलीज हो रही है इसका सीधा सीधा जवाब दो। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक, 28 मई को सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो जाएगी। लेकिन इस खबर को लेकर भी मेकर्स की तरफसे अबतक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं आयी है।

एक्ट्रेस से पहले पत्रकार बनना चाहती थी अनुष्का शर्मा, फिर पलटी किस्मत

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। उनका नाम बॉलीवुड की सबसे सक्सेसफुल और टैलेंटेड एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार हैं अभिनेत्री अनुष्का शर्मा 1 मई को उन्होंने अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया। एक्ट्रेस का जन्म एक मई 1988 को उत्तर प्रदेश के आयोध्या में हुआ था। विराट कोहली की पत्नी अनुष्का की पहली पसंद एक्टिंगनहीं बल्कि जर्नलिस्ट बनना चाहती थी। बता दें एक्ट्रेस कभी जर्नलिज्म में अपना करियर बनाना चाहती थी। लेकिन, उनकी किस्मत उन्हें मॉडलिंग फिर एक्टिंग की दुनिया में खींच लाई। अनुष्का का जन्म 1 मई 1988 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हुआ था।

अनुष्का शर्मा एक आर्मी परिवार से हैं। आज हम आपको बताएँगे फिल्म से पहले अनुष्का अपना करियर इस फील्ड में बनाना चाहती थी। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा शुरुआत में पत्रकार बनना चाहती थीं। एक्ट्रेस ने फिल्मों में आने के बारे में सोचा नहीं था। इसी के साथ मॉडलिंग में भी उनकी दिलचस्पी थी, उन्हें पहला मॉडलिंग प्रोजेक्ट किस्मत से मिला था। इस दौरान उन्हें लैक्मे फैशन वीक में वेंडेल रोड्रिक्स के लिए मॉडलिंग करने का मौका मिला और बाद में उन्हें जब पहला ब्रेक मिला इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत शाहरुख खान के साथ फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से अपना डेब्यू किया था। पहली फिल्म हिट होने के बाद अनुष्का ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इंडस्ट्री में कई बड़े और नामी चेहरों के साथ अभिनेत्री ने स्क्रीन शेयर किया है। विराट और अनुष्का ने 11 दिसंबर 2017 को शादी कर ली थी।

अपनी इस शादी को रॉयल बनाने के लिए विराट-अनुष्का ने पानी की तरह पैसा बहाया गया था। जिस रिजॉर्ट में कपल की शादी वो खास उनके लिए दिसंबर में खोला गया था। वर्ना ये रिजॉर्ट हमेशा अप्रैल में खुलता है। शादी के लिए 50 खास मेहमानों को ही न्योता दिया गया था। यहां एक व्यक्ति के एक हफ्ते रुकने का खर्च करीब एक करोड़ रुपए है।

दूध के साथ कभी न करें नमकीन स्नैक्स का सेवन, हो सकता बड़ा नुकसान

दूध पीना हमारी सेहत के लिए लाभदायक है यह तो हम सभी जानते हैं लेकिन क्या आपको पता है की दूध के साथ कुछ चीजों का सेवन हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। लोग खाली दूध पीना पसंद नहीं करते जिसकी वजह से अंजाने में कभी न कभी हम ऐसी चीजों का सेवन दूध के साथ कर बैठते हैं जिन्हें हमें नहीं करना चाहिए।

वह कई तरह की चीजें हो सकती हैं जैसे, नमकीन, केला सेब, दही, स्नैक्स या समोसे अदि। आप सभी शयद जानते नहीं हैं की आपकी ये आदत आपको अंदर से बीमार कर रही है। इसलिए हम आपको ऐसी कुछ चीजों के बारे में बताएंगे जिनका सेवन दूध के साथ भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

दूध के साथ नमकीन स्नैक्स का सेवन

चिप्स और प्रेट्जेल जैसे नमकीन स्नैक्स आपको प्यासा बना सकते हैं, और जब आप दूध से उस प्यास को बुझाते हैं, तो इन स्नैक्स में उच्च नमक सामग्री शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को बाधित कर सकती है। इस संयोजन से सूजन और असुविधा हो सकती है।

मसालेदार भोजन : मसाले पेट में एसिड उत्पादन को उत्तेजित कर सकते हैं, जो दूध के साथ मिलकर कुछ व्यक्तियों के लिए पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। मसालेदार खाद्य पदार्थ जैसे गर्म करी, मिर्च और भारी मसाले दूध के साथ सेवन करने पर एसिड रिफ्लक्स या अपच का खतरा बढ़ सकता है।

खट्टे फल : दूध और खट्टे फलों का भी एक साथ सेवन नहीं किया जाता है। खट्टे फल और दूध का एक साथ सेवन करने से उल्टी या पेट दर्द की समस्या हो सकती है। अगर आपको दूध पीना ही है तो फ्रूट खाने के कम से कम 2 घंटे बाद दूध का सेवन करें।

केला : ऐसा माना जाता है कि दूध के साथ केला खाना एक स्वस्थ आदत मानी जाती है, लेकिन अब इस पर रोक लगाने का समय आ गया है। यह संयोजन बेहद भारी है और आपको थकावट महसूस करा सकता है क्योंकि इसे पचने में लंबा समय लगता है। इसलिए, दूध के साथ इस स्वादिष्ट फ्रूट से परहेज करना ही बेहतर है।

गुड़ : अक्सर लोग दूध में चीनी की जगह गुड़ मिलाते हैं। यह एक हेल्दी विकल्प है, लेकिन आयुर्वेद में दूध के साथ गुड़ को पेट के लिए हानिकारक बताया गया है। इससे पेट खराब होने की आशंका रहती है.

उच्च प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ : जबकि दूध पहले से ही प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है, अंडे, मांस या बीन्स जैसे अन्य उच्च प्रोटीन खाद्य पदार्थों के साथ इसका सेवन आपके पाचन तंत्र पर बोझ डाल सकता है। कई प्रोटीन स्रोतों के संयोजन को पचाना कठिन हो सकता है और पाचन संबंधी परेशानी हो सकती है।

कान की सूजन को इन नुस्खों से करें ठीक

हम एक बार पीठ या पेट का दर्द भी सहन कर सकते हैं लेकिन कान का दर्द किसी के लिए भी सहन के बाहर होता है। ये दर्द इतना भयंकर होता है की इसकी वजह से अच्छे-अच्छों का भी रोना तक आ जाता है। वैसे देखा जाए तो ये दर्द कई वजहों से हो सकता है जैसे, हेडफोन से तेज आवाज में गाने सुनना या फिर कई बार कई कारणों की वजह से हमारे कान से पानी बहने लगता है जिसकी वजह से सूजन आ जाती है और दर्द होने लगता है लेकिन अगर हम बात सिर्फ सूजन की करें तो इसके बारे में पहले लोग ज्यादा ध्यान नहीं देते जिसके बाद ये बढ़ जाती है। ऐसे में अगर आपको भी लग रहा है की आपके कानों में सूजन और दर्द हो रहा है तो आपको नुस्खे अपनाने चाहिए।

एरंड के पत्तों को तेल : एरंड के पत्तों को तेल लगाकर सेक ले। फिर इसे कान के सुजन वाले हिस्से पर लगा ले या बांध ले। इससे कान की सुजन दूर होगी।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल : अगर आपके कान में सूजन हो रही है तो आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। एलोवेरा जेल में एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होते हैं जिससे कान में सूजन की समस्या और दर्द दूर होता है।

आप एलोवेरा के पत्तियों से निकलने वाले जेल को कान के बाहरी हिस्से में एप्लाई करें जहां सूजन नजर आ रही है और सूजन व दर्द को दूर करने के लिए आप एलोवेरा तो हफ्ते में 3 से 4 बार लगा सकते हैं।

गुड व चने का लेप : सुजन वाले स्थान पर गुड व चने का लेप लगाने से भी राहत मिलती है और दर्द का अहसास भी कम किया जा सकता है।

छछ का लेप : सनई के बीज, मेथी, काला जीरा, हल्दी, सभी को एक साथ मिला ले तथा इसको छछ में पिस ले और इसका लेप सुजन वाली जगह पर लगा ले। इससे आपको तुरंत ही राहत मिलेगी।

गर्म सिकाई करें : कान में सूजन की समस्या को दूर करने के लिए आप गर्म सिकाई करें, गरम या ठंडी सिकाई दोनों को ही आप कान में सूजन की समस्या को दूर करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको सिकाई करने के लिए गरम तिल को पोटली में बांधकर उसे कान के बाहरी हिस्से में लगाकर सूजन को कम करना है आप बर्फको पोटली में बांधकर उसे कान के बाहरी हिस्से में लगाएं।

धतूरे का रस : सुजन वाले स्थान पर चित्रकमूल व् सहिजन को धतूरे के रस में पीसकर लेप लगाकर ऊपर से रुई बांध ले। ऐसा दिन में 3-4 बार करे इससे कान के दर्द व् सुजन में राहत मिलेगी।

गाय का मूत्र : सोंठ 3 ग्राम, काला तिल 2 ग्राम, बिनोला 4 ग्राम, सभी को गाय के मूत्र में मिलाकर सुजन पर लगाये। इससे भी सुजन से राहत मिलेगी।

सेब का सिरका : कान पकने के कारण भी कान में सूजन की समस्या हो सकती है जिसे दूर करने के लिए आप एप्पल साइडर विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

विनेगर की मदद से आप कान में संक्रमण की समस्या को दूर कर सकते हैं। एप्पल साइडर विनेगर में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं जिससे कान में संक्रमण दूर होता है और सूजन घटती है।

अगर पस की समस्या है तो वो भी दूर होती है। आपको सूजन कम करने के लिए विनेगर को रूई पर लगाकर कान के बाहरी हिस्से में लगाना है इससे कान में सूजन की समस्या दूर हो जाएगी।

ध्यान दें: कान में सूजन की समस्या के लिए आप आसान उपाय अपना सकते हैं लेकिन दर्द से राहत न मिले तो आप डॉक्टर से संपर्क करें ।